सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
17.05.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

लोकसभा चुनाव 2024
सभी चुनें सही चुनें

khabarmantra.net वैशाख, शुक्ल पक्ष, दशमी, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 302

12

विपक्ष का फार्मूला, हर साल नया पीएम : मोदी

न्यूज डायरी

संथाल में ठनका तीन बच्चों समेत छह की मौत

दुमका। संताल परगना के साहिबगंज और दुमका में ठनका से तीन बच्चों समेत 6 लोगों की मौत हो गयी। ये हादसा गुरुवार की दोपहर हुआ। साहिबगंज के तीनपहाड़, राजमहल, मंडरो व तालझारी तथा दुमका के चिरुडीह गांव में इन छह लोगों की मौत हुई। मरनेवालों में दो महिलाएं व एक बच्ची भी है। दुमका नगर के चिरुडीह गांव में वज्रपात में दो बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों के नाम मिस्वाज अंसारी (12), मो इनायत हुसैन (8), राजमहल के पिपरजोरिया गांव में संतोष उरांव की दो बेटियां अनिता कुमारी (13) व रुमझुम कुमारी (11) शामिल है।

आदिवासियों का हक छीना जा रहा है : राहुल

बालंगीर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ओड़िशा के बालंगीर में कहा, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, गरीबों और अल्पसंख्यकों की देश में कोई भागीदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में न्याय नहीं हो रहा है। जल, जमीन और जंगल से आदिवासियों के हकों को छीना जा रहा है। न्याय के लिए हर एक वोट जरूरी है। उन्होंने कहा सरकार बनते ही जाति जनगणना करायेंगे, ताकि आदिवासी, पिछड़े, दलित और गरीब सामान्य जाति को उनकी आबादी और देश में भागीदारी का पता चल सके।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

कोडरमा। मदनगुंडी के पास गुरुवार की दोपहर कंटेनर और ऑटो की जोरदार टक्कर में ऑटो सवार दो महिलाओं की मौत हो गयी। वहीं ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मंत्री आलमगीर आलम छह दिन की इडी रिमांड पर

टेंडर कमीशन घोटाला जेल में बीती रात, आज से 22 तक होगी पूछताछ

इडी ने कोर्ट में कहा
- बरामद 35 करोड़ का संबंध मंत्री से
- हर टेंडर में 1.5 फीसदी कमीशन लेते थे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ठेकों में कमीशनखोरी की राशि का मनी लाउंड्रिंग करने के आरोप में गिरफ्तार ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से ईडी छह दिनों तक अपने साथ रखकर पूछताछ करेगी। गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट ने छह दिनों की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की इजाजत दी है। इडी ने 10 दिन के रिमांड की मांग की थी। शुक्रवार से उनकी रिमांड शुरू होगी। इस दौरान इडी की टीम उनसे बरामद पैसों का सोर्स जानने की कोशिश करेगी। कोर्ट में पेशी के बाद श्री आलम को न्यायिक हिरासत में लेते हुए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया।

पीएमएलए कोर्ट में पेशी

इससे पूर्व गिरफ्तार आलमगीर आलम को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इडी ने गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा के समक्ष पेश किया गया। इडी ने आवेदन दे कर दस दिनों की रिमांड मांगी। आवेदन में कहा गया था कि 32.20 करोड़ रुपये जब्त नकदी का संबंध आलमगीर आलम से है, जो जहांगीर आलम द्वारा एकत्र किया गया था। इडी की ओर से एएसजी अनिल कुमार एवं शिव कुमार काका और आलमगीर आलम की ओर से अनिल कुमार कंठ ने बहस की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने छह दिनों की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की अनुमति प्रदान की। अदालत ने आरोपी आलमगीर आलम को न्यायिक हिरासत में लेते हुए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया। इडी शुक्रवार को जेल से उन्हें अपने साथ पूछताछ के लिए ले जायेगी। पूछताछ 17 से 22 मई तक की जायेगी।

कोर्ट ने पूछा नाम-पता

पेशी के दौरान कोर्ट ने आलमगीर आलम से नाम और पता पूछा। साथ ही स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस पर उनके वकील ने कहा गया कि उन्हें अनिंद्रा की बीमारी है। इसके लिए सीपीएपी मशीन की जरूरत पड़ती है। इसे साथ रखना है। कोर्ट ने पूछताछ के दौरान ईडी को आलमगीर आलम के स्वास्थ्य पर ध्यान रखने का निर्देश दिया। ईडी की ओर से कहा गया कि पूछताछ के दौरान स्वास्थ्य की पूरी तरह से विशेष ध्यान रखा जाता है।

इडी ने किया खुलासा 1.5 फीसदी कमीशन जाता था मंत्री को

ईडी ने रिमांड के लिए दिये गये आवेदन में टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता में मंत्री की संलिप्तता की जानकारी कोर्ट को दी है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि गवाहों के बयान और अलग-अलग दिनों में हुई छापेमारी में मिले सबूत यह बताते हैं कि आलमगीर आलम की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि ग्रामीण विकास विभाग के प्रत्येक टेंडर में आलमगीर आलम टेंडर राशि का 1.5 प्रतिशत वसूलते थे।

पेशी के दौरान नारेबाजी पर कोर्ट खफा

मंत्री की पेशी के दौरान सिविल कोर्ट परिसर में उनके समर्थक नारेबाजी करने लगे। इससे कुछ समय के लिए वहां अशांति का वातावरण छा गया। नारेबाजी पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जतायी। उनके वकील को ऐसा करने से मना करने को कहा गया। बाद में पुलिस प्रशासन ने सख्ती बरती।

अमित शाह का आज रांची में रोड शो

19 को फिर आयेंगे मोदी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रहे हैं। इस दौरान शुक्रवार को श्री शाह रांची के चुटिया में शाम 5 बजे से रोड शो करेंगे। रोड शो चुटिया के इंदिरा गांधी चौक से सरस्वती शिशु मंदिर तक होगा। साथ ही लोगों से भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ के पक्ष में वोट देने की अपील करेंगे। शनिवार को श्री शाह बोकारो में जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले श्री शाह ने झारखंड में पहले और चौथे चरण के चुनाव से पहले खूंटी में जनसभा की थी।

वहीं पीएम मोदी एक बार फिर चुनाव प्रचार करने 19 मई को झारखंड आ रहे हैं। वह जमशेदपुर से भाजपा उम्मीदवार विद्युत वरण महतो के समर्थन में घाटशिला में जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी मोदी और गृहमंत्री के झारखंड दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। पीएम मोदी अब तक झारखंड में पांच चुनावी सभा व राजधानी रांची में रोड शो कर चुके हैं। उनकी चाईबासा, पलामू, गुमला, चतरा व गिरिडीह में चुनावी सभा हो चुकी है।

प. सिंहभूम में सड़क हादसा एक परिवार के 6 की मौत

जैंतागढ़ (प सिंहभूम)। ओड़िशा से सटे प सिंहभूम के जैंतगढ़ के रिमुली कॉलेज के पास दो ट्रकों की चपेट में आकर कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गयी। सभी बड़बिल के भद्रसाइ निवासी थे। सभी शादी समारोह में भाग ले कर अपने घर बड़बिल लौट रहे थे। मृतकों में कार मालिक संजय महाकुड़, बेटी पीहू महाकुड़ (12), पत्नी एसंबा महाकुड़, साली लूसी पलाई, सास फुलंती पलाई और ड्राइवर प्रमोद पलाई शामिल हैं।

हेमंत की याचिका पर आज सुप्रीम सुनवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। उनकी याचिका पर 13 को सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने इडी को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को गलत बताते हुए झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाइकोर्ट ने हेमंत की गिरफ्तारी को सही बताते हुए याचिका खारिज कर दी थी। इस आदेश को हेमंत ने चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पिछली सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की ओर से अदालत को बताया गया था कि जिस जमीन की गड़बड़ी की बात कह ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है, वह जमीन हेमंत सोरेन के कब्जे में कभी रही ही नहीं। ऐसे में जमीन में गड़बड़ी का आरोप लगा कर हेमंत सोरेन को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। ईडी ने हेमंत सोरेन के नाम पर जमीन होने का एक भी दस्तावेज पेश नहीं किया है। ऐसे में उनकी गिरफ्तारी सही नहीं है।

राम तो आ गये, अब कृष्ण की बारी : मोहन यादव

रांची। भाजपा के स्टार प्रचारक और एमपी के सीएम मोहन यादव ने गुरुवार को कोडरमा में अन्नपूर्णा देवी और हजारीबाग में मनीष जायसवाल के पक्ष में जनसभा की। की। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया। राम मंदिर भी बनाकर हम लोगों को दिया है। अब मथुरा की बारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के सीएम पहले ही जेल गये और पीछे से मंत्री आलमगीर आलम भी। उन्होंने कहा देश भर में वन यूनिफॉर्म कोड भी लागू किया जायेगा।

राज्य सरकार और झारखंड विधानसभा ने सौंपी सीलबंद रिपोर्ट

विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामला

कोर्ट ने पूछा था जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में क्या त्रुटियां थीं

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में राज्य सरकार और विधानसभा की ओर से सीलबंद रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की गई। जिस पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 11 जून की तिथि निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार और झारखंड विधानसभा से पूछा था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में क्या त्रुटियां थी जिसके कारण दूसरी आयोग बनानी पड़ी थी। सुनवाई के दौरान गवर्नर की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि चूंकि इस मामले में विधानसभा कार्यालय की संलिप्तता थी। इसलिए हाईकोर्ट को पत्र लिखा गया था। इसके बाद लोकनाथ प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमेटी बनी थी, उनके इस्तीफा के बाद जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमेटी बनी थी। इस कमेटी के बाद एसजे मुखोपाध्याय आयोग बनाने के संबंध में गवर्नर को कोई जानकारी नहीं दी गई थी और न ही इस आयोग को बनाने में गवर्नर की अप्रूवल था। बता दें कि राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद एवं एसजे मुखोपाध्याय आयोग रिपोर्ट सीलबंद प्रस्तुत किया जा चुका है।

क्या है मामला : प्रार्थी के अधिवक्ता की ओर से पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी। जिसने मामले की जांच कर राज्यपाल को वर्ष 2018 में रिपोर्ट सौंपी थी. जिसके आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को एक्शन लेने का निर्देश दिया था। लेकिन वर्ष 2021 के बाद से अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। राज्यपाल के दिशा-निर्देश के बावजूद भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस मामले को लंबा खींचा जा रहा है। मामले में देरी होने से गलत तरीके से चयनित होने वाले अधिकारी सेवानिवृत हो जाएंगे। दरअसल, हाईकोर्ट के अधिवक्ता बिनोद कुमार झा के लाइसेंस को सस्पेंड करने और मानहानि के नोटिस को लेकर एसोसिएशन ने विरोध किया था। 15 मई को एडवोकेट एसोसिएशन के सदस्यों ने हाईकोर्ट नंबर-1 के गेट के पास आकस्मिक जेनरल बॉडी की मीटिंग बुलाई थी। बुधवार दोपहर 12.50 बजे हुई मीटिंग में कहा गया था कि अधिवक्ता बिनोद कुमार झा के बार काउंसिल लाइसेंस को जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट ने सस्पेंड कर दिया है। उन्हें कोर्ट की अवमानना का नोटिस भी दिया गया है। ऐसा करने से पहले अधिवक्ता बिनोद कुमार झा को शो-कॉज भी नहीं किया गया। एसोसिएशन की दलील थी कि बिना किसी गलती के उनका लाइसेंस सस्पेंड करने का आदेश दिया गया। बुधवार की मीटिंग के बाद एडवोकेट एसोसिएशन ने 14 मई को सेकेंड हाफ में सभी कोर्ट की कार्यवाही में भाग नहीं लेने का फैसला लिया था। एसोसिएशन की दलील थी कि जब तक जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट अपना आदेश वापस नहीं लेती है, तब तक एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ता उनके कोर्ट को अटेंड नहीं करेंगे। आगे की रणनीति को लेकर 16 मई को सुबह 10.15 बजे फिर से जेनरल बॉडी की मीटिंग कोर्ट नंबर-1 के गेट के सामने बुलायी गई थी। गुरुवार को कोर्ट के आर्डर के बाद एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार और सचिव नवीन कुमार ने बुधवार के फैसले को वापस लेने की घोषणा की। जानकारी के मुताबिक एक याचिका की त्रुटि को दूर नहीं करने पर कोर्ट की तरफ से कार्रवाई का आदेश जारी हुआ था। वैसे, एसोसिएशन के कल के फैसले के बावजूद कार्ट के कामकाज पर इसका कोई प्रभाव नहीं दिखा था। ज्यादातर अधिवक्ताओं ने अपने केस की सुनवाई को अटेंड किया था।

अदालत ने सरकार से पूछा, जमीन कब्जा, महिला अपराध व रंगदारी के मामलों में लगातार लिप्त रहने वाले आरोपियों की जमानत रद्द करने को लेकर क्या हुई कार्रवाई

रांची। दुमका में स्पेनिश बोलने वाली ब्राजील निवासी महिला के साथ गैंग रेप एवं सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्ति जज (स्वर्गीय) एमवाई इकबाल के रांची स्थित जमीन की बाउंड्री वॉल तोड़कर जमीन पर कब्जे की कोशिश मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से पूछा है कि राज्य में जमीन कब्जा, महिला अपराध एवं रंगदारी के मामलों में लगातार लिप्त रहने वाले आरोपियों की जमानत रद्द करने को लेकर क्या कार्रवाई हुई है। इस संबंध में कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने सरकार को एक चार्ट तैयार करने को कहा है, जिसमें आरोपियों की पहचान से संबंधित डाटा रहे ताकि वह अगर दूसरी बार भी वे अपराध करते हुए पकड़े जाएं, तो उनकी पहचान आसानी से हो सके। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पिछले 6 माह से झारखंड में भू-माफियाओं द्वारा जमीन कब्जा, महिलाओं के खिलाफ अपराध व रंगदारी मांगने की घटना को लेकर दर्ज मामले का डाटा एक होने के कारण यह है कि वही अपराधी बार-बार ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। सरकार का डाटा गलत नहीं है। सरकार की ओर से रांची में पिछले 6 माह में उक्त तीनों मामलों में क्राइम का डाटा कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहीं बताया कि राज्य के अन्य जिलों के भू-माफियाओ द्वारा जमीन कब्जे, महिलाओं के खिलाफ अपराध एवं रंगदारी मांगने की अपराध का डाटा अभी नही आ पाया है। जिस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई में सभी जिलों में पिछले 6 माह में भू-माफियाओ द्वारा जमीन कब्जे, महिलाओं के खिलाफ अपराध एवं रंगदारी मांगने की घटना को लेकर दर्ज केस के बारे में जानकारी मांगी है। मामले में राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद एवं अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने पैरवी की।

लैंड जिहाद का बड़ा केंद्र है झारखंड : अरुण

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा, आलमगीर आलम अविलंब इस्तीफा दें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने कहा कि लैंड जिहाद का सबसे बड़ा केंद्र झारखंड है। श्री सिंह गुरूवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के चार चरण संपन्न हो चुके हैं। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। अब हम 400 के आंकड़े की ओर बढ़ रहे हैं। इन चार फेज में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अन्य राज्य में एनडीए गठबंधन को एकतरफा सीटों का लाभ हो रहा है। इंडी गठबंधन के लोगों में हताशा और निराशा व्याप्त है। उन्होंने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण चरम पर है। मंत्री आलमगीर आलम को अविलंब इस्तीफा देना चाहिये। पूरे देशवासियों ने देखा कि 38 करोड़ रुपये उनके सहयोगी और नौकर के पास से मिले हैं। इसके बाद भी अभी तक आलमगीर आलम ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि ये वही आलमगीर आलम है, जिन्होंने कोविड के समय लॉकडाउन में तब्लीगी जमात के लोगों को जमा करके कोविड के नियमों को तोड़ते हुये अलग-अलग स्थान और बंगाल भेजने का काम किया था। उन्होंने कहा कि लैंड माफिया, सेंड माफिया, स्टोन माफिया, लीकर माफिया झारखंड सरकार को चला रहे हैं। मंत्री जेल में है। दो दो आईएएस अधिकारी भी जेल में है। यह पहला ऐसा राज्य है, जहां इतने अधिकारी भ्रष्टाचार के केस में जेल के अंदर हैं। जब भी इंडी गठबंधन की सरकार बनती है, झारखंड को सदैव लूटने का काम करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार आने पर झारखंड को संवारने का काम करती है। जब यूपीए की सरकार थी, तब 12 लाख करोड रुपये का घोटाला हुआ था। 23 वर्ष से राज्य और देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में में भी इन 23 वर्षों में उन पर भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेता चांदी के चम्मच लेकर जन्म लिए हैं। दूसरी तरफ एनडीए का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाय बेचने वाले के घर में जन्म लेकर इस स्थान पर पहुंचे हैं। वे गरीबों की पीड़ा जानते हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ इंडी गठबंधन ने सदैव राम मंदिर का विरोध किया। अब पवित्र करने की बात कर रहे हैं।इंडी गठबंधन के लोगों ने 6 दशक से अधिक देश पर राज किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा 370 को कभी भी हटाने की बात नहीं की। इसकी वजह से देश के कानून वहां लागू नहीं होते थे।

देशवासियों को डराते थे कि धारा 370 नहीं हटना चाहिये। उन्होंने कहा कि भाजपा ने घोषणा की है कि सरकार आने के बाद यूसीसी को लागू करेंगे। वन नेशन, वन इलेक्शन की ओर भी बढ़ेंगे। सीएए को पूरे देश में लागू करेंगे। गरीबों के लिये 3 करोड़ और मकान बनेगा। पीएम सौर घर योजना के माध्यम से आने वाले दिनों में गरीबों के घरों में बिजली मुफ्त होगी। ऊपर सोलर सिस्टम लगेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की सभी 14 लोकसभा की सीट एनडीए गठबंधन जीतने जा रही है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह भी मौजूद थे।

भाजपा के रहते कोई भी आदिवासी के आरक्षण को नहीं कर सकता खत्म : बाबूलाल

रांची/पाकुड़। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि नरेंद्र मोदी और भाजपा के रहते कोई भी आदिवासी, ओबीसी व दलित के आरक्षण को खत्म नहीं कर सकता है। श्री मरांडी गुरूवार को राजमहल लोकसभा के पाकुड़ जिले में बूथस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों की दुकान बंद हो रही है। इसलिये, भी दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को हटाने के लिये इंडी गठबंधन साजिश कर रहा है।उन्होंने राजमहल के पहाड़ों को अवैध रूप से खनन कर पत्थरों को बिहार और बंग्लादेश को बेचने वालों को सजा दिलाने की बात कही। झारखंड के लोगों को प्रधानमंत्री आवास बनाने के लिए बालू नहीं मिलता है। लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन अमरापाड़ा, लिप्टीपाड़ा में रात में कोयला की चोरी कराते थे।

गठबंधन सरकार ने आदिवासियों को छला : रामविचार

रांची/गिरिडीह। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि गठबंधन सरकार ने आदिवासियसों को छला है। श्री नेताम गुरूवार को गिरिडीह में चुनाव प्रचार के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों एवं वन संपदा से संपन्न राज्य होने के बाद भी उसे परिवारवाद ने विकास के मानक में पीछे छोड़ दिया। यहां आदिवासियों के नाम पर भ्रष्टाचार जरूर बहुत हुआ है। यह सब परिवारवाद को पालने पोषने के लिये किया गया है।

हेमंत सोरेन सहित आठ की बढ़ी हिरासत अवधि

रांची। पीएमएलए कोर्ट ने बड़गाई अंचल के 8.46 एकड़ जमीन घोटाले में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत आठ की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी है। इससे पूर्व जेल में बंद हेमंत सोरेन को गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया। पेशी के बाद अदालत ने हेमंत सोरेन एवं बड़गाई अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद, भामुमो नेता अंतु तिर्की, मो सद्दाम, मो अफसर अली, विपिन सिंह, प्रियरंजन सहाय एवं इरसाद अख्तर की न्यायिक हिरासत अवधि 30 मई तक बढ़ा दी है। अगली पेशी 30 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ही की जायेगी।

केशव प्रसाद आज केरेडारी में जनसभा को करेंगे संबोधित

रांची। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को हजारीबाग लोकसभा में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा का आयोजन हजारीबाग जिले के केरेडारी स्थित कृषि फॉर्म मैदान में शाम 6. 00 बजे से किया गया है। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, लोकसभा प्रभारी शशिभूषण भगत, लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल, हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता भी मौजूद रहेंगे।इधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 17 मई को राजमहल और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री मरांडी राजमहल लोकसभा के साहिबगंज जिला के राजमहल स्थित चरवाहा मैदान में 11. 00 से जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी राकेश प्रसाद, लोकसभा संयोजक अनंत ओझा, लोकसभा प्रत्याशी ताला मरांडी, साहिबगंज जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल, कार्यक्रम प्रभारी कार्तिक शाह मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी राकेश प्रसाद, लोकसभा संयोजक अनंत ओझा, मौजूद रहेंगे।

इडी का खुलासा - मंत्री आलमगीर को टेंडर का डेढ़ प्रतिशत जाता था कमीशन, कई अधिकारी रडार पर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। निलंबित ओएसडी संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के ठिकानों से 32 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद होने के बाद ईडी ने ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। 15 मई की शाम मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद 16 मई को उन्हें रांची स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में पेश किया गया। ईडी ने उन्हें रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में जो पिटीशन दिया है, उसमें चौंकाने वाले मामलों का जिक्र है। ईडी का दावा है कि 23 मार्च 2023 को गिरफ्तार ग्रामीण विकास विभाग के तत्कालीन मुख्य सचिव वीरेंद्र राम से जुड़े केस में जांच से पता चला है कि वीरेंद्र राम टेंडर का कमीशन वसूलता था और मंत्री आलमगीर तक कमीशन का डेढ़ प्रतिशत हिस्सा पहुंचवाता था। कमीशन वसूलने और पहुंचाने का काम ग्रामीण विकास विभाग के सहायक अभियंता करते थे। ईडी ने दावा किया है कि सितंबर 2022 में टेंडर कमीशन से वसूले गये 3 करोड़ रुपए एक सहायक अभियंता ने मंत्री आलमगीर आलम के एक करीबी तक पहुंचाया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम ने भी पीएमएलए, 2002 के सेक्शन 50 के तहत दर्ज बयान में इस बात को स्वीकार किया है। इस मामले में 6 मई 2024 से हुई छापेमारी में अबतक 37.5 करोड़ रुपए बरामद किए जा चुके हैं। ईडी का दावा है कि 6 मई को जिस जहांगीर आलम के रांची स्थित सर सैयद रेसिडेंसी फ्लैट से 32.2 करोड़ रु बरामद हुए थे, वे पैसे मंत्री आलमगीर आलम के हैं। उन पैसों को संजीव लाल के कहने पर जहांगीर आलम कलेक्ट करता था। जहांगीर आलम यह काम मंत्री के लिए ही करता था। जहांगीर आलम के घर से कई सरकारी दस्तावेज, सरकारी पत्र और सरकारी लेटर हेड भी मिले थे। इससे पता चलता है कि मंत्री के ओएसडी संजीव लाल कैश और कागजातों को छिपाने के लिए उस फ्लैट का इस्तेमाल करते थे। रिमांड पिटीशन में ईडी ने इस बात का जिक्र किया है कि कमीशन का पूरा खेल ऑर्गनाइज तरीके से हो रहा था। इस काम में नीचे के कर्मचारी से लेकर ऊपर तक के अधिकारी शामिल हैं। पूरी डिलिंग कैश में होती थी। इसलिए अनुमान लगाया जा रहा है कि भारी मात्रा में कैश की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है, जिसके खुलासे की कवायद चल रही है। ईडी ने कई गवाहों के बयान का हवाला देते हुए दावा किया है कि इस मनी लॉन्ड्रिंग में मंत्री आलमगीर आलम शामिल थे। ईडी अब इस नेक्सस में शामिल अन्य सफेदपोश तक पहुंचने की तैयारी में जुटी हुई है।

खबर एक नजर में

हाइकोर्ट ने रांची में बहुमंजिला इमारतों में वाटर हार्वेस्टिंग की जांच को लेकर बनायी छह अधिवक्ताओं की कमेटी

रांची। रांची के जलस्रोतों के संरक्षण एवं रांची के तीन डैम की साफ सफाई और उसे अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट में रांची के बहुमंजिला इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच के लिए 6 अधिवक्ताओं की कमेटी बनाई है। अधिवक्ताओं की यह कमेटी रांची नगर निगम के तीन अभियंताओं के साथ मिलकर इसकी जांच करेगी की जिन बहुमंजिला इमारतो में रेनवाटर हार्वेस्टिंग होने का दावा रांची नगर निगम कर रही है, वह मेंटेन होता है या नहीं। रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम चालू हालत में है या नहीं। अधिवक्ताओं की कमेटी इसकी जांच कर कोर्ट को रिपोर्ट सौंपेगी। पिछली सुनवाई में रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन शाहदेव ने कोर्ट को बताया गया था कि राजधानी रांची के 710 बहुमंजिला इमारतों (जी प्लस 5) में से 648 बहुमंजिला इमारतों में वाटर हार्वेस्टिंग किया जा चुका है। जिस पर कोर्ट ने उनसे पूछा था कि जिन बहुमंजिला इमारतों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बना है वह मेंटेन होता है या नहीं। कोर्ट ने यह भी पूछा था कि पुनदाग, कटहल मोड़, शाहदेवनगर आदि इलाकों में बहुमंजिला इमारतो एवं अन्य भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग की गई है या नहीं। वहीं सरकार ने बताया था हटिया, कांके एवं गेतलसूद डैम से 6 माह तक पानी आपूर्ति की कोई समस्या नहीं होगी।

निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की पत्नी और पिता को सुप्रीम कोर्ट से राहत

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की पत्नी एवं वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाई है। हाई कोर्ट ने इन दोनों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रांची की पीएमएलए कोर्ट में सरेंडर नहीं करने को लेकर इनके खिलाफ कोर्ट से कुर्की का वारंट जारी हुआ था। इन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। इसके बाद इन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बता दें की 21 अप्रैल 2023 को वीरेंद्र राम, उनके भाई आलोक रंजन, वीरेंद्र राम की पत्नी राजकुमारी देवी एवं पिता गेंदा राम के खिलाफ ईडी की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। ईडी की टीम ने वीरेंद्र राम की 39 .28 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की थी। जब्त की गई संपत्ति वीरेंद्र द्वारा टेंडर में कमीशन से उगाही अर्जित की गई है। 22 फरवरी 2023 को वीरेंद्र राम के आवास पर छापेमारी के दौरान उसके रांची के अशोक नगर स्थित आवास से ईडी ने गिरफ्तार किया था। वीरेंद्र राम के ठिकानों में छापेमारी के दौरान ईडी को करीब 40 लाख से अधिक के कैश एवं डेढ़ करोड़ के जेवरात मिले थे।

चतरा लोस : केएन त्रिपाठी को इंडिया ब्लॉक में शामिल दलों के स्थानीय कार्यकर्ताओं का खुले मन से नहीं मिल रहा है समर्थन

बाहरी-भीतरी के मुद्दे से जूझ रहे त्रिपाठी कालीचरण को अपनों से है खतरा

सत्येन्द्र

रांची। झारखंड का चतरा लोकसभा सीट एनडीए और इंडिया ब्लॉक के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। दोनों ही गठबंधन के प्रत्याशी अपने गठबंधन और पार्टी के अंदरूनी कलह से परेशान है। हलाकि गठबंधन के बड़े नेता प्रत्याशी और कार्यकर्त्ताओं के बीच उत्पन्न खाई को पाटने का हर संभव प्रयास कर रहे है। इसके बावजूद कार्यकर्त्ता मानने को तैयार नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी इंडिया ब्लॉक के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी को उठाना पड़ रहा है। जिस दिन से केएन त्रिपाठी को कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया गया, उसी दिन से उनकी मुसीबत शुरू हो गयी है। उन्हें चतरा में बाहरी-भीतरी के मुद्दे से जूझना पड़ रहा है। डालटनगंज निवासी केएन त्रिपाठी को चतरा से प्रत्याशी बनाये जाने पर सबसे अधिक नाराजगी राजद के नेता व कार्यकर्त्ताओ में है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण बिते दिनों झामुमो द्वारा रांची में आयोजित उलगुलान रैली में देखने को मिला है। इस रैली में कांग्रेस और राजद के कार्यकर्त्ता आपस में ही उलझ गये थे। जमकर मारपीट भी हुई थी। पुलिस के हस्तक्षेप से किसी तरह मामला शांत हुआ था। इधर घटना के बाद राजद कार्यकर्त्ताओं में नराजगी इतनी ब्याप्त थी कि उसे दूर करने के लिए बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह राजद नेता तेजस्वी यादव को चतरा का दौरा करना पड़ा और कार्यकर्त्ताओं समझाना पड़ा। तब कही जाकर मामला कुछ हद तक शांत हुआ है। बता दें कि चतरा सीट पर 25 मई को मतदान होना है। यहां से कुल 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

अपनों का साथ लेने में त्रिपाठी लगा रहे पूरी ताकत : केएन त्रिपाठी की मुसीबत केवल राजद ही नहीं है, बल्कि उनके अपने संगठन की जिला व स्थानीय इकाई भी है। स्थानीय कांग्रेस इकाई भी त्रिपाठी को बाहरी करार देते रहे हैं। हालांकि, बाद में प्रदेश नेतृत्व और खुद त्रिपाठी ने भी अपने संगठन के लोगों को समझाने और मिलकर काम करने का प्रयास किया। यही हाल झामुमो की लोकल इकाई का भी है। झामुमो भी त्रिपाठी को बाहरी प्रत्याशी मान रहा है। अब देखना है कि त्रिपाठी किस तरह से अपने संगठन, राजद और झामुमो की लोकल इकाई को अपने पाले में करते हैं। इधर सूत्रों का कहना है कि चुनाव का समय जैसे -जैसे नजदीक आ रहा है धीरे-धीरे कार्यकर्ता भी गिला शिकवा भूलकर कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने में जूट गये है।

भाजपा प्रत्याशी कालीचरण को भी भीतरघात का खतरा : दो बार के सीटिंग एमपी सुनील सिंह का टिकट काटकर भाजपा ने स्थानीय कालीचरण सिंह को चतरा सीट से प्रत्याशी बनाया है। मगर कालीचरण सिंह की राह इतनी आसान नहीं है। सुनील सिंह के विरोधी भले ही खुश हों, मगर एक सांसद होने के नाते सुनील सिंह की भी अच्छी पकड़ है। इसलिए, सुनील सिंह और उनके समर्थक कितने हद तक खुले मन से कालीचरण सिंह को अपना समर्थन दे पाएंगे, यह तो मतदान के दिन ही पता चलेगा। मगर कालीचरण सिंह को भीतरघात का खतरा बना हुआ है।

एससी-एसटी व मुस्लिम वोटरों की भूमिका अहम

वैसे तो चतरा लोकसभा सामान्य श्रेणी की सीट है। मगर इस सीट पर जीत-हार का फैसला एसटी और एससी ही करते रहे हैं। 2019 के डेटा के अनुसार, चतरा में अनुसूचित जातियों का वोट 27.15 प्रतिशत और 21.15 प्रतिशत एसटी वोटर हैं। इसके अतिरिक्त 10.78 प्रतिशत मुस्लिम वोटर भी निर्णायक भूमिका में होते हैं। यानी कि कुल वोटरों में 59 .08 प्रशित एसटी, एससी व मुस्लिम हैं। शेष करीब 40 प्रतिशत मतदाता ओबीसी व सामान्य वर्ग से आते हैं।

2019 लोकसभा चुनाव का परिणाम

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	परिणाम	वोट
सुनील कुमार सिंह	भाजपा	विजेता	528,077
मनोज कुमार यादव	कांग्रेस	उपविजेता	1,50,206
सुभाष यादव	राजद	तीसरा स्थान	83425

2014 लोकसभा चुनाव का परिणाम

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	परिणाम	वोट
सुनील कुमार सिंह	भाजपा	विजेता	2,95,862
धीरज प्रसाद साहू	कांग्रेस	उपविजेता	1,17,836
नीलम देवी	झाविमो	तीसरा स्थान	1,04,176

सामान्य सीट पर भूमिहार व ब्राह्मण के बीच कड़ा मुकाबला : चतरा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह भूमिहार जाति से आते हैं। भाजपा ने इस बार झारखंड में किसी भी लोकसभा सीट से राजपूत को नहीं उतारा है। ऊपर से राष्ट्रीय स्तर पर राजपूत जाति का भाजपा के प्रति गुस्सा अलग है। इसलिए इस मुद्दे से पार पाना कालीचरण सिंह के लिए आसान नहीं होगा। अगर कांग्रेस प्रत्याशी की बात करें, तो केएन त्रिपाठी ब्राह्मण जाति से आते हैं। इसलिए इस बार यहां का मुकाबला भूमिहार और ब्राह्मण जाति के बीच है। इन दोनों में कौन बाजी मारता है, यह तो 4 जून को ही पता चलेगा।

चार बार भाजपा और तीन कांग्रेस को मिली है जीत : चतरा में 1957 में पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ था। अब तक कुल 16 चुनाव व उपचुनाव हुए। इसमें चार-चार बार भाजपा और निर्दलीय विजयी रहे। वहीं कांग्रेस को तीन बार जीत नसीब हुई। इसके अलावा राजद व जनता दल दो-दो बार और जनता पार्टी एक बार विजयी रही है।

छह विधानसभा पर किस राजनीतिक दल का कब्जा

विधानसभा	राजनीतिक दल
सिमरिया (एससी)	भाजपा
चतरा (एससी)	राजद
मनिका (एसटी)	कांग्रेस
लातेहार (एससी)	झामुमो
पांकी (सामान्य)	भाजपा

डायरेक्टर ने किया रिम्स का इंस्पेक्शन, मिली कई खामियां, चेताया

कहीं बेड पर चादर नहीं, कहीं खराब पड़ी थी लिफ्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार ने गुरुवार को अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। उनके साथ डीन डॉ विद्यापति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ हीरेन्द्र बिरुआ, उपाधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी मौजूद थे। इस दौरान हॉस्पिटल में कई जगह अव्यवस्था का आलम देखने को मिला। कहीं पर मरीजों की बेड पर चादर नहीं थी तो कहीं लिफ्ट खराब मिली। उन्होंने रिम्स में डायनेमिक बेड मैनेजमेंट सिस्टम के तहत विभागों में मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए निदेशक ने मेडिसीन और स्किन विभाग का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागों को समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इस सिस्टम को बेहतर ढंग से लागू कराया जा सके। स्किन विभाग में खाली पड़े बेड पर मेडिसीन की महिला मरीजों को स्किन विभाग में महिला मरीजों के साथ और मेडिसीन के पुरुष मरीजों को स्किन के पुरुष मरीजों के साथ वार्ड में रखने की व्यव्स्था की जाएगी। साथ ही वार्ड इंचार्ज सिस्टर को यहां तत्काल व्यवस्था करते हुए और नर्स प्रतिनियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं प्रयुक्त दवाओं का इंडेंट कराने के भी आदेश दिए हैं।

बेड पर चादर नहीं तो मेट्रन को शोकॉज

मेडिसीन विभाग के वार्ड के कई बेड पर चादर नहीं थी। इस कारण उन्होंने मेट्रन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। साथ ही उनको मरीजों के बेड पर चादर और साफ सफाई का ध्यान देने के भी आदेश दिए हैं। वार्ड में मरीजो के परिजनों की भीड़ देखते हुए निदेशक ने परिजनों से आग्रह किया है कि वह वार्ड में भीड़ न लगायें। अस्पताल परिसर में भ्रमण के दौरान उन्होंने देखा की ट्रॉली, व्हील चेयर इत्यादि अव्यवस्थित तरीके से परिसर में रखे हुए है। इस सम्बन्ध में उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक व उपाधीक्षक को ट्राली, व्हील चेयर के लिए एक केंद्रीय स्थल बनाने के निर्देश दिए हैं।

ऑन्कोलॉजी की लिफ्ट खराब मिली

अस्पताल के मुख्य भवन से होते हुए डॉ राजकुमार ऑन्कोलॉजी विभाग के निरीक्षण के लिए पहुंचे। ऑन्कोलॉजी विभाग की 2 लिफ्ट खराब होने की जानकारी विभाग में किसी को नहीं थी और न ही वहां कोई लिफ्टमैन मौजूद था। इस सम्बन्ध में निदेशक ने नाराजगी जताई और उचित कार्यवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही वार्ड में साफ सफाई की कमी देख कर उन्होंने चिंता जताई और इसे ठीक करने के आदेश दिए हैं। साथ ही उन्होंने मरीजो से उनका हालचाल लिया और मेट्रन को समय से वार्ड में निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं।

बर्न वार्ड पर जतायी चिंता

डॉ राजकुमार ने बर्न वार्ड का भी निरीक्षण किया, जहां की स्थिति देख कर उन्होंने चिंता व्यक्त किया। बर्न वार्ड में प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की कमी को देखते हुए उन्होंने बर्न वार्ड के इंचार्ज डॉ अजय कुमार को यहां की व्यवस्था को बेहतर करने का निर्देश दिया। साथ ही वार्ड में एसी दुरुस्त करने और साफ सफाई का खास ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। निदेशक ने कैदी वार्ड का दौरा किया और कैदियों से भी वार्ड संबंधित जानकारी ली। इस वार्ड में बाथरूम में जलजमाव की समस्या को देखते हुए उन्होंने पीएचइडी के इंजीनियर को यथाशीघ्र ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

कॉटेज और पेइंग वार्ड की होगी रिपेयरिंग

डॉ राजकुमार ने कॉटेज और पेइंग वार्ड का भी निरीक्षण किया। यहां जरूरत के हिसाब से मरम्मती कराने के निर्देश दिए हैं। कॉटेज और पेइंग वार्ड के जीर्णोद्धार के प>ात यहां के शुल्क और सुविधाएं को बढ़ाये जाने के संबंध में निर्णय लेने पर जल्द चर्चा होगी। नेफ्रोप्लस के पास के खाली पेइंग वार्ड के कमरों को उन्होंने डॉक्टर ड्यूटी रूम बनाने के निर्देश दिए हैं। निदेशक ने मल्टी स्टोरी पार्किंग का भी निरीक्षण किय। यहां के बेसमेंट को जंक यार्ड के तौर पर शुरू कर दिया गया है और निंदित वस्तुओं को यहां रखने के आदेश दिए हैं।

रांची सिविल कोर्ट की महिला अधिवक्ता को पीएलएफआइ उग्रवादी संगठन के नाम से धमकी

रांची। रांची सिविल कोर्ट की महिला अधिवक्ता को पीएलएफआइ उग्रवादी संगठन के नाम से धमकी दी गई है। अधिवक्ता ज्योति आनंद के व्हाट्सएप नंबर पर पीएलएफआई का पर्चा भेजकर धमकी दी गई है। कहा गया है कि खूंटी के सीलदा मौजा में जो जमीन ली हैं, उस जमीन का कमीशन संगठन को नहीं दिए हैं। आपने गलत ढंग से जमीन को लिया है, जिसका विरोध जमीन मालिक लोग कर रहे हैं। आपने इस मामले को लेकर केस भी किया है, इसलिए संगठन को सहयोग राशि दस लाख रुपये देना पड़ेगा, नहीं तो फौजी कार्रवाई की जाएगी। जो केस किए हैं, उसे उठा लो केस नहीं उठाओगी तो जब भी प्लॉट पर आओगी तो गोली मार देंगे।

नक्सली प्रशांत बोस की पत्नी रांची जेल में हुई घायल, रिम्स में इलाजरत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नक्सलियों के शीर्ष नेता प्रशांत बोस की पत्नी रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में गिरने की वजह से घायल हो गई हैं। जेल प्रशासन के अनुसार प्रशांत बोस की पत्नी शीला मरांडी का हाथ फै^ र हो गया है। शीला मरांडी को इलाज के लिए रांची के रिम्स में भर्ती करवाया गया है।

पति के साथ जेल में है शीला

रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद माओवादियों के ईस्टर्न रीजनल ब्यूरो के सचिव प्रशांत बोस की पत्नी शीला मरांडी बुधवार को जेल परिसर में गिर गई। इस घटना में उसका हाथ टूट गया और शरीर के कुछ हिस्सों में चोटें आयी हैं। जेल प्रशासन ने शीला को इलाज के लिए रिम्स के ऑर्थो वार्ड में भर्ती कराया है। शीला मरांडी के रिम्स में भर्ती होने के बाद रिम्स की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है।

जेल प्रशासन के अनुसार बुधवार की अहले सुबह अपने वार्ड में ही उठने के दौरान वह गिर गयी। मामले की जानकारी मिलने के बाद जेल में मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद उसे रिम्स में भर्ती कराने की सलाह दी, जिसके बाद जेल प्रशासन ने बुधवार की शाम को उसे रिम्स में भर्ती कराया है।

2021 को हुई थी गिरफ्तारी

गौरतलब है कि सरायकेला पुलिस ने 12 नवंबर 2021 को एक करोड़ के इनामी माओवादियों के रीजनल ब्यूरो सचिव प्रशांत बोस और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया था। दोनों को सरायकेला से डेढ़ साल पहले रांची जेल में शिफ्ट किया गया था। उस समय से दोनों रांची जेल में ही बंद हैं।

बच्चा चोरी मामला: जीआरपी द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं करने पर सीआईडी डीजी और रेल एडीजी से की शिकायत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची रेलवे स्टेशन से चोरी हुए नौ माह के मासूम शुभम का पांच दिन बीतने के बाद भी अब तक कोई सुराग पुलिस को नहीं मिल पाया है। पुलिस की कई टीमें अलग-अलग जगह बच्चे की तलाश में छापेमारी कर रही है। लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी है। इसको लेकर चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने जीआरपी द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं करने को लेकर शिकायत दर्ज कराया है। बैजनाथ कुमार ने सीआईडी डीजी और रेल एडीजी के पास शिकायत की है और कहा हैं कि रांची रेलवे स्टेशन पर अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बच्चों को उठाकर ले जाते हुए सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है। लेकिन बच्चे के माता-पिता जब रांची रेलवे पुलिस थाना में शिकायत करने पहुंचे तो जीआरपी ने यह कह कर लौटा दिया कि यह मामला यहां का नहीं है। तुम लोग चुटिया थाना चले जाओ और अपनी शिकायत दर्ज कराओ।

क्या है मामला

दरअसल बीते 11 मई की देर रात 9 माह के शुभम को चोरों ने तब गायब कर दिया, जब वह अपनी दादी के साथ सो रहा था। बच्चे के गायब करने की पूरी वारदात रांची रेलवे स्टेशन में लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गयी थी। उसके बाद से पुलिस बच्चे की तलाश कर रही है। लातेहार के गारू के रहने वाले प्रदीप लोहरा और उनकी पत्नी नीना देवी अपने नौ माह के बच्चे शुभम को अगरतला से लेकर रांची लौटे थे। लातेहार की ट्रेन नहीं मिलने की वजह से प्रदीप ने परिवार के साथ स्टेशन के बाहर ही रात गुजारा था। उसी दौरान उनका बच्चा गायब हो गया।

खबर एक नजर में

लोकसभा चुनाव : पोस्टल बैलेट के जरिये मीडियाकर्मी कर रहे मतदान

रांची। लोकसभा निर्वाचन 2024 में आवश्यक सेवा में लगे मतदाताओं द्वारा पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया जा रहा है। रांची समाहरणालय ब्लॉक-ए, कमरा संख्या-203 (द्वितीय तल) में बनाये गये पोस्टल वोटिंग सेंटर में मीडियाकर्मियों द्वारा पांचवें चरण में हजारीबाग, चतरा एवं कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के लिए मतदान किया गया। पांचवें चरण के लिए पोस्टल बैलेट से दिनांक 14-16 मई 2024 तक मतदान का समय था।

छठे चरण के लिए दिनांक 19-21 मई 2024 तक होगी वोटिंग : छठे चरण के लिए पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए जिन मीडियाकर्मियों ने जिला जनसम्पर्क कार्यालय, रांची में फॉर्म-12 डी जमा किया था, वो रांची समाहरणालय में बनाये गये पोस्टल वोटिंग सेंटर (पीवीसी) में मतदान कर सकते हैं। छठे चरण के लिए दिनांक 19-21 मई 2024 तक पोस्टल वोटिंग सेंटर में सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक मतदान किया जा सकता है।

खूंटी जेल में बंद महिला ने राष्ट्रीय महिला आयोग को लिखा पत्र

रांची। खूंटी जेल में बंद महिला बंदी ने राष्ट्रीय महिला आयोग को पत्र लिखा है। पत्र में खूंटी जेल के दो कर्मचारियों पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही गर्भवती होने पर अबॉर्सन कराने का भी आरोप लगाया है। महिला बंदी ने आरोप लगाया है कि जेल के कर्मचारी बंदी पत्र नहीं लिखने देते। इसलिए रिहा होने वाले महिला बंदी के माध्यम से पत्र लिखा है। जानकारी के मुताबिक, महिला लुधियाना की रहने वाली है। लेकिन पुश्तैनी घर खूंटी में ही है। पुलिस ने उसे अफीम तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि जेल के दोनों कर्मचारियों ने छोड़ने का प्रलोभन देकर एक माह तक उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान जब वह गर्भवती हो गई, तो पहले उसे जान से मारने व जेल में ही सड़ा देने की धमकी दी गई। फिर अबॉर्सन करा दिया गया।

मजदूरी दर पर चैंबर ऑफ कॉर्मस की प्रतिक्रिया को ट्रेड यूनियनों ने बताया निंदनीय

रांची। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने अधिसूचित न्यूनतम मजदूरी दर पर चेंबर ऑफ कॉर्मस की प्रतिक्रिया की निंदा की है। इंटक, बीएमएस, एटक, सीटू और एक्टू जैसे केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि श्रम विभाग ने न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के सभी प्रावधानों का पालन करते हुए न्यूनतम मजदूरी की संशोधित दरों को अधिसूचित किया है। इसलिए अब न्यूनतम मजदूरी परामर्शदातृ पर्षद के किसी भी घटक द्वारा नाराजगी जताने या संशोधित दर को अनुचित बताने की कोई गुंजाइश नहीं है। जारी बयान में इंटक के अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने बताया है कि अप्रैल 2023 में परामर्शदातृ पर्षद के पुनर्गठन के बाद दो दौर की बैठकें हुईं। नियोक्ता और नियोजित दोनों पक्ष के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। जिसके बाद विभागीय सचिव सह पर्षद के अध्यक्ष को अग्रेतर कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया था। श्रम विभाग ने सार्वजनिक राय के लिए विभागीय पोर्टल में संशोधित दर का मसौदा दो महीने के लिए रखा था। उसके बाद ही 14 मार्च को अधिसूचना जारी की गयी थी। इस पृष्ठभूमि में उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से आपसी हित के लिए अधिसूचना का पालन करने का अनुरोध किया। संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच का मानना है कि चैंबर ऑफ कॉमर्स का यह तर्क कि न्यूनतम मजदूरी में प्रस्तावित वृद्धि से उद्योग बंद हो जायेंगे। बेरोजगारी बढ़ेगी आदि पूरी तरह भ्रामक है। सिर्फ 5 फीसदी वृद्धि करने का उनका प्रस्ताव मनोगत एवं निराधार है। उन्होंने यह भी कहा कि मजदूरी की संशोधित दर से राज्य से श्रम बल का पलायन भी कम हो जायेगा।

पुलिस मुख्यालय में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर हुई बैठक

अध्ययन के लिए बाहर भेजी जायेगी टीम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में रांची की ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर गुरुवार को बैठक हुई। इस दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक सिस्टम को लेकर विस्तृत रूप से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने रांची शहर की यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पुलिस कर्मियों की उपलब्धता और जरूरत पर जोर दिया गया। कोलकाता महानगर की तर्ज पर रांची में ट्रैफिक जिला बनाने के प्रस्ताव पर लिये गये निर्णय की समीक्षा भी पुलिस महानिदेशक ने की। साथ ही तय किया गया कि कुछेक शहर जहां का ट्रैफिक सिस्टम बेहतर है, वहां अध्ययन के लिए टीम भेजी जाएगी। इसके अलावा ट्रैफिक सिस्टम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए होमगार्ड का सहयोग लेने का निर्देश दिया गया। अन्य शहरों में ट्रैफिक सिस्टम के अध्ययन के लिए एक त्रिस्तरीय कमिटी का गठन करने के लिए लोकसभा चुनाव-2024 के बाद भेजा जायेगा।

कांग्रेस के कब्जे में सबसे ज्यादा बार रांची लोकसभा की सीट

रांची। आजादी के बाद से अब तक रांची लोकसभा क्षेत्र के लिए हुए चुनाव में सबसे ज्यादा बार कांग्रेस ने विजयश्री हासिल की। आजाद भारत में सबसे पहले लोकसभा का चुनाव 1952 में हुआ। रांची लोकसभा क्षेत्र के लिए कुल 17 चुनाव हुए। जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 8 बार सफलता मिली जबकि भाजपा को 6 बार विजय श्री हासिल हुई। इसके अलावा तीन बार 1957 1977 और 1989 में क्रमशः स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मीनू मसानी जनता पार्टी के टिकट पर रवींद्र वर्मा और जनता दल के टिकट पर सुबोध कांत सहाय को सफलता मिली थी। कांग्रेस के उम्मीदवार अब्दुल इब्राहिम 1952 में पीके घोष 1962 में 1967 में और 1971 में शिव प्रसाद साहू, 1980 और 1984 में, सुबोध कांत, 2004 और 2009 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे। इसके अलावा सुबोध कांत सहाय जनता दल के टिकट पर 1989 में भी चुनाव जीते थे।

इसी प्रकार भाजपा के के रामटहल चौधरी 1991, 1996, 1998, 1999 और 2014 तथा भाजपा के ही संजय सेठ 2019 में सफलता हासिल की। कांग्रेस के प्रत्याशी आठ बार चुनाव जीतने में सफल रहे वहीं भाजपा के प्रत्याशी छह बार चुनाव जीते लेकिन जहां राम पहला चौधरी 5 बार चुनाव जीतने में सफल रहे वहीं कांग्रेस के पीके घोष तीन बार और सुबोध कांत सहाय भी तीन बार चुनाव जीतने में सफल रहे। फर्क इतना था की सुबोध कांत दो बार कांग्रेस के टिकट पर और एक बार जनता दल के टिकट पर चुनाव जीते।

अरुण सिंह ने पदयात्रा कर भाजपा के पक्ष में मांगा वोट

रांची। गुरूवार को भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह धुर्वा में पदयात्रा कर संजय सेठ के लिये वोट मांगा। उन्होंने कार्यकताओं के साथ पदयात्रा एवं प्रबुद्ध लोगों से जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के लिये जनसमर्थन मांगा। पदयात्रा के उपरांत कार्यकताओं को संबोधित करते हुये श्री सिंह ने कहा कि पूरे देश में मोदी जी की लहर चल रही है। इस बार रांची सहित देश की जनता 400 पार के संकल्प को पूरा करने जा रही है। इस बार पुनः देश में भाजपा की सरकार बनेगी एवं मोदी जी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने रांची की जनता से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ जी को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया। पदयात्रा में विधायक बिरंची नारायण, योगेंद्र प्रताप सिंह, वरूण साहू, राम कुमार पाहन, उमेश यादव, रोशनी खलखो, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, रमेश सिंह, कृपा संकर सिंह, वेद सिंह, बीना मिश्रा, सुचिता रानी सिंह, संजय जायसवाल, शिवाजी सिंह, कन्हैया सिंह, चंदन पटेल, पूजा सिंह, अंकिता सिंह, सागर यदुवंशी सहित दर्जनों की तादाद में पार्टी कार्यकर्ता एवं आम जन उपस्थित शामिल थे।

107 वाँ स्थापना दिवसः 17 मई, 2024
भारत सरकार
केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान
कांके, राँची,–834006, झारखण्ड, भारत
दूरभाषः 0651–2450822, 2451115, 2450448, फैक्सः 0651–2450823, 2450408
24 घंटे आकस्मिक सेवा उपलब्ध
सी.आई.पी. में उपलब्ध सेवाओं/सुविधाओं का विवरण
निदेशक, सी.आई.पी. द्वारा जनहित में जारी

बाह्यरोगी सुविधाएं / सेवाएं
- प्रतिदिन निःशुल्क बाह्यरोगी सेवाएं
- निरीक्षण / ऑकस्मिक सेवा वार्ड
- अलग व्यस्क एवं बाल बाह्य रोग विभाग
- साइकोसोशल विभाग
- कैन्टीन एवं जनउपयोगी सेवाएं
- ऑन लाईन रजिस्ट्रेशन (ओ.आर.एस.)
- **टेली परामर्श व्हाट्सअप संख्या** : 9334915057 कृपया व्हाट्सअप पर डॉक्टर के पर्चे की फोटो भेजें (कृपया वेबसाइट पर अधिक विवरण देखें)
- **टेली–मनोचिकित्सा संख्या** : 9334915052
- **दूरभाष संख्या** (सामान्य सूचना): 0651–2451115, 0651–2451116, 0651–2451119
- विडियो परामर्श: अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट देखें।
- **टेली–मानस सेवाः** निःशुल्क 24X7 मानसिक स्वास्थ्य परामर्श / काउंसलिंग। टोल फ्री नंबर : 14416 या 1800–89–14416

विशेष क्लीनिक
- सोमवार: मूड एवं न्यूरोलॉजी
- मंगलवार: निद्रा रोग
- बुधवार: क्रॉनिक सिजोफ्रीनिया, सेक्स, चर्मरोग, धूम्रपान निरोधक, नशाविमुक्ति, मैटाबॉलिक रोग
- गुरूवार: मिरगी एवं मूवमेंट डिसऑर्डर
- शुक्रवार: वृद्धावस्था संबंधित रोग
- शनिवार: सिरदर्द रोग, धूम्रपान निरोधक, नशाविमुक्ति, मेटाबॉलिक रोग
- प्रतिदिन: बाल मनोचिकित्सा, ओ.सी.डी. एवं व्यक्तित्व विकास

अंतर्वासीय रोगीयों के लिए सुविधाएं
- सभी बेड शुल्क के साथ
- उच्च वर्ग के लिए विशेष वार्ड
- महिलाओं के लिए अलग वार्ड
- परिवार के लिए कॉटेज की सुविधा

बाल एवं किशोरावस्था संबंधित मानसिक रोग
- मरीज परिजनों के साथ भरती किए जाते हैं।

नशाविमुक्ति केन्द्र व विभाग
- डीटोक्सीफिकेशन एवं पुर्नवास
- शराब व नशाविमुक्ति के लिए उच्चतकनीकी इकाई

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग
- पुनर्वास / शेल्टर्ड कार्यशाला
- पुनर्निवेशन मनश्चिकित्सा
- शारीरिक पुर्नवास
- टोकन इकॉनोमी

सामुदायिक पहुँच कार्यक्रम
- वैस्ट बोकारो बोकारो (घाटो)
- हजारीबाग
- चन्दनक्यारी, बोकारो
- विद्यालय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम
- राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक अखबारों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी विवरण
- कार्यशालाओं का आयोजन
- सी.आई.पी. वेबसाइट पर मानसिक बिमारियों संबंधित लेख

स्नातकोत्तर शिक्षण
- एम.डी. (मनोचिकित्सा) एवं डी.पी.एम.
- पी.एच.डी. एवं एम.फिल. (नैदानिक मनोविज्ञान)
- एम.फिल. (साईक्याट्रीक सोशल वर्क)
- साईक्याट्रीक नर्सिंग में डिप्लोमा

पैथोलॉजी एवं बॉयोकेमिस्ट्री विभाग
- हीमेटोलॉजी व बायोकेमिस्ट्री ऑटो एनालाइजर
- एच.पी.एल.सी. एवं थिन लेअर क्रोमैटोग्राफी
- मल्टीफन्कशनल एलिजा रीडर एवं आइन–स्पेसिफिक ऐसे सिस्टम
- बेक्टेक यूनिक
- केमी ल्यूमिसेंस ऐसे
- –80 डिग्री फ्रीजर

कार्डियोफिजियोलॉजी विभाग
- कम्प्यूटीकृत ई.सी.जी.
- ट्रेडमिल टेस्ट

सेन्टर फॉर कोग्निटिव न्यूरोसाइंसेज
- नैदानिक एवं विडियो ई.ई.जी. (32–64 चैनल) एवं ई.सी.जी.
- कम्प्यूटीकृत उच्च वर्गीय ई.ई.जी (64–, 128–, 192–, 256–चैनल)
- कोगनेटिव इवेंट रिलेटेड / इवोक्ड पोटेंशियल (40–, 128–चैनल)
- देश की सबसे विकसित ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक और डाइरेक्ट करंट स्टिमुलेशन लैब
- निद्रा प्रयोगशाला
- टी.एम.एस. – ई.ई.जी. सुविधा
- क्वाड्री पल्स स्टीमूलेशन

सैन्टर फॉर न्यूरोईमेजिंग एवं रेडियोलॉजिकल साइंसेज
- नैदानिक एक्सरे एवं अल्ट्रासाउंड
- क्रेनियल एवं कलर डॉप्लर
- मल्टीस्लाइस सी.टी. स्कैन (पूरे शरीर का)
- 3टी एफ.एम.आर.आई.
- एम.आर.आई. ब्रेन (रु. 2000 / – लगभग) एवं एम.आर.आई. होल बॉडी स्क्रीनिंग (रु. 3000 / – लगभग)

उच्च तकनीकी कम्प्यूटर विभाग
- सम्पूर्ण संस्थान का कम्प्यूटरीकरण एवं वाई–फाई की सुविधा
- वेबसाइट
- 100 Mbps एन.के.एन. 10 Mbps बी.एस.एन.एल. एवं रेलटेल लीज लाइन
- कलर फोटोकापीयर एवं प्रिंटर, स्लाइड मेकर, डिजिटल फोटोग्राफी
- उच्च तकनीकी, डूअल प्रोसेसर, 64 बिट, 24 GHz, ऑपट्रान सर्वर

पुस्तकालय
- मेडिकल लाईब्रेरी एवं मरीजों के लिए वाचनालय एवं पुस्तकालय
- रेप्रोग्राफी एवं माइक्रोफिल्मिंग
- आनलाईन लिट्रेचर सर्च / RFID आधारित तकनीक
- स्वचालित पुस्तक सर्कुलेशन सिस्टम

बाहर के मरीजों के लिए भी सरकारी दर पर जाँच की सुविधा उपलब्ध है।
क्या आप किसी मनोवैज्ञानिक समस्या से ग्रस्त हैं ?
यदि हाँ, तो मदद के लिए कृप्या सी.आई.पी. हेल्पलाइन पर संपर्क करें।
TOLL-FREE NO. 1800-345-1849 (24X7), सी.आई.पी. हेल्पलाईन नं. : 0651-2451116 (24X7)
ई–मेल : director@cipranchi.nic.in, वेबसाईट : www.cipranchi.nic.in

न्यूक्लीयस मॉल में इडी की सर्वे से राज्य के बिल्डरों में हड़कंप

राज्य के कई मंत्री और आईएएस अधिकारी भी हैं इडी के रडार पर, जल्द जारी हो सकता है समन

सुधीर

रांची। झारखंड में ईडी की दबिश से न सर्फि राजनेता और ब्यूरोक्रेट्स परेशान हैं, बल्कि राज्य के बिल्डरों में भी हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि न्यूक्लीयस मॉल में ईडी की सर्वे ने राज्य के बिल्डरों को सख्ते में डाल दिया है। सूत्रों की मानें तो राज्य के कुछ बिल्डरों ने राजनेताओं का पैसा खपा रखा है। इस कारण उनकी बेचैनी बढ़ी है और विकास की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। वहीं दूसरी ओर राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अब ईडी के रडार पर झारखंड सरकार के कुछ मंत्री और आईएएस अधिकारी भी हैं। ईडी अब एक एक कर इन्हें समन भेजने की तैयारी में हैं। ईडी की इस करवाई से ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मच गया है। बताते चलें कि पहले भी ईडी ने कारवाई करते हुए आईएएस पूजा सिंघल, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व डीसी छवि रंजन ,चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम समेत कई अधिकारी और नेताओं को जेल की हवा खिलायी है। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद यह कयास लगाया जा रहा था कि शायद मामला यहीं रफा दफा हो जाएगा। लेकिन अब जो सबूत ईडी के हाथ लगे हैं। इससे राजनीति दलों और ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मच गया है। एक अधिकारी ने बताया कि झारखंड सरकार हो अथवा कोई भी सरकार। राज्य के विकास में ग्रामीण विकास विभाग सबसे अहम माना जाता है। गांव से शहर तक के जितने भी काम होते हैं, इसी विभाग के माध्यम से होते हैं। जितने भी टेंडर और ठेकेदारी का काम होता है। सब, इसी विभाग के माध्यम से होता है। इसलिए इस विभाग को सोने का खजाना बोला जाता है। ठेकेदारों की मिलीभगत से करोड़ों का कमीशन नीचे से ऊपर तक पहुंचता है। ईडी की दबिश के बाद मंत्री आलमगीर आलम के पीए संजीव लाल और नौकर जहांगीर ने टेंडर में पैसे का किस तरह से खेल होता था, उसे लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। ईडी ने जांच में पाया है कि ग्रामीण विकास विभाग व ग्रामीण कार्य विभाग में भारी पैमाने पर टेंडर मैनेज करने के एवज में कमीशनखोरी का धंधा होता था। ग्रामीण विकास विभाग के निचले स्तर से लेकर विभागीय सचिवों की भूमिका इस मामले में संदेह के घेरे में हैं।

गरीबों की सेवा को समर्पित है मोदी सरकार : संजय सेठ

भाजपा प्रत्याशी ने हटिया विधानसभा क्षेत्र के रातू प्रखंड के अगडु, सिमलिया, रातू काठी टांड, मलमंडू, हुरहुर्री, कमडे, चटकपुर हटिया एवं धुर्वा में चौपाल एवं जनसंपर्क अभियान चलाया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सांसद सेठ ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों को समर्पित है। श्री सेठ गुरूवार को हटिया विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में चुनाव प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया। 80 करोड़ से अधिक भारतीयों के लिये खाद्य सुरक्षा सुनिश्ति की। जनधन योजना वित्तीय समावेश की विश्व में सबसे बड़ी योजना बनी। दिव्यांग जनों को सशक्तिकरण पर काम किया गया।जनजाति लोगों के लिए सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किये गये। इस दौरान विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस ने देश पर 70 साल शासन किया। इन 70 सालों में गांव गरीब किसान का शोषण अगर किसी ने किया है तो वह है कांग्रेस पार्टी। इस अवसर पर सुरेंद्र महतो, प्रीतम साहू, जेम्स बॉन्ड खलखो, कृष्ण भगत सुधाकर चौबे, परमेश्वर गोप, रूपेश गोप, देवेंद्र सिंह, संगीता देवी, हजारी प्रसाद, केदार महतो अजय तिवारी, संजीव तिवारी, राजेंद्र पांडे, संजय राय, चंपा पाठक, विक्रम उरांव, कृष्णा महतो आदि शामिल थे।

चिराग पासवान जीत का नया विश्व रिकॉर्ड बनायेंगे : प्रधान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान ने दावा किया कि हाजीपुर लोक सभा चुनाव में इस बार चिराग पासवान जीत का नया विश्व रिकॉर्ड बनायेंगे। श्री प्रधान ने कहा कि उन्होंने हाजीपुर संसदीय क्षेत्र का दौरा किया है और चिराग पासवान के पक्ष में जनता का जो समर्थन देखा। इस आधार पर यह बात कह रहे हैं। इस क्षेत्र से रामविलास पासवान के विश्व रिकॉर्ड को इस बार चिराग पासवान तोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता का आकर्षण देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा जनता के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जिस तरह से गरीबों तक पहुंचा है उसका भी असर इस चुनाव में दिखाई पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान और स्वर्गीय रामविलास पासवान 2014 से ही नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करते रहे हैं।

डीएसपीएमयू में टीसीएस के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में लॉक हुए स्टूडेंट्स

चयनित उम्मीदवारों का कार्यस्थल होगा कोलकाता, मेल पर मिलेगी चयन की सूचना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने टीसीएस, बीपीएस में शामिल होने के लिए कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय से 2022, 2023 और 2024 वर्ष के उत्तीर्ण स्नातकों की भर्ती के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के पूल कैंपस गुरुवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। इस चयन प्रक्रिया में स्नातक फ्रेशर्स 2022, 2023, और 2024 वर्ष के प्रतिभागी शामिल हुए। कैंपस ड्राइव टीसीएस में बैंक ऑफिस ऑपरेशंस (डेटा प्रोसेसिंग) आदि कार्यों के चयन के लिए किया गया। टीसीएस कंपनी द्वारा आयोजित इस कैंपस पूल ड्राइव की विशेषता रही कि इसमें न सिर्फ डीएसपीएमयू के लगभग 150 की संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए, बल्कि अन्य शिक्षण संस्थाओं और विश्वविद्यालयों , सरला बिड़ला विश्वविद्यालय, रांची मारवाड़ी कॉलेज, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद, अनंदा कॉलेज हजारीबाग, जैसे विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भी पूल कैंपस ड्राइव में भाग लिया। इसके अलावा बीआईटी मेसरा, सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची, रांची महिला कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज के विद्यार्थी भी इसमें शामिल हुए।

3 चरणों में पूरी की गई उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया : पहला टेस्ट दूसरा एचआर साक्षात्कार और दस्तावेजीकरण प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद चयनित उम्मीदवारों को शीघ्र ही उनके मेल पर उनके चयन की सूचना और ज्वाइनिंग लेटर की प्राप्ति होगी।

रांची में यशस्विनी सहाय को विजयी बनायें

आरक्षण और संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस को वोट दें : महेश्वर साहु

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वैश्य नेता एवं कांग्रेस के सदस्य महेश्वर साहु ने कहा है कि भाजपा ने अब तक वैश्य एवं पिछड़ों को धोखा देने का काम किया है। वैश्य समाज के लोग अब तक भाजपा को वोट देते रहें हैं। लेकिन देखा जाए तो केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार रहते हुए ही वैश्यों एवं पिछड़े वर्ग को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। नोट बंदी, जीएसटी, आरक्षण, छोटे व्यापारियों की ऋण इसके प्रमाण हैं। महेश्वर साहु ने कहा कि संयुक्त बिहार में ओबीसी को 27% आरक्षण का लाभ मिलता था, लेकिन अलग राज्य बनने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ओबीसी का आरक्षण घटा कर 14% कर दिया। उन्होंने कहा कि 2011 में जब अर्जुन मुंडा मुख्यमंत्री थे तो 25 वैश्य उप जातियों को राष्ट्रीय ओबीसी सूची से हटा दिया गया था। हालांकि उनके लंबे संघर्ष के बाद करीब 14 उप जातियों को शामिल किया गया था, जबकि सबसे अधिक समय तक राज्य की सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा ने ओबीसी का आरक्षण बढ़ा कर 27% नहीं किया। जब महागठबंधन की सरकार ने ओबीसी का आरक्षण बढ़ा कर 27% करना भी चाहा तो इसे भाजपा वालों ने साजिश करके खारिज करवा दिया। महेश्वर साहु ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन ओबीसी की हित में काम करना चाहती है। आरक्षण को बढ़ाने, छोटे व्यापारियों को ऋण से मुक्ति दिलाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए नीतिगत फैसला किया है। इसलिए इस बार कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जीतना जरूरी है। महेश्वर साहु ने कहा कि हमलोग रांची लोकसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को तथा अन्य क्षेत्रों में भी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हैं।

अवकाश तालिका से संतुष्ट नहीं हैं शिक्षक, सुधार की मांग

रांची। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि प्रदेश के प्राथमिक और मध्य विद्यालय के अवकाश तालिका संशोधन में त्रुटि है। कुल 60 अवकाश देय होता है। वर्तमान में जो संशोधन पत्र जारी किया गया है। उसमें मात्र 54 दिन ही अवकाश की गणना हो रही है, जबकि 60 दिनों का अवकाश होना चाहिए। साथ ही उर्दू विद्यालय के लिए अवकाश तालिका अलग से जारी नहीं की गई है। वहीं, पूर्व में अलग से ही उर्दू विद्यालय के लिए अवकाश तालिका जारी होती थी। मालूम हो कि ग्रीष्मावकाश में अर्जित अवकाश के बदले देय होती है। बिहार सरकार के समय 20 ग्रीष्मावकाश दी जाती थी, जबकि वर्तमान अवकाश तालिका में मात्र 16 दिन ही ग्रीष्म अवकाश है। संघ इस अवकाश तालिका से संतुष्ट नहीं है। संघ ने इसमें सुधार की मांग की है।

एंकर की भाषा शुद्ध और सरल होनी चाहिए : डॉ पांडेय

गोस्सनर कॉलेज में तीन दिनी एंकरिंग कार्यशाला शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। गोस्सनर कॉलेज के पत्रकारिता एवं वीडियो प्रोडक्शन विभाग में तीन दिवसीय एंकरिंग कार्यशाला का शुभारंभ 16 मई गुरुवार को हो गया। रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडेय मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यशाला में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम संचालन में एंकर की भूमिका अहम होती है। इसलिए एंकर की भाषा सरल, शुद्ध और उच्चारण स्पष्ट होनी चाहिए।

कार्यशाला तीन सत्रों में विभक्त था। पहले सत्र में लोगों का परिचय और अभिवादन हुआ। दूसरा सत्र में तकनीकी सत्र था। इसमें मुख्य वक्ता राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के पदाधिकारी अंजेश कुमार ने एंकरिंग के दौरान आने वाली बाधाओं से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह से बाधाओं को चुनौती देते हुए आगे की राह को आसान किया जा सकता है।

तीसरे सत्र की मुख्य वक्ता सीनियर एंकर मीनाक्षी शर्मा ने विद्यार्थियों को सफल एंकरिंग के मूल मंत्र बताए। शब्दों के उच्चारण का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि एंकर को कार्यक्रम करने से पहले महत्वपूर्ण तैयारी पर जोर देनी चाहिए। कार्यक्रम में मास कॉम विभाग की एचओडी प्रो. महिमा गोल्डेन बिलुंग, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. अनुज कुमार, हिंदी विभाग के प्रो. प्रशांत गौरव, डॉ. वासुदेव प्रसाद, जोहार हजारीबाग के फैज अहमद सहित गोस्सनर महाविद्यालय सहित विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी व शिक्षक मौजूद थे।

पिता की तरह इंजीनियर बनकर देश के विकास में योगदान करना चाहती है डीपीएस की अंसुनिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीपीएस की आदिवत्या अन्सुलिन को सीबीएसई में मिले 97.8 फीसदी अंक मिले हैं। वह अपने पिता की तरह एक कामयाब इंजीनियर बनना चाहती है। उसका लक्ष्य जेईई एडवांस्ड क्रैक करना है, ताकि आईआईटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर देश के विकास में अपनी भूमिका निभा सके। अंसुनिल ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड की परीक्षा डीपीएस स्कूल से पास की है। उसने इस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 97.8 फीसदी अंक हासिल किए हैं। उसे अंग्रेजी में 98, संस्कृत में 99, गणित में 96, विज्ञान में 97, एसएसटी में 99 और आईटी में 93 अंक मिले हैं। अंसुनिल अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के अलावा शिक्षकों को देती है।

वह अपने पिता की तरह ही एक इंजीनियर बनकर राष्ट्र की सेवा करना चाहती है। मालूम हो कि अंसुलिन के पिता सुनील कुमार पेसे से इंजीनियर है और माता पंखुरी ठाकुर डीपीएस रांची में बायो की टीचर हैं। अंसुनिल का कहना है कि वह नियमित रूप से 6 से 7 घंटे सेल्फ स्टडी करती थी। एनसीईआरटी और शिक्षकों के नोट्स के माध्यम से उसने पढ़ाई कर यह कीर्तिमान हासिल किया है।

दिल्ली में होगा पासवा का राष्ट्रीय अधिवेशन

5 से 10 जून के बीच रांची में आयोजित होगा पासवा का छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह

झारखंड बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई तीनों बोर्ड के मैट्रिक और इंटर के सफल विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की एक अति महत्वपूर्ण वर्चुअल मीटिंग गुरुवार को आलोक कुमार दूबे की अध्यक्षता में हुई । इस वर्चुअल मीटिंग में बहुत बड़ी संख्या में पासवा के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, झारखंड के प्रत्येक जिले से पासवा के पदाधिकारी और पासवा के एक्टिव वॉलिंटियर्स शामल हुए। वर्चुअल बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिया गया कि बहुत जल्द लोकसभा चुनाव के पश्रत पासवा का राष्ट्रीय अधिवेशन देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होगा। इसमें झारखंड सहित देश भर से विभिन्न राज्यों के शिक्षाविद और प्रतिनिधि शामिल होंगे। वहीं, प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्र का सबसे बड़ा छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह खेलगांव रांची में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जैक बोर्ड, सीबीएसई एवं आईसीएसई के मैट्रिक और इंटर के सफल 15000 से अधिक मेधावी बच्चों को पुरस्कृत किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह 5 जून से 10 जून के बीच आयोजित किए जाने पर बैठक में सहमति बनी है। इसके अलावा पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नई कार्यकारिणी निर्वाचित होने तक आलोक कुमार दूबे कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे एवं किसी भी प्रकार के बैठक के लिए अधिकृत किए जाते हैं। आलोक दूबे की उपस्थिति में 26 मई को बिहार प्रदेश पासवा के नए अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का चुनाव होगा एवं बिहार प्रदेश छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन की रणनीति बनेगी। बैठक में लाल किशोर नाथ शाहदेव, डा राजेश गुप्ता छोटू, पश्चिम बंगाल की पूर्व पासवा अध्यक्ष मसूदा यासमीन,कर्नाटक से स्मृति कुमारी नई दिल्ली से प्रियंका कुमारी, बिहार पटना से अतुल आनंद, मुंबई महाराष्ट्र से डॉ जयश्री, राजस्थान से रिया पूजा, पासवा के वरिष्ठ सहयोगी लाल किशन नाथ शाहदेव एवं डॉक्टर राजेश गुप्ता छोटू, रांची से निजी विद्यालयों के डायरेक्टर सह पासवा के पदाधिकारी अरविंद कुमार, डॉक्टर सुषमा केरकेप्ता, आलोक बिपीन टोप्पो,हजारीबाग से बिपीन कुमार, ज्ञानेश्वर दयाल, मिंकु प्रसाद, मेघाली सेनगुप्ता, कोडरमा से गुंजा सिंह, बोकारो से अनामिका सिंह एवं सिस्टर एम.मालयार, धनबाद से मोहम्मद जिन्ना व ललित मिश्रा, गोड्डा से मनोज झा, गढ़वा से डीएन पाठक, जमशेदपुर से सुभाष उपाध्याय,सरायकेला खरसावां से होनी सिंह मुंडा,पलामू से रंजीता पांडे, रशीद अंसारी, अल्ताफ अंसारी,गिरिडीह से अभय कुमार समेत अन्य शामिल हुए।

दक्षिण पूर्व रेलवे के पांच अफसर बदले

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे मंडल ने पांच पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार चक्रधरपुर सीनियर डीसीएम गजराज सिंह चरण को डिप्टी सीओएम (गुड्स) बनाया गया है। वहीं दक्षिण पूर्व रेलवे के सीपीआरओ आदित्य कुमार चौधरी को चक्रधरपुर डिवीजन का नया सीनियर डीसीएम बनाया गया है। आदित्य कुमार चौधरी इससे पहले आद्रा व खड़गपुर के सीनियर डीसीएम रह चुके हैं। वहीं चक्रधरपुर के सीनियर डीओएम (को-आर्डिनेशन) विनीत कुमार गुप्ता को दक्षिण पूर्व रेलवे का नया सीपीआरओ बनाया गया है। इससे पहले विनीत कुमार गुप्ता जीएम के पीए थे। वहीं आद्रा के सीनियर डीओएम (को-आर्डिनेशन) अविनाश को चक्रधरपुर डिवीजन का नया सीनियर डीओएम (को-आर्डिनेशन) बनाया गया है। वहीं डिप्टी सीओएम गुड्स गार्डेनरीच सचेंद्र कुमार वर्मा को आद्रा का नया सीनियर डीओएम (को-आर्डिनेशन) बनाया गया है।

प्राचार्य से मिला अभाविप से जुड़े स्टूडेंट्स, दी बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रांची महानगर की ओर से एसएस मेमोरियल कॉलेज में लगातार पिछले कई महीनो से शौचालय को दुरुस्त करने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा था। कॉलेज प्रबंधन की ओर से इसे ठीक करा दिया गया है। इसके पश्रत अभाविप के कार्यकताओं ने महाविद्यालय के प्राचार्या से मिलकर उनका आभार प्रकट किया एवं कहा कि आपके इस कार्य से कॉलेज में पढ़ रहे सभी छात्र-छात्राओं को लाभ लिा है। शुभम पुरोहित ने बताया कि महाविद्यालय की इस कार्य की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है, क्योंकि छात्र छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था होना बहुत ही जरूरी है।

सीड व ओएमआई फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता

रांची। झारखंड में सस्टेनेबल मोबिलिटी व्यवस्था को बढ़ावा देने और जस्ट ट्रांजिशन की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिये सीड और ओएमआई फाउंडेशन साथ मिल कर शोध-अध्ययन व डेवलपमेंट रोडमैप तैयार करेंगे। यह साझेदारी भविष्य और निम्न-कार्बन विकास की दिशा में राज्य के प्रयासों को मजबूत करने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। सीड के सीईओ रमापति कुमार और ओएमआई फाउंडेशन ट्रस्ट की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ऐश्वर्या रामन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के अंतर्गत सीड और ओएमआई फाउंडेशन सस्टेनेबल मोबिलिटी पर आधारित नवाचारों के अनुसंधान और परियोजना पर काम करेंगे और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। इससे पारम्परिक परिवहन व्यवस्था से अलग सस्टेनेबल मोबिलिटी के नये तरीकों से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

प्रिंस पाइप्स ने नकली पाइपों की बिक्री रोकने को ले की छापेमारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/मुजफ्फरपुर। भारत में इंटीग्रेटेड पाइपिंग सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी प्रिंस पाइप्स एंड फिटिंग्स लिमिटेड ने प्रिंस ब्रांड के नकली एसडब्ल्यूआर पाइप बरामद करने के लिये छापेमारी की।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के पुलिस थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज करायी गयी है। दुकानों से नकली एसडब्ल्यूआर पाइप जब्त किये गये, जिन्हें सील कर दिया गया है। मां कात्यानी इंडस्ट्रीज के नागेंद्र चौधरी और सुबोध चौधरी इस मामले के आरोपियों में शामिल हैं।

चरित्र ही मनुष्य को सर्वत्र विजय दिलाता है

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उक्त संदेश देवघर से आये आचार्य परासर जी महाराज ने विद्यापति नगर अवस्थित 'वत्सालय' प्रांगण में विद्यापति नगर महिला समिति, कांके रोड, द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन, दिया। कथा का समापन विशाल एवं भव्य भंडारे से हुआ जिसमें विद्यापति नगर और कांके रोड के लगभग दो हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मुख्य यजमान कल्याणी देवी एवं श्रीमती सरिता तथा संजय चौधरी थे। प्रत्येक दिन लोगों ने बड़ी श्रद्धा से गुरुजी द्वारा प्रस्तुत कथा एवं भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत भजनों का भरपूर आनंद लिया। आयोजन को सफल बनाने में अनिता देवी, सीमा शर्मा, सोनी झा, अर्चना प्रिया, शांति भगत, रूबी मिश्रा, रेणु चटर्जी, प्रतिभा मिश्रा, अनुपमश्री, बबली, अर्पणा, उषा, सुषमा, वीना, पूनम, अंजू, रीना घोष आदि का विशेष सहयोग रहा। यह जानकारी सोनी झा ने दी

मंत्री पद से कभी भी हटाये जा सकते हैं आलमगीर आलम

ईडी की गिरफ्त में आने के बाद सीएम ने कांग्रेस के वरीय नेताओं से की बात

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। टेंडर कमीशन मामले में ईडी द्वारा झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के गिरफ्तारी के बाद झारखंड की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कयास यह लगाए जा रहे हैं कि अब क्या होगा?

इधर सुबे के मुखिया चंपाई सोरेन ने इस बाबत कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर से बात की है। राजनीति गलियारों में यह चर्चा है कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन कभी भी मंत्री आलमगीर आलम को बर्खास्त कर सकते हैं। आलमगीर आलम के लिए अगले 24 घंटे का समय काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि गिरफ्तारी के बाद उनका मंत्री पद पर बने रहना संभव नही हो सकेगा। इससे सरकार की बड़ी बदनामी होगी। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने पहले कांग्रेस को कार्रवाई करने के लिए कहा है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि शायद आलमगीर आलम स्वयं अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दें। ईडी की इस कार्रवाई से कांग्रेस बैकफुट पर आता नजर आ रहा है। कांग्रेस को तत्काल अपना नया सीएलपी लीडर चुनना होगा। वहीं इनके बदले कोइ नए विधायक को मंत्री पद की जिम्मेवारी सौंपनी होगी। हालांकि यह संभव चार जून के बाद ही हो पायेगा।

डिग्री छपाई वाली मशीन न बने विश्वविद्यालय परीक्षा से पूर्व पूर्ण शिक्षा जरूरी : अभिषेक शुक्ला

पीजी सेमेस्टर 4 परीक्षा की तिथि अविलंब बढ़ायी जाये, विभाग की मनमानी पर लगे रोक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के सदस्यों ने गुरूवार को पीजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा तिथि को बढ़ाने को लेकर पीजी विभाग के छात्रों के साथ रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक का घेराव किया।

घेराव करने वाले छात्र छात्राओं ने इस दौरान नारेबाजी भी की और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया।

मौके पर आजसू रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा की रांची विश्वविद्यालय पीजी कई विभाग के बहुत सारे विषयों के पाठ्यक्रम अबतक पूरी तरह से कंप्लीट नहीं हुए हैं एवं कुछ विभागों में मिड सेम 4 की परीक्षा भी अबतक आयोजित नहीं हुई है।

ऐसे में विश्वविद्यालय द्वारा अभी सेमेस्टर 4 परीक्षा कराना कदापि उचित नहीं है, अभी विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र-छात्राओं के बीच परीक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है और वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन और पीजी डिपार्टमेंट के शिक्षकों के तालमेल का अभाव दिख रहा है।

केसरवानी वैश्य सभा के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

पिस्कानगड़ी। रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के तत्वाधान में होटल कोयल में मतदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया मौके पर उपस्थित रांची जिला के 18 शाखा के पदाधिकारी एवं सैकड़ो सदस्यों ने संकल्प लिया कि लोकतंत्र के महापर्व पर केसरवानी समाज बढ़ चढ़कर भाग लेगा। जिला के सभी अध्यक्ष

अपने टीम के साथ अपने-अपने शाखों में मतदान जागरूकता अभियान चलाकर प्रत्येक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे मौके पर उपस्थित सांसद संजय सेठ और हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि वैश्य समाज मतदान के प्रति जागरुक है इसलिए मतदान के लिए यह अभियान चला रही है इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करना सराहनीय है कार्यक्रम का अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कार्तिक केसरी, संचालन जिला उपाध्यक्ष हेमंत केसरी और धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री मनीष केसरी ने दी। कार्यक्रम के अंत में नगड़ी के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सागर चौधरी के अकास्मिक निधन पर उनके आत्मा के शांति के लिए एक मिनट का मौन धारण किया गया। मौके पर नगड़ी, चुटिया, पिठौरिया, लोधमा, रातु, रांची, धुर्वा, ईटकी, मधुकम, गोंदलीपोखर, चौली, मांडर, बेड़ों, ठाकुर गांव, बोड़या, मेसरा एवं महिला सभा और तरूण सभा सहित रांची जिला के कई शाखा के दर्जनों पदाधिकारी और सैकड़ों सदस्य उपस्थित हुए।

यशस्विनी सहाय का ओरमांझी में चुनावी जनसंपर्क अभियान

▸▸ जनता का समर्थन कांग्रेस में उत्साह

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। रांची लोकसभा क्षेत्र के इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्यासी यषस्विनी सहाय ने गुरूवार को ओरमांझी क्षेत्र में अपना चुनावी जनसंपर्क अभियान चलाया। विधायक राजेश कच्छप के साथ यषस्विनी सहाय ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव के साथ कई सुदूवर्ती गांव पहुंची। गांव में ग्रामीणों ने फुलमाला व पारंपरिक ढंग स्वागत किया गया। यषस्विनी सहाय व विधायक ने ग्रामीणों से भारी मतो से विजयी बनाने की अपील किया। मौके पर कांगेस के वरिष्ट कार्यकर्ता अषोक गुप्ता व तुलसी खरवार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थें।

चोरी हुआ कंटेनर बरामद, चोर गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। थाना क्षेत्र के रांची टाटा रोड स्थित सिदरौल टांगरटोली से चोरी किए गए कंटेनर को पुलिस ने कालीनगर से बरामद कर लिया है वहीं चोर अमन अमृत लकड़ा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, उसे शुक्रवार को जेल भेजा जाएगा। बताया जा रहा है कि कंटेनर संख्या एचआर55 एएन9457 का चालक बुधवार को सिदरौल स्थित मां कलावती अस्पताल के सामने कंटेनर को खड़ा कर अपना ईलाज कराने अस्पताल के अंदर गया था। इस दौरान चालक ने गलती से चाबी कंटेनर में ही लगा छोड़ दिया। ईलाज कराकर वापस आने के बाद चालक ने कंटेनर को गायब देख घबरा गया और गाडी को ढूंढने लगा। कोई जानकारी नही मिलने पर चालक ने मामले की जानकारी नामकुम पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और कंटेनर का पता लगाने में जुट गयी पुलिस को सूचना मिली की एक कंटेनर गाड़ी कालीनगर की ओर गयी है जिसके बाद पुलिस कालीनगर पहुंची तो पुलिस को देखते ही वाहन चोर गाड़ी खड़ी कर वहां से भागने लगा जिसे पुलिस ने खदेड़कर पकड़ लिया। पकडे गए चोर ने पूछताछ में बताया कि वह सिदरौल का रहनेवाला है और उसका नाम अमन अमृत लकड़ा है। गाडी में चाबी लगी देख वह गाडी लेकर चलाने लगा था।

मौसीबाड़ी स्थित मैदान में रात्रि मेला

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। बुंडू में नौ दिवसीय अखंड हरीनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया हैं। चैत्र नवरात्रि 19 मई को समापन होगा। नवरात्रि में मौसीबाड़ी स्थित मैदान में भव्य मेला का आयोजन किया गया है। इस मेला में राम झुलवा, ब्रैक डांस,मौत का कुंआ,ड्रेगन ट्रैन, बहुत सारे मिष्ठान भंडार एवं विभिन्न तरह के मुनिहरी एवं कपड़ा दुकान मेला में लगाया गया है। नवरात्रि का सातवां दिन आज है मेला कमेटी बताते हैं की 2 दिन में भीड़ देखने को मिलेगा। राधा रानी मंदिर को बुंडू के प्रसिद्ध एवं प्राचीन मंदिर माना जाता

है। यहां राधा रानी मंदिर में पुजा करने वाले श्रद्वलुओं की नवरात्री में भीड़ उमड़ी है। इधर राधा रानी मंदिर के कमेटी द्वारा मेला को शांतिपूर्ण बनाये रखने में लोगों से अपील किया गया है। जिसमें मेल अध्यक्ष गणेश कुम्हार सचिव सूरज भगत, कोषाध्यक्ष उज्जवल नायक, उपाध्यक्ष विष्णु प्रमाणिक आकाश जायसवाल, इस कमेटी के सदस्य एवं बुंडू थाना के प्रशासन भी मेला में किसी तरह का घटना न होकर शांतिपूर्ण मिला को आयोजित करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा ने चलाया जनसपर्क अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। रांची लोकसभी के भाजपा प्रत्यासी संजय सेठ के समर्थन में गुरूवार को भाजपा कार्यकताओं ने जनसंपर्क अभियान चलाया। विभिन्न गांव में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याण कारी योजना व भाजपा की संकल्प पत्र की जानाकरी दी गई। साथ ही राष्ट्रहित में कमल छाप पर वोट देकर संजय सेठ को भारी मतो से विजयी बनाने की अपील की गई। जनसंपर्क अभियान में कामेष्वर महतो, संजीत सिंह, राजा महतो, सदेष उरांव, पप्पु महतो, षिवलाल महतो, लालचंद साहू, दिनेष महतो, कलेष्वर महतो, अभिषेक महतो, नरेष महतो सहित कई कार्यकर्ता शामिल थें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से निविदा रद्द करने की मांग

सिकिदिरी। भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि सुजीत कुमार ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के धुर्वा स्थित कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड, स्वर्ण रेखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी में आदर्श आचार संहिता के दौरान हुए निविदा एवं कायार्देश रद्द करने की मांग की है। कहा है कि परियोजना प्रबंधक अपने पद का दुरुपयोग करते हुए चुनाव आयोग की स्वीकृति लिए बिना निविदा संख्या 50,51,52/पीआर/ जेयुयुएनएल /2023-24 19 मार्च 2024 को डाली गई और उसका पार्ट-एक खोल दिया गया,साथ ही कायार्देश संख्या डब्लू /29 दिनांक 30 मार्च 2024 कायार्देश चुनाव आयोग की स्वीकृति लिए बिना निर्गत कर दी गई जो आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। सुजीत कुमार ने चुनाव आयोग से निविदा और कायार्देश रद्द करते हुए उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

देवेंद्र प्रकाश के नेतृत्व में भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष मे चलाया गया जनसंपर्क अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

ठाकुरगांव। भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश के नेतृत्व में गुरुवार को पार्टी प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस क्रम में पार्टी कार्यकताओं ने गेसवे, गतरु, लवागड़ा, कोरी, अनातू, सालहन, चैनगड़ा, गम्हरिया आदि गांवों में ग्रामीणों से मिलकर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील किया। मौके पर स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का सर्वांगीण विकास हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन केवल तुष्टीकरण की राजनीति करती है। मौके पर बिरसा उरांव, गौरव कुमार, राजू सिंह, रामदेव सिंह, कमल मोदी, उदय पासवान, किशोर महतो, पनेश्वर महतो, संतोष यादव समेत अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

मदरसा दारुल उलूम सुलेमानिया जलसा सह दस्तारबंदी कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पिस्कानगड़ी। नगड़ी प्रखंड के साहेर गांव में गुरुवार को मदरसा दारुल उलूम सुलेमानिया के परिसर में ग्रामीणों की एक बैठक हाजी मुस्तकीम अंसारी की अध्यक्षता में किया गया । बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि आगामी 28 मई 024 दिन मंगलवार को शाम छः बजे से जलसा सह दस्तारबंदी कार्यक्रम का आयोजन साहेर स्थित मदरसा दारुल उलूम सुलेमानिया परिसर मे किया जाएगा। मौके पर बैठक में मदरसा के मोहतमिम मौलाना जसीमुद्दीन नुमानी और निगरा कमेटी और सुरा कमेटी के सदर हाजी रकीब, हाजी कदीर, यासीन अंसारी, मंजूर अंसारी, समसुल हक, एकबाल अंसारी, नुरुल होदा अंसारी, जाकिर अंसारी, माहिर अंसारी, शाकिर अंसारी, कयूम अंसारी, इमरान अंसारी, हाफिज मुर्तजा अंसारी, हाफिज नूर हसन अंसारी, रियाजुद्दीन अंसारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

घर के आंगन से बाइक हुई चोरी

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के डहुटोली खत्री खटंगा गांव से बुधवार की रात्रि करीब 11:00 से 12:00 के बीच त्रिलोक महतो पिता कन्हैया महतो का लाल व काले रंग की पैंशन प्रो बाइक नं जेएच 01 बी एक्स 6478 को अपने घर के आंगन से अज्ञात चोरों ने चोरी कर अपने साथ ले गया। इधर अपने बाइक की हुई चोरी के बाद भुक्तभोगी त्रिलोक महतो ने सुबह में अपने बाइक को ढूंढने का काफी प्रयास किया। लेकिन बाइक का कहीं कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद त्रिलोक ने गुरुवार की सुबह अपने घर से हुई चोरी को लेकर बेड़ो थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इधर बेड़ो थाना पुलिस बाइक चोरी का मामला दर्ज कर करवाई में जुट गई है।

बेड़ो के तुको में तीन दिवसीय मंडा पूजा का शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। नवजागरण मंडा पूजा महासमिति तुको के तत्वाधान में गुरुवार की सुबह वार्षिक मंडा पूजा समारोह धार्मिक अनुष्ठान लोटन सेवा के साथ शुरू हो गया। जिसमें 46 पुरुष भोक्ता व 60 महिला सोगताईन भाग ले रहे हैं। वहीं धार्मिक अनुष्ठान पुजारी आशुतोष पांडेय व युगल दास गोस्वामी और पाट भोक्ता वरुण महतो की अगुवाई में किया गया। लोटन सेवा के तहत शिवभक्तों ने नंगे बदन तपती जमीन पर लोटकर अपनी भक्ति व आस्था

का परिचय दिया।वहीं भोक्ताओं ने भगवान शिव व माता पार्वती के प्रति अपनी आस्था जतायी। वहीं शुक्रवार को शिवभक्त दहकते अंगारों पर चलकर अपनी भक्ति,आस्था व शक्ति का परिचय देंगे। साथ ही रात्रि में पश्चिम बंगाल की टीम के द्वारा छऊ नृत्य का आयोजन किया गया है। साथ ही शनिवार को झूलन के दौरान झूलते हुए शिवभक्तों द्वारा श्रद्धालुओं के बीच आस्था के फूल बरसाये जाएंगे। जिसे पाने की ललक श्रद्धालु महिलाओं के बीच होगी। वहीं शाम में पड़हा जतरा व रात्रि में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समारोह को सफल बनाने में समिति के गोवर्धन बैठा, शक्ति राम, मनीष राम, बाल किशुन मोची, सत्येंद्र साहू, अशोक यादव, गौतम ताम्रकार, कुलदीप साहू, भागवत ताम्रकार, प्रदीप गोप, आदित्य ताम्रकार,शाखो उरांव, रवि पहान समेत सभी ग्रामीण हिस्सा ले रहे हैं।

ओरमांझी में धराया लकड़ी बोटा लदा ट्रक

ओरमांझी। थाना क्षेत्र मायापुर से ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा एक लकड़ी का बोटा लदा ट्रक पकड़ा गया है। छतिसगढ नंबर की दस चक्का ट्रक सीजे15एसी-5086 में हाईड्रा की मदद से लकड़ी का बोटा लोड करते व छुपाने के लिए तिरपाल बांधते दख स्थानीय ग्रामीणों को अवैध बोटा का शक हुआ। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक से पुछताक्ष किया। चलक ने बताया वन विभाग, स्थानीय मुखिया आदि से आदेश लेकर पेड़ काट कर ले जा रहे है। आदेश का पेपेर बना है। पुलिस द्वारा मांग पर चालक द्वारा संबंधित पेपर प्रस्तुत नही किया जा सका।

इंडिया गठबंधन के लोगों ने किया बैठक

राहे। प्रखंड के गोमदा चौक स्थित इंडिया गठबंधन के चुनावी कार्यालय में कांग्रेस, झामुमो, माकपा, माले कार्यकताओं ने संयुक्त रूप में बैठक कर चुनाव प्रचार को धार देने के लिए रणनीति बनाई। सभी ने संयुक्त रूप में तय किया की प्रखंड के सभी बूथ में जाकर बूथ कमिटी को सशक्त करते हुये बूथ के हर मतदाता के समक्ष कांग्रेस के घोषणा पत्र की जानकारी देते हुये कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में मतदान करने की अपील करें। अपने स्तर से कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने के जनसंपर्क करें। मौके पर कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश किरण महतो,अजय साहू,राजकिशोर मुंडा,राजेश्वर सिंह,प्रदीप गोस्वामी,कृष्ण कुमार चटर्जी,माकपा के सुफल महतो,सनातन मुंडा, झामुमो के देवगुण महतो,सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

Format C-1

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name and address of candidate: **ANNPURNA DEVI, VILL KARIYABAR, P.O KARMA, P.S KODERMA, DIST. KODERMA, JHARKHAND -825409**

Name of political party: **BHARATIYA JANATA PARTY**

Name of Election: **ELECTION TO THE HOUSE OF THE PEOPLE-2024**

Name of Constituency: **05- KODARMA PARLIAMENTRY CONSTITUENCY**

I **ANNPURNA DEVI,** a candidate for the above mentioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases

Sl. No	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1	CHIEF JUDICIAL MAGISTRATE DHANBAD	CASE NO. 454/2021 DATED 30.10.2021 DHANBAD POLICE STATION DHANBAD	CHARGE HAS NOT BEEN FRAMED	SECTIONS 269, 270, 34 OF I.P.C. NEGLIGENTLY DOING AN ACT WHICH MAY LIKELY SPREAD THE INFECTION OF ANY DISEASE DANGEROUS TO LIFE.

(B) Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence (s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
1	JUDICIAL MAGISTRATE 1ST CLASS CUM SPECIAL JUDGE MP/MLA COURT HAZARIBAGH DATE OF ORDER 28-04-2023	CASTING VOTE AT THE POLLING STATION, WEARING SCARF WITH PARTY SYMBOL. PUNISHMENT IMPOSED Rs. 200/-	Rs. 200/-

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(पोस्टल बैलेट-सह-मतपत्र कोषांग हजारीबाग)

-:आदेश:-

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्र संख्या 52/2023/SDR/Vol.IV दिनांक 31.10.23 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देश तथा अधोहस्ताक्षरी के पत्र संख्या 185 दिनांक 04.05.2024 के द्वारा लोक सभा आम चुनाव-2024 के तहत 14-हजारीबाग संसदीय क्षेत्र अन्तर्गत प्रतिनियुक्त सेक्टर दण्डाधिकारी, मतदान पदाधिकारी, माईक्रो ऑब्जर्वर एवं अन्य मतदान कर्मियों का पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कराये जाने हेतु प्रमंडलीय पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र जबरा, संत कोलम्बस कॉलेज फुटबॉल मैदान (ड्राईवर, खलासी एंव अन्य सफाई कर्मियों के लिए,) समाहरणालय भवन में स्थित पुलिस कार्यालय, दुसरा तल्ला (पुलिस कर्मियों के मतदान के लिए), समाहरणालय भवन भूतल में स्थित स्तनपान कक्ष में Special Facilitation Centre एवं समाहरणालय भवन स्थित प्रथम तल्ला में स्तनपान कक्ष में Postal Voting Centre में Facilitation Centre का निर्माण किया गया है तथा उन केन्द्रों पर दिनांक 10.05.2024 से मतदान कार्य किया जा रहा है **जो दिनांक 18.05.2024 तक समय 9.00 बजे से 5.00 बजे तक** पोस्टल बैलेट से मतदान कार्य करवाने का कार्य सम्पादित करता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि वैसे मतदान कर्मी जो उक्त तिथियों को Facilitation Centre में किसी कारणवश मतदान का कार्य नही कर पाये है, उन छुटे हुए मतदाताओं के लिए Dispatch Centre जो दिनांक 19.05.2024 को किया जाना है, में Facilitation Centre निम्नरूपेण कार्य करेगा:-

चयनित स्थल का नाम	मतदान किये जाने की तिथि एवं समय	सम्बद्ध विधानसभा क्षेत्र एवं संख्या	आवंटित कार्य दायित्व	पदाधिकारी / कर्मी का नाम	पदनाम	कार्यालय का नाम	मोबाईल संख्या
विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के बहुउद्देशीय भवन, केन्द्र संख्या 01	19.05.24 8:00 AM TO 3:00 PM	20-BARKTHA 21-BARHI	NODAL OFFICER	RAKESH KUMAR	BEEO	CHOUPARAN	8789270105
			POLLING OFFICER 1	BASUDEO PRASAD	PARA TEACHER	MIDDLE SCHOOL SILWAR KHURD, HAZARIBAGH, 412-27	6207052170
			POLLING OFFICER 2	SANJAY KUMAR	PARA TEACHER	UPG M.S. CHURCHU, HAZARIBAGH, 412-16	7368023022
			POLLING OFFICER 3	DHIRENDRA KUMAR	PARA TEACHER	UPG HIGH SCHOOL HUPAD, HAZARIBAGH, 412-56	8825281787
			RESERVE	AKHILESH NARAYAN	PARA TEACHER	UPG M.S. DUMAR, HAZARIBAGH, 412-34	7903140276
विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के बहुउद्देशीय भवन, केन्द्र संख्या 2	19.05.24 8:00 AM TO 3:00 PM	22-BARKAGAON 24-MANDU	NODAL OFFICER	ANIL KUMAR RANJAN	LABOUR SUPRIDTENT	HAZARIBAG	8083315703
			POLLING OFFICER 1	JALESHWAR RANA	PARA TEACHER	UPG M.S. DUMAR, HAZARIBAGH, 412-34	6299713387
			POLLING OFFICER 2	AWADHESH KR.MEHTA	PARA TEACHER	UPG M.S. DUMAR, HAZARIBAGH, 412-34	9431976712
			POLLING OFFICER 3	AVINASH KR. SINGH	PARA TEACHER	UPG M.S. BANAHAPPA, HAZARIBAGH, 412-32	9931118138
			RESERVE	PURENDRA KUMAR	PARA TEACHER	MIDDLE SCHOOL NAGWAN, HAZARIBAGH, 412-15	7739345779
विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के बहुउद्देशीय भवन, केन्द्र संख्या 3	19.05.24 8:00 AM TO 3:00 PM	25 HAZARIBAG OTHER DISTRICT	NODAL OFFICER	JAYANT TIWARI	PRO. EX MAGISTRATE	DC OFFICE HAZARIBAG	8210284215
			POLLING OFFICER 1	PRAKASH SHARMA	PARA TEACHER	UPG HIGH SCHOOL SARAUNI, HAZARIBAGH, 412-64	8294056172
			POLLING OFFICER 2	MAHESH PRASAD	PARA TEACHER	UPG HIGH SCHOOL SARAUNI, HAZARIBAGH, 412-64	6299085697
			POLLING OFFICER 3	SACHIT KUMAR	PARA TEACHER	UPG.HIGH SCHOOL MORANGI, HAZARIBAGH, 412-58	9973283109
			RESERVE	KUNJLAL GOPE	PARA TEACHER	PRIMARY SCHOOL MATWARI (HINDI), HZB 412-69	9123149875
संत कोलम्बस महाविद्यालय के व्यावसायिक भवन एवं इन्नु सेंटर, केन्द्र संख्या 01	19.05.24 8:00 AM TO 3:00 PM	20-BARKTHA 21-BARHI	NODAL OFFICER	RAMA PATHAK	BEEO KATKAMDAG	BEEO KATKAMDAG	72579429189
			POLLING OFFICER 1	UMESH KUMAR MEHTA	PARA TEACHER	PRIMARY SCHOOL SEKHA, HAZARIBAGH, 412-22	9507559723
			POLLING OFFICER 2	SHIV KUMAR SINGH	PARA TEACHER	PRIMARY SCHOOL HUTPA, HAZARIBAGH, 412-33	9934125186
			POLLING OFFICER 3	RAKESH KUMAR	PARA TEACHER	PRIMARY SCHOOL HUTPA, HAZARIBAGH, 412-33	8084361449
			RESERVE	DILIP RAM	PARA TEACHER	PRIMARY SCHOOL GURHET, HAZARIBAGH, 412-37	9931568611
संत कोलम्बस महाविद्यालय के व्यावसायिक भवन एवं इन्नु सेंटर, केन्द्र संख्या 02	19.05.24 8:00 AM TO 3:00 PM	22-BARKAGAON 24-MANDU	NODAL OFFICER	SHAIL BALA	CDPO SADAR	CDPO SADAR RULAR	9470931576
			POLLING OFFICER 1	SANTOSH KUMAR RAVIDAS	PARA TEACHER	GIRLS PRIMARY SCHOOL LAKHE, HAZARIBAGH, 412-10	7635080905
			POLLING OFFICER 2	MANOJ KUMAR	PARA TEACHER	UPG P.S. MANDAIKHURD BHUIYATOLI, HZB 412-14	9304142327
			POLLING OFFICER 3	SHANKAR KUMAR RAM	PARA TEACHER	UPG P.S. GURWA, HAZARIBAGH, 412-42	9939507276
			RESERVE	JITENDRA KUMAR RAM	PARA TEACHER	UPG P.S. CHAYA, HAZARIBAGH, 412-31	8538925242
संत कोलम्बस महाविद्यालय के व्यावसायिक भवन एवं इन्नु सेंटर, केन्द्र संख्या 03	19.05.24 8:00 AM TO 3:00 PM	25 HAZARIBAG OTHER DISTRICT	NODAL OFFICER	REKAH RANI	CDPO SADAR	CDPO SADAR URBAN, HAZARIBAG	9934203884
			POLLING OFFICER 1	SATENDRA KUMAR	PARA TEACHER	UPG P.S. CHANO-II, HAZARIBAGH, 412-06	6201473129
			POLLING OFFICER 2	ARVIND KR.SINGH	PARA TEACHER	UPG P.S. MARIAMTOLA, HAZARIBAGH, 412-77	8709635485
			POLLING OFFICER 3	PRADEEP KUMAR RANA	PARA TEACHER	UPG P.S. CHUTIARO, HAZARIBAGH, 412-35	9955008590
			RESERVE	RAVINDRA RAM	PARA TEACHER	UPG P.S. BHELWATAR, HAZARIBAGH, 412-20	6202622112

उक्त केन्द्रों पर पोस्टल बैलेट से मतदान कराये जाने हेतु अधोहस्ताक्षरी के आदेश ज्ञापांक 185 दिनांक 04.05.2024 द्वारा Facilitation Centre Incharge को प्रतिनियुक्त किया गया है साथ ही कार्मिक कोषांग के पत्र संख्या 190 दिनांक 07.05.2024 द्वारा निम्नांकित तीन पदाधिकारियों को पोस्टल बैलेट-सह-मतपत्र कोशांग में भी प्रतिनियुक्त किया गया है। इन पदाधिकारियों को दिनांक 19.05.2024 को निम्नवत क्षेपेचंजबी बमदजतम पर प्रतिनियुक्त किया जाता है तथा निदेश दिया जाता है कि अपने आवंटित Facilitation Centre पर उपस्थित होकर संबंधित Facilitation Centre Incharge को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हुए Annexure 13A को सत्यापित करने का कार्य करेंगें।

क0	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	संबंधित कार्यालय का नाम	क्षेपेचंजबी बमदजतम
1	श्रीमती विजया लक्ष्मी	अवर विधालय निरीक्षक।	अवर विधालय निरीक्षक, नगरपालिका, हजारीबाग	विनोबा भावे विश्वविधालय, हजारीबाग।
2	श्री राजेश प्रसाद शाह	सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, हजारीबाग	सहायक निबंधक सहयोग समितियों, हजारीबाग।	संत कोलम्बस कॉलेज, हजारीबाग।

PR 324864 Election(24-25)#D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, हजारीबाग

खबर मन्त्र

रांची.शुक्रवार. 17 मई 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

लू से सर्वाधिक मौत

दुनिया भर में प्रति वर्ष करीब 1.53 लाख लोगों की मौत भीषण गर्मी या लू के कारण होती है। इनमें से सबसे ज्यादा 20 फीसदी मौतें भारत में होती हैं। एक अध्ययन से यह जानकारी मिली। पिछले 30 वर्षों से अधिक के आंकड़ों के आधार पर यह अध्ययन किया गया। भारत के बाद चीन और रूस का स्थान है, जिनमें से प्रत्येक में क्रमशः लगभग 14 फीसदी और 8 फीसदी मौतें भीषण गर्मी से जुड़ी होती हैं।

मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया कि लू से जुड़ी मौतें गर्मी से संबंधित सभी मौतों का लगभग एक तिहाई और वैश्विक स्तर पर कुल मौतों का एक प्रतिशत है। शोधकताओं ने यह भी पाया है कि हर साल गर्मियों में होने वाली कुल 1.53 लाख अतिरिक्त मौतों में से लगभग आधी एशिया में और 30 प्रतिशत से अधिक यूरोप में होती हैं। इसके अलावा, सबसे बड़ी अनुमानित मृत्यु दर (जनसंख्या के अनुपात में मृत्यु) शुष्क जलवायु और निम्न-मध्यम आय वाले क्षेत्रों में देखी गई। अध्ययन में 2019 तक के दशक की तुलना 1999 तक के दशक से करने पर, दुनिया भर में हर साल भीषण गर्मी की अवधि औसतन 13.4 से 13.7 दिनों तक बढ़ी हुई पाई गई। इसमें हर दशक में वातावरण का औसत तापमान 0.35 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। भारत में गर्मी की अवधि भी अधिक है लेकिन मई और जून की तपिश जानलेवा होती है। अधिकतम तापमान देश के पश्चिमी हिस्से में 50 डिग्री को पार कर जाता है। विशेषकर उत्तर भारत में लू और गर्मी जनित रोगों के कारण अधिकाधिक मौत होती है। अब देश का दक्षिणी हिस्सा भी गर्मी के चपेट में आ गया है। चैन्नई का तापमान जहा 40 डिग्री को पार कर रहा है वहीं बंगलूरू में भी गर्मी लोगों को परेशान कर रहा है।

मतदान में कमी

मतदान में कमी को राजनेताओं के प्रति घटते विश्वास के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, कथनी-करनी के फर्क से जनता राजनेताओं से इतनी खिन्न हो चुकी है कि वह नेताओं के वायदों-इरादों पर विश्वास करने से गुरेज करती है। बार-बार छलने से उसका राजनेताओं से मोहभंग होता जा रहा है। दरअसल, सत्ता केंद्रित राजनीति के चलते सत्ता के दंभ से लेकर दल-बदल और सरकारें बनाने-गिराने के खेल से देश का जनमानस व्यथित है। आये दिन लगने वाले आरोप-प्रत्यारोप व नकारात्मक राजनीतिक हथकंडों ने बार-बार जनता का मोह भंग ही किया है। उसे लगता है कि क्या मेरे मतदान कुछ बदलेगा भी? एक राजनेता एक बार किसी दल से चुनाव लड़ता है और फिर पाला बदलकर दूसरे दल में चला जाता है, उससे क्या लोकतंत्र का भला होगा? ऐसे ही कई सवाल मतदाता को आये दिन हैरान-परेशान करते रहते हैं। जिसका असर कालांतर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ता है। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद हुए पहले मतदान में प्रतिशत का अधिक रहना सुखद ही है। बहरहाल, पूरे देश में चुनाव प्रतिशत में कमी के रुझान पर चुनाव आयोग को भी गंभीर मंथन करना चाहिए कि मतदान बढ़ाने के लिये देशव्यापी अभियान चलाने के बावजूद वोटिंग अपेक्षाओं के अनुरूप क्यों नहीं हो पायी। वहीं राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि मतदाता के मोहभंग की वास्तविक वजह क्या है। कुल मिलाकर देश में राजनीतिक धारा को लेकर जनता में जो अविश्वास गहरा हो रहा है, उसे यदि समय रहते दूर करने का प्रयास न किया गया तो आने वाले समय में उसके नकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। बड़ी संख्या में विस्थापितो के मतदान की व्यवस्था भी किया जाना आवश्यक है।

यूपी में मिशन 80 का लक्ष्य साधती 'मोदी-योगी' की टीम

जिस पार्टी के पास यूपी में सबसे अधिक सीटें होंगी, प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने का उसका रास्ता उतना ही आसान होगा। यही वजह है कि यूपी की 80 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए राजनीतिक दल 2024 लोकसभा चुनावों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे।

अलबत्ता सियासी पैंतरेबाजी से उलट राजनीतिक विश्लेषक यही मान रहे हैं कि इस बार यूपी में लोकसभा चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित नहीं होंगे। भाजपा 2019 लोकसभा चुनावों का प्रदर्शन बखूबी दोहराएगी। मोदी और योगी की जोड़ी एक बार फिर करिश्माई प्रदर्शन करेगी। दरअसल, मोदी-योगी की जोड़ी जीत की गारंटी बन चुकी है, जिसके आगे विपक्षी तेवर भी ढीले नजर आते हैं। विपक्ष के पास इस जोड़ी की कोई काट नहीं।

भाजपा अगर यूपी में लोकसभा की सभी 80 सीटों पर जीत के लक्ष्य के साथ चुनावी मैदान में ताल ठोंक रही है, तो उसके पीछे भी इसी जोड़ी का भरोसा है। प्रधानमंत्री कई बार सार्वजनिक मंचों से योगी के विकास मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। प्रधानमंत्री इसी मॉडल के जरिए यूपी की सभी सीटों पर जीत का दावा भी कर रहे हैं। जैसा कि अमरोहा की अपनी चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि ह्यलिखकर ले लीजिए। सात साल से यूपी में योगी की सरकार है। 2019 लोकसभा चुनाव के समय उन्हें दो ही साल काम करने का मौका मिला था। अब तो सात साल हो गए हैं। योगी ने दिखा दिया है कि गर्वनेंस क्या होता है। कानून व्यवस्था क्या होती है। विकास क्या होता है और इसलिए योगी के नेतृत्व में इस बार रिकॉर्ड टूटेगा। इस बार 2014 और 2019 का रिकॉर्ड टूटेगा और यूपी इतिहास रचेगा।

यूपी के चुनावी सफर में 2014 का लोकसभा चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ। इसी साल यूपी में भाजपा का सियासी वनवास पूरा हुआ। उस समय भाजपा के सामने कोई गठबंधन नहीं था। भाजपा ने करीब 43 फीसदी वोट हासिल करते हुए 80 में से 71 सीटों पर जीत दर्ज की थी। समाजवादी पार्टी ने पांच सीटें जीती। जबकि, कांग्रेस मात्र 2 सीटों पर ही सिमटकर रह गई थी। बसपा का तो खाता भी नहीं खुला था।

2019 लोकसभा चुनाव में मोदी लहर और योगी के कार्यों के दम पर बीजेपी ने चुनावी दंगल में पुनः ताल ठोंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो साल का कार्यकाल पूरा कर चुके थे। नरेंद्र मोदी को रोकने के लिए समाजवादी पार्टी और बसपा साथ आए। रालोद ने भी साथ दिया। हालांकि चुनाव परिणाम पुनः भाजपा के पक्ष में ही रहा। भाजपा ने करीब 50 फीसदी वोट शेयर के साथ 61 सीट जीती। बसपा 10 सीट, सपा 5 सीट और कांग्रेस के खाते में महज एक सीट आई।

योगी ने 2019 के बाद एक मजबूत और कड़े फैसले लेने वाले मुख्यमंत्री की छवि बनाई और जिसकी परिणिति उत्तरप्रदेश में बुलडोजर के रूप में सामने आई। जो कहीं न कहीं 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा का चुनावी सिंबल सा बन गया। मुख्यमंत्री ने राज्य में कानून व्यवस्था के मोर्चे पर अपने प्रदर्शन के चलते चुनाव को आभासी जनमत संग्रह बना दिया था। भाजपा ने चुनावों में ऐतिहासिक वापसी की और तीन दशकों से चल रहा समाजवादी पार्टी की साइकिल का पहिया पूरी तरह रुक गया। यूपी में भाजपा का वोट प्रतिशत भी 2014 के बाद से लगातार 40 फीसद के ऊपर ही बना हुआ है। विगत दो लोकसभा चुनावों के मुकाबले 2024 चुनाव में स्थिति बिल्कुल अलग है। सपा ने इस बार कांग्रेस से हाथ मिला लिया है जबकि बसपा अकेले ताल ठोंक रही है। रालोद भी इस बार भाजपा के साथ है। एनडीए ने जातीय समीकरण बैठाने के लिए अपना दल (एस), निषाद पार्टी और सुभासपा जैसे क्षेत्रीय दलों के साथ भी गठबंधन किया है।

भाजपा इस लोकसभा चुनाव में यूपी में बेहतर स्थिति में है तो इसमें केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों के साथ योगी मॉडल का अहम योगदान है। केंद्र में जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारा। जिस तरह गरीब, युवा, महिला और किसानों के जीवन में खुशहाली लेकर आए उसी तरह योगी ने यूपी में सुशासन का राज कायम काम किया। योगी के सुशासन को अगर आंकड़ों के पैरामीटर पर देखें तो यह जानकर संतुष्टि होती है कि सात साल के कार्यकाल में एक भी दंगे नहीं हुए। जबकि पहले के मुख्यमंत्रियों के समय औसतन हर तीसरे-चौथे दिन एक दंगा होता था। यह किसी से छिपा नहीं है कि पहले पेशेवर माफिया और अपराधी सत्ता के संरक्षण में दहशत फैलाते थे।

योगी राज में माफियाओं पर लगाम लगी। यूपी में जनता अब भयमुक्त है, अपराधियों के मन में कानून का खौफ है। पुलिस अपराधियों, माफियों और दंगाइयों पर कहर बनकर टूटी है। उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त, भयमुक्त एवं दंगामुक्त हुआ है। प्रदेश में पुलिस के डर से बड़े-बड़े अपराधी और माफिया प्रदेश छोड़कर या तो भाग गए या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिए हैं।

यूपी में विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में केंद्र सरकार ने भी भरपूर साथ दिया। यही वजह है कि केंद्र की योजनाओं यूपी में खूब फलीभूत हुई। जिस कारण यूपी की अर्थव्यवस्था में गुणात्मक सुधार हुए। वर्ष 2016-17 के मुकाबले राज्य का सकल घरेलू उत्पाद(जीएसडीपी) दोगुनी होकर 25 लाख करोड़ तक पहुंच गया। राज्य सरकार ने 2027 तक प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश का बजट 2016-17 में जहां 3.46 लाख करोड़ रुपये का था वहीं 2024-25 में यह दोगुने से भी अधिक 7.36 लाख करोड़ रुपये का हो गया। विकास के इन्हीं आंकड़ों की बदौलत भाजपा यूपी में मिशन 80 का लक्ष्य हासिल करने का दावा कर रही है। लोकसभा चुनावों में कौन बाजी मारेगा यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन इतना तय है कि मोदी-योगी की जोड़ी पर यूपी की जनता का विश्वास बना हुआ दिख रहा है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

- आरके सिन्हा

योगी ने दिखा दिया है कि गर्वनेंस क्या होता है। कानून व्यवस्था क्या होती है। विकास क्या होता है और इसलिए योगी के नेतृत्व में इस बार रिकॉर्ड टूटेगा। इस बार 2014 और 2019 का रिकॉर्ड टूटेगा और यूपी इतिहास रचेगा। यूपी के चुनावी सफर में 2014 का लोकसभा चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ ।यूपी की अर्थव्यवस्था में गुणात्मक सुधार हुए। वर्ष 2016-17 के मुकाबले राज्य का सकल घरेलू उत्पाद(जीएसडीपी) दोगुनी होकर 25 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

खास बात

स्टार्ट अप और आइटी में जॉब

अभिषेक कुमार

भारत पहले ही उपभोक्ताओं के डिजिटलीकरण की तेज गति के साथ दुनिया को अपनी क्षमता दिखा चुका है। मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट ने इसका उल्लेख सबसे बड़े और तेज बढ? वालों में किया। प्रति मोबाइल उपभोक्ता औसत डेटा खपत भी चीन से अधिक और कोरिया के समान है। यह जियो जैसी कंपनियों के कारण संभव हुआ क्योंकि उन्होंने सस्ता डेटा दिया। इसके अलावा कम लागत पर तत्काल भुगतान का बुनियादी ढांचा तैयार हुआ और देश में खुदरा डिजिटल भुगतान सालाना 50 प्रतिशत की दर से बढ़ा। वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था में जहां एक मंच पर एक करोड़ से अधिक उद्यम मौजूद हैं, उसे तकनीकी क्षमता मुहैया कराई गई। 1.2 अरब लोगों के पंजीयन के साथ डिजिटल पहचान व्यवस्था कायम की गई। सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ दिलाने के लिए सॉफ्टवेयर पैकेज तैयार किया गया। इन मंचों का इस्तेमाल करके कई कारोबार खड़े किए गए। देश में बड़ी तादाद में यूनिकॉर्न (स्टार्टअप जिनका कारोबार 100 करोड़ डॉलर से अधिक हो) होने की यह भी एक वजह है। मूल्यांकन में उछाल अभी शुरू ही हुआ है क्योंकि निवेशक पैसा लगा रहे हैं। औद्योगिक संगठन नैसकॉम का कहना है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। उसका कहना है कि हर पांचवीं स्टार्टअप वैज्ञानिक या अभियांत्रिकी संबंधी चुनौतियों के हल पर केंद्रित है और यह सबसे तेज विकसित होने वाला हिस्सा है।

बड़े उद्यमों को डेटा विश्लेषण मुहैया कराया जा रहा है और पहली स्टार्ट अप विदेशी बाजारों में प्रवेश कर चुकी है। उत्पादकता में व्यापक सुधार हो सकता है। यदि समुचित विपणन नीतियां तैयार की गईं तो कृषि क्षेत्र की आय में भी सुधार हो सकता है। बिचौलियों की कीमत पर उत्पादक का मूल्यवर्धन करके ऐसा किया जा सकता है।

इस मॉडल पर बनी अर्थव्यवस्था में कुशल-अकुशल कर्मियों की तुलना में पेशेवर कामगार बढ़ेंगे। इससे कम शिक्षित तबके को नुकसान होगा क्योंकि उसका जीवन अनिश्चित होगा।

सन 100 की बात

विचार-प्रवाह

सुभाष काक

इसी तरह सबसे ऊपर की तीन स्थितियां हैं, असुर, मानव और देव। वहां ऐसे उत्सव होते, जिसमें यक्षों का आह्वान किया जाता। अवंतिपुर और मार्तंड के खंडहर हमें इस बारे में बताते हैं, फिर भी हमने इसे ठीक से नहीं समझा।

वैदिक देवता कश्मीर के रास्ते चीन और जापान गए। चौथी महान परिषद भी कुषाण शासक कनिष्क के संरक्षण में सन 100 में वहां हुई। सर्वस्तिवादिन स्कूल के भिक्षुओं ने नए सिद्धांत संकलित किए। यही महायान का आधार बना। वैदिक देवता इस समझ का एक हिस्सा थे, जैसे कि ईश्वर की साधना के परम लक्ष्य के साथ ध्यान एक हिस्सा था वैदिक परंपरा का। श्रीनगर के पास कंकुना स्तूप के परिहसापुरा स्मारक पामीर पर्वत से जापान तक पूरे एशिया में एक मॉडल की तरह हैं। वैदिक देवों की कश्मीरी तस्वीर भी बहुत हद तक नकल की गई। कला इतिहासकार सुसान हंटिंगटन हमें याद दिलाते हैं कि चीन में युनांग गुफाएं, एशिया की कई जगहों पर दीवारों पर हुई पेंटिंग और जापान की कुछ पांडुलिपियों का मूल्यांकन इस बात को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए कि इनका स्रोत कश्मीर हो सकता है ।वैदिक विचारों को भी दक्षिण भारत और दक्षिण पूर्व एशिया से समुद्री मार्ग के जरिए जापान ले जाया गया। इससे पता चलता है कि तमिल स्वर विज्ञान के माध्यम से संस्कृत के कुछ शब्द जापानी में कैसे बदले। उदाहरण के लिए, संस्कृत का होम शब्द जापानी में गोम हो गया। जापान में संस्कृत मंत्रों को दक्षिण भारत की सिद्धम लिपि में लिखा जाता है। आइए मिलते हैं उन वैदिक देवताओं से जो आज के जापान में लोकप्रिय हैं। शुरू करते हैं वैदिक अग्नि और अभिषेक समारोह से।

आपके ट्वीट

जमशेदपुर में बंगभाषियों की संस्था बंग बंधु द्वारा कवि गुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर जी एवं काजी नजरुल इस्लाम जी के जयंती समारोह में शामिल हुआ जिस साहित्य को इन महान विभूतियों ने सौ साल पहले लिखा, वह आज भी अतुलनीय है।- **चंपई सोरेन सीएम**

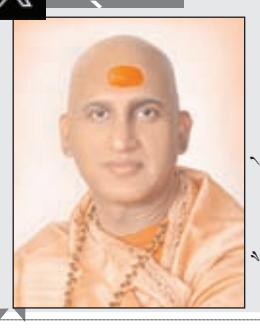

अंतःकरण में सत्य,प्रेम-करुणा और परमात्मा की पारमार्थिक वृत्तियों का प्रस्फुटन ही बुद्धत्व का अवतरण है। पूर्वक यौगिक क्रियाओं के अनुशीलन व ईश अनुग्रह से स्वबोध अर्थात बुद्धत्व की उपलब्धि संभव ह। - **स्वामी अवधेशानंद गिरी**

जब कोई काम नही कर रहे हो तो घड़ी की तरफ देखो ,
और
जब कोई काम कर रहे हो तो घड़ी की तरफ मत देखो ..!!

-अमिताभ बच्चन

गणतंत्र को ग्राम पंचायत तक पहुंचाने वाले प्रधानमंत्री राजीव गांधी

सुधांशु कुमार

चर्चा

गौर करें कि संसदीय गणतंत्र, एक छतरी की तरह हो गया है। समय-समय पर आने वाली बरखा रूपी जनाकांक्षा की बूंदें, जिसके धारक प्रतिनिधियों को स्पर्श करती भी हों, तो भिगो नहीं रही। सिर्फ इतना नहीं, बल्कि धारक प्रतिनिधि इस बात के लिए ज्यादा सतर्क रहने लगे हैं कि वे किसी भी तरह भीगने न पाएं। हम, भारत विविध भूगोल, संस्कृति व जीवन शैलियों का देश हैं। एकसमान योजना-परियोजना-तौर-तरीका-तकनीक को सभी पर लागू करना; सभी के लिए हितकरी सिद्ध हो; भारत में यह जरूरी नहीं। अतः भारत को एक ऐसे विशाल हृदया निर्मल तालाब की प्रकृति का गणतंत्र होने की जरूरत हो; जिसमें दूर-दूर से आये जल रूपी विविध विचार और समृद्धि प्रयास समा सके; कई रंग के कमल, मछलियां और अन्य जीव-जन्तु न सिर्फ आवास पा सकें, बल्कि उसकी सुन्दरता व गतिविधियों में योगदान दें।

संभवतः इसीलिए राष्ट्रपिता गांधी ने भारत को संवैधानिक तौर पर संसदीय की बजाय, पंचायती गणतंत्र बनाने का दस्तावेज संविधान सभा को सौंपा था। पंचायतीराज विधेयक को संसद में पेश करते वक्त तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारत के लोगों को अधिकतम लोकतंत्र, अधिकतम सत्ता सुपुर्द कर, सत्ता के दलालों का खात्मा करने की मंशा इभी इसीलिए जाहिर की थी।

उन्होने याद दिलाया था - "जब हम पंचायतों को वही दर्जा देंगे, जो संसद और विधानसभाओं को प्राप्त है; तो हम लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए दरवाजे. खोल देंगे।... सत्ता के दलालों ने इस तंत्र पर कब्जा कर लिया है। सत्ता के दलालों के हित में इस तंत्र का संचालन हो रहा है।...सत्ता के दलालों के नाशपाश को तोड़ने का एक ही तरीका है और वह यह है जो जगह उन्होने घेर रखी है, उसे लोकतंत्र की प्रक्रियाओं द्वारा भरा जाए।... सत्ता के गलियारों से सत्ता के दलालों को निकाल कर, पंचायतें जनता को सौंपकर, हम जनता के प्रतिनिधियों पर और जिम्मेदारी डाल रहे हैं कि वे सबसे पहले उन लोगों की तरफ ध्यान दें, जो सबसे करीब हैं; सबसे वंचित हैं; सबसे जरूरतमंद हैं।.... हमें जनता में भरोसा है। जनता को ही अपनी किस्मत तय करनी है।" 73वें-74वें संविधान संशोधन ने पारित होकर दर्जा भी दिया और जिम्मेदारी भी डाली। मोदी सरकार द्वारा शुरू 'ग्राम पंचायत विकास योजना' ने भी एक खिड़की खोली है। संसदीय मतलब आसमानी, पंचायती मतलब जमीनी गणतंत्र; किंतु हम, भारत के नागरिक आज भी यह फर्क हासिल करने को प्रेरित नहीं दिखाई दे रहे। हम, आज भी आसमानी गणतांत्रिक व्यवस्था की ओर ही ताक रहे हैं।

हमें हर जरूरत की पूर्ति के लिए सरकार के समक्ष मांग का कटोरा लेकर ताकने की आदत जो डाल दी गई है। पंचायती गणतंत्र के सपने को जमीन पर उतारने से हिचकिचाहट, आज भी राज्यों के पंचायतीराज अधिनियम में साफ दिखाई दे रही है। एक ओर तारीख-पे-तारीख के खेल में खिंचते मुकदमों से हैरान-परेशान अवाम; दूसरी ओर अनेक ने न्याय पंचायती व्यवस्था को लागू नहीं किया; एक प्रदेश की विधायिका ने लागू को ही मिटा दिया! सत्ता पाकर गांव का प्रधान, पंच और ग्रामसभा में बंट जाना। इस सत्ता-चरित्र से उबरे बगैर पंचायती गणतंत्रता की ओर बढ़ना असंभव है और आर्थिक साम्राज्यवाद के खतरों से अंतिम जन को बचाना भी। आखिर सत्ता का विकेन्द्रीकरण से क्यों भाग रही है राजनीतिक पार्टियां। क्या इससे बचकर एक बेहतर देश का निर्माण संभव है?

एक विवश, बेवश ग्रामीण को लूटते तंत्र को बचाता गणतंत्र।

कार्टून वर्ल्ड

लेटर टू एडिटर

महापुरुषों की राह

चुनावी उम्मीदवार महापुरुषों का अनुसरण मात्र वोट बैंक भुनाने के लिए करते हैं। चुनाव जीतने के बाद वादे, जनता का विश्वास धराशायी हो जाता है। उनकी करनी और कथनी में काफी अंतर दिखाई पड़ता है। जनहित राजनेताओं की आंखों से ओझल हो जाता है। स्वच्छ राजनीति महापुरुषों के आचरण के अनुसरण से ही संभव है।

-अनिल कौशिक, रांची

वक्त की मांग

ऑनलाइन बाजार में होम डिलीवरी के बढ़ते क्षेत्र को देखकर लगता है कि अब सरकारें भी इस कार्यक्षेत्र को अपनाने वाली हैं। इसके चलते अब जनता को घर-घर राशन पहुंचाया जायेगा ताकि किसी को भी राशन के लिए परेशान न होना पड़े। आंध्र प्रदेश सरकार 1 फरवरी से यह ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही है। जनता को घरों से बाहर निकलने की जरूरत नहीं पड़ती। **- नवज्योत, जमशेदपुर**

भारत सहित एशियाई देश देंगे इस वर्ष विश्व अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान

प्रहलाद सबनानी

आर्थिक

वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अभी तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित देशों का दबदबा बना रहता आया है। परंतु, अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में भारत सहित एशियाई देशों के वैश्विक अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान होने की प्रबल सम्भावना है। एशियाई देशों में चीन एवं भारत मुख्य भूमिकाएं निभाते नजर आ रहे हैं। प्राचीन काल में वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान लगभग 32 प्रतिशत से भी अधिक रहता आया है।

वर्ष 1947 में जब भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान लगभग 3 प्रतिशत तक नीचे पहुंच गया था क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को पहिले अरब से आए आक्राताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने बहुत नुक्सान पहुंचाया था एवं भारत को जमकर लूटा था। वर्ष 1947 के बाद के लगभग 70 वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था के योगदान में कुछ बहुत अधिक परिवर्तन नहीं आ पाया था। परंतु, पिछले 10 वर्षों के दौरान देश में लगातार मजबूत होते लोकतंत्र के चलते एवं आर्थिक क्षेत्र में लिए गए कई पारदर्शी निर्णयों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2024 में अपने योगदान को लगभग 18 प्रतिशत के आसपास एवं एशिया के अन्य देशों यथा चीन, जापान एवं अन्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशियाई देशों के योगदान को 60 प्रतिशत तक ले जाने में सफल होता दिखाई दे रहा है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। साथ ही, भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना बन रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है, अक्टूबर-दिसम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में तो आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत की रही है। इस विकास दर के साथ भारत के वर्ष 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है। केवल 10 वर्ष पूर्व ही भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और वर्ष 2013 में मोर्गन स्टैनली द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार भारत विश्व के उन 5 बड़े देशों (दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, टर्की एवं भारत) में शामिल था जिनकी अर्थव्यवस्थाएं नाजुक हालत में मानी जाती थीं।

आज भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में लगातार तेज वृद्धि आंकी जा रही है, जिससे भारत के वित्तीय संसाधनों पर दबाव कम हो रहा है और भारत पूंजीगत खर्चों के साथ ही गरीब वर्ग के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लिए वित्त की व्यवस्था आसानी से कर पा रहा है। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपये की कीमत लगातार स्थिर बनी हुई है, जिससे विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास भी बढ़ रहा है और भारत में विदेशी निवेश भी लगातार बढ़ता जा रहा है। तीसरे, भारत में मुद्रा स्फीति पर भी तुलनात्मक रूप से नियंत्रण पाने में सफलता मिली है। अन्य देश अभी भी मुद्रा स्फीति की समस्या से जूझ रहे हैं। आर्थिक क्षेत्र में उक्त कारकों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक बने रहने की प्रबल सम्भावनाएं बनी रहेंगी। इसके ठीक विपरीत, जापान एवं जर्मनी की आर्थिक विकास दर या तो मंदी के दौर से गुजर रहीं हैं अथवा विकास दर बहुत कम अर्थात एक-दो प्रतिशत से भी कम बनी हुई है।

भारत के स्टील उद्योग, सिमेंट उद्योग एवं ऑटोमोबाइल निर्माण के क्षेत्र ने 10 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर ली है। डिजिटल आधारभूत ढांचे के निर्माण के क्षेत्र में तो भारत विश्व गुरु बन गया है और इससे आज भारत में 13400 करोड़ से अधिक के डिजिटल व्यवहार हो रहे हैं ।

स्पीड न्यूज

चुलाई शराब व जावा महुआ बरामद

रामगढ़। निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देशानुसार गुरुवार को सहायक आयुक्त उत्पाद अजय कुमार गोंड के नेतृत्व में कई क्षेत्रों में अवैध शराब के विरुद्ध चलाया गया। रामगढ थाना अंतर्गत राजगढ़ एवं रजरप्पा थाना अंतर्गत धुटूआ में अवैध शराब भट्ठियों में छापामारी कर कुल 35 लीटर चुलाई शराब एवं 300 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया । छापामारी अभियान में धुटूआ निवासी तिलचंद उर्फ सूरज करमाली एवं राजगढ़ निवासी अशोक भुईयां के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। छापेमारी मेंउत्पाद अवर निरीक्षक कांग्रेश कुमार, अवर निरीक्षक दिलीप कुमार शर्मा, सहायक अवर निरीक्षक अमित मड़की, सशस्त्र गृहरक्षक के जवान विनय सिंह, कमलेश कुमार आदि शामिल थे।

श्रमिक संघ ने मनीष को दिया समर्थन

भुरकुंडा (रामगढ़)। बरका-सयाल क्षेत्रीय कार्यालय सयाल में गुरूवार को अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ क्षेत्रीय कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव राम व सचिव संचालन संजय मिश्रा ने किया। केंद्रीय उपाध्यक्ष मुन्ना श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्र के एनडीए सरकार में ही मजदूरों का ग्रेच्युटी का पैसा 20 लाख किया गया। 11वां वेज बोर्ड में कोयला कर्मियों का वेतन बढ़ोतरी किया गया है। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि एनडीए प्रत्याशी मनीष जायसवाल को हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से एजेकेएसएस के कार्यकर्ता भरी मतों से विजय बनायेंगे। मौके पर केंद्रीय सदस्य संतोष ठाकुर, क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव राम, सचिव संजय मिश्रा, विकास कांत सिन्हा, रामश्रृष्ठ, रोबिन मुखर्जी, बिनोद कुमार, बिनोद कुमार सिंह, शिवनंदन दास, अंजन दास, बिनोद सिंह, जशिम अंसारी, रंजीत कुमार, गोकुल प्रसाद, भारत कुमार, लखी उरांव, प्रेम कुमार राय, आमोद सिन्हा, बबलू हेंब्रम, अदीप कुमार, दिनेश विश्वकर्मा, सनी कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

जुमरा में झामुमो की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल की लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर सांकी पंचायत के जुमरा में गुरूवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक हुई। बैठक में झामुमो के पतरातू प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र बेदिया व प्रखंड सह सचिव नरेश बड़ाईक मौजूद थे। बैठक में जेपी भाई पटेल को भारी मतों से विजयी बनाने की रणनीति बनायी गई और जनसंपर्क अभियान चलाने की बात कही गई। बेदिया ने कहा कि भाजपा को हजारीबाग ही नहीं पूरे देश से उखाड़ फेंकना होगा, तभी यहां के आदिवासी व मूलवासियों और सभी समुदाय के लोगों का विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के रहते आदिवासी, मूल निवासी और गरीबो का शोषण होते रहेगा। बेदिया ने कहा कि मोदी सरकार पूंजीपतियों की सरकार है इसमें किसान-मजदूरों का भला नहीं हो सकेगा। मौके पर देव बेदिया, सहजनाथ बेदिया, किशोर प्रजापति, विश बेदिया सहित दर्जनों महिला-पुरुष मौजूद थे।

पीवीयूएनएल में स्वच्छता पखवाड़ा शुरू

भुरकुंडा (रामगढ़)। पीवीयूएनएल पतरातु में गुरूवार को स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम शुरू हुआ। इसका शुभारंभ सीईओ आरके सिंह एवं जीएम (ओएंडएम) देवदीप बोस ने प्रोजेक्ट ऑफिस में सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर किया। स्वच्छता रैली प्रोजेक्ट ऑफिस से शुरू होकर क्लिम्स गेट के बाहर तक गया। इस पखवाड़ा के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कहा गया कि अपने घर सहित आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखना हमसबों का दायित्व है। 16 मई से शुरू हुआ यह कार्यक्रम 31 मई तक चलेगा। इस दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कर्मचारियों, उनके परिजनों एवं बच्चों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी जागरूकता फैलाना जायेगा। मौके पर बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन व एशोसिएशन के प्रतिनिधि तथा कर्मचारियों ने सम्मिलित होकर स्वच्छता का सामुहिक शपथ लिया। इधर मतदाता जागरूकता फैलाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के प्रमुख कार्यक्रम स्वीप के तहत पीवीयूएनएल पतरातु ने मतदाता जागरूकता पर एक वीडियो अभियान चलाया। कहा गया कि 20 मई को लोकसभा चुनाव के लिए पीवीयूएनएल परिवार की तरफ से एक पहल है। जिसमे लोगो को वोट डालने की अपील करते हुए उन्हें मतदान डालने जाने की बात कही गई है। मौके पर सीईओ आरके सिंह ने मतदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भारी से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की।

अवैध कोयला मुहानों पर डोजरिंग

कुजू। कुजू पुलिस व सीसीएल सुरक्षा विभाग क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं में बने अवैध मुहानों को बंद करने में लगी है। इसी के तहत गुरूवार को सारूबेडा परियोजना के बूटबेडा में 02 अवैध कोयला उत्खनन मुहानों को जेसीबी मशीन से मिट्टी व पत्थर डालकर बंद किया । परियोजना क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा अवैध मुहाना बनाकर अवैध तरीके से कोयला निकालकर कोयला तस्करों तक पहुंचाते है। जिसके बाद कोयला तस्कर उसे बाहर के मंडियों में बेचकर मालामाल होते है। जिसकी भनक पुलिस को लगते ही सीसीएल सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर ऐसे अवैध मुहानों को बंद कर अवैध कोयला ढुलाई पर रोक लगा रही है। अभियान में हेमंत कुमार सिंह, अजय कुमार, मुकेश कुमार, बिट्टू सिंह, रॉकेट मुर्मू, चंद्रप्रकाश मुर्मू के अलावे सुरक्षा प्रभारी ब्रजेश सिंह आदि शामिल थे।

बरही में भाजपा की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब, मप्र के सीएम मोहन यादव बोले

सीएम और मंत्री भ्रष्ट होंगे तो राज्य का विकास कैसे होगा

- मोहन यादव ने बरही के जनता से मनीष जायसवाल को वोट देने की अपील
- भाजपा प्रत्याशी जायसवाल बोले, राममंदिर का सपना हुआ पूरा

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/बरही । लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में बरही के पंचमाधव आश्रम फुटबॉल मैदान में जनसभा में उमड़ा जनसैलाब। जनसभा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल हुए। श्री यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर आकर उन्हें बहुत गौरवान्वित महसूस हो रहा है। श्री यादव ने राज्य सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि झारखंड की जनता ने बड़े अरमानों से अपना एक एक मत देकर जिसकी सरकार बनाई, आज उसके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सलाखों के पीछे है। उन्होंने कहा कि जब राज्य का सीएम और उसके मंत्री भ्रष्ट होंगे तो राज्य का विकास कैसे होगा।

श्री यादव ने कहा कि आज पूरा देश धर्म के मार्ग पर चल रहा है, अयोध्या में जब रामलल्ला को स्थापित किया गया, तब कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, दर्ज याचिका में उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं कि भगवान श्रीराम का जन्म कहां हुआ था, ऐसे लोगों को अपना मत देने का क्या औचित्य है। राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने जायसवाल के समर्थन में वोट की अपील की। श्री महतो ने कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल पर दल बदल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी मनीष जायसवाल को जीत दिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूती प्रदान करें।

जायसवाल ने कहा कि 2019 में जनता ने 300 पार किया, जिसके बाद केंद्र सरकार ने अमेरिका को झुकाया। पाकिस्तान को भिखारी बनाया, चीन की बोलती बंद की और विपक्ष को सत्ता से दूर रखा। भारत राम राज्य की ओर जा रहा है और आर्तोकियों का सपना टूट रहा है। 75 करोड़ हिन्दू जाग चुका है। राममंदिर और कश्मीर से 370 धारा को समाप्त कर भारतीय जनता पार्टी ने अभूतपूर्व कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारों को जनजन तक पहुंचाने के लिए 400 पार करने की जरूरत है।

पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि महाकाल का लाल डॉ मोहन यादव का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी जी के मन की बात को भारत के लोग सुनते है, लेकिन मोदी जी ने हजारीबाग लोकसभा की आवाज को सुनते हुए जनजन के नेता मनीष जायसवाल को टिकट देने का काम किया है। कहा कि पिछले दस वर्षों में नरेंद्र मोदी ने अभूतपूर्व कार्य किया है, जिसकी प्रशंसा चहुंओर हो रही है। मंच पर लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल, राज्यसभा सांसद खीरु महतो, बरही विधानसभा संयोजक सह पूर्व विधायक मनोज यादव, लोकसभा प्रभारी शशिभूषण भगत, लोकसभा संयोजक टुन्नू गोप, भाजपा नेता शिवलाल महतो, जिला प्रभारी अभय सिंह, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव मौजूद थे। जनसभा की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह व संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने किया।

मनोज यादव ने बरही विधानसभा जनता की ओर से मुख्यमंत्री मोहन यादव को भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा सौंपा। जिसके बाद मनीष जायसवाल व पूर्व विधायक मनोज यादव ने उन्हें बुके व शॉल देकर स्वागत किया।

मौके पर विधानसभा सह संयोजक अर्जुन साव, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिला महामंत्री सुनील साहू, रंजीत चंद्रवंशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश यादव, जिप सदस्या प्रीति कुमारी, लक्ष्मण यादव, गुरुदेव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमित साहू, बंधन यादव, द्वारिका रजक, मुकेश सिन्हा, सुरेश साव, बाबूलाल मेहता, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक, विजय यादव, जितेंद्र यादव, राजदेव यादव, मोतीलाल चौधरी, पप्पू चंद्रवंशी, आकाश जसवाल, मुन्ना यादव, मनोज साहू, नागेश्वर रजक, खिरोधर यादव समेत हजारों लोग शामिल थे।

हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर लोगों को लड़ाती है भाजपा : संजीव बेदिया

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भदानीनगर क्षेत्र अंतर्गत लपंगा पंचायत के महुआटोला सरना स्थल में गुरूवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मुखिया आनंद दुबे और संचालन सीताराम बेदिया ने किया। बैठक में झामुमो के केंद्रीय सचिव सह झारखंड परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव बेदिया बेदिया उपस्थित थे। बैठक में इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को हजारीबाग लोकसभा चुनाव में जीत दिलाने को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि जेपी पटेल की जीत हुई तो निश्चित रूप से सभी अधूरे कार्यों को पूरा किया जायेगा। संजीव बेदिया ने कहा कि भाजपा मुद्दों से भटकर हिन्दू-मुस्लिम व मंदिर-मस्जिद के नाम पर लोगों को लड़ाती है। मोदी सरकार पूंजीपतियों की सरकार है, इसमें गरीब-मजदूर-किसानों का कोई भला नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा को हजारीबाग ही नहीं पूरे देश से उखाड़ फेंकने की जरूरत है, तभी यहां के आदिवासी, मूलवासी और सभी समुदाय के लोगों का विकास हो सकेगा। श्री बेदिया ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आम जनता से किये गये झूठे वायदों को याद दिलाते हुए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जेपी पटेल के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान कर भ्रष्ट भाजपा सरकार को उखाड़ फेकने की बात कही। उन्होंने जेपी पटेल की जीत सुनिश्चित करने के लिए लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की। बैठक में प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, मुकेश राउत, आजाद अंसारी, बिरेंद्र बेदिया, शंभु बेदिया, रईस आलम, रामशरण गिरी, अर्जुन बेदिया, परमेश्वर बेदिया, गीता बेदिया, तारिणी बेदिया, गुड़िया देवी, राजेंद्र बेदिया, विजय बेदिया सहित दर्जनों महिला-पुरूष मौजूद थे।

रजरप्पा : सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

रजरप्पा। एनएच-23 रामगढ़ बोकारो मार्ग स्थित बारलोंग चौक के समीप अनियंत्रित हाईवा वाहन ने खड़े ट्रेक्टर को पीछे से जोरदार टक्कर मारते हुए राशन दुकान में घुंसी, ट्रेक्टर चालक कारू महतो (उम्र 25) एवं राशन दुकानदार महेश महतो (उम्र 55) बुरी तरह से फंस गए। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से ट्रेक्टर चालक कारू को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं मकान मालिक को काफी देर बाद उनका शव निकाला गया। क्योंकि उनका मौत घटना स्थल पर ही हो गई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

घटना को लेकर परिजनों एवं ग्रामीणों ने करीब 5 घंटे सड़क जाम किया, जिससे कई गाड़ियां जाम में फंसी रही।

जिला प्रशासन ने मृतक के परिजनों को तत्काल 10-10 हजार रुपया दिया। जो मुआवजा मिलना है उसे चुनाव के बाद देने के आशवासन के बाद ग्रामीण सड़क जाम हटाया गया।

आदिवासी कुड़मी समाज ने पटेल को किया समर्थन

रजरप्पा । चितरपुर प्रखंड के सांडी गांव निवासी सह आदिवासी कुड़मी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष जगेश्वर महतो नागवंशी के नेतृत्व में आदिवासी कुड़मि समाज, झारखंड कुड़मि महासभा और बाइसि कुटुम्ब ने हजारीबाग लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को जिताने का संकल्प लिया। केंद्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि अपने समाज के हक अधिकार को पाने के खातिर इंडिया गठबंधन के जेपी भाई पटेल का समर्थन करते हैं। पटेल की पत्नी ललिता देवी ने कहा कि हमारा परिवार झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है और कुड़मियों के हक अधिकार को दिलाने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा और समाज ने जो भरोसा दिया है उसको हमारा परिवार सदा ऋणी रखेगा। मौके पर आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय उपाध्यक्ष छोटेलाल मूतरुआर, संगठन सचिव माथुर महतो, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण महतो, जगरन्नाथ महतो,सोहनलाल महतो, सुशांत भारती, गंगाराम महतो, कोलेश्वर महतो, सूरज महतो, सुधीर कुमार मंगलेश, खिरू महतो, लुकेश्वर चौधरी, विजय कुमार, ठाकुरदास महतो, समुद्र महतो, पारसनाथ महतो, राजेंद्र महतो जय नंदन महतो, लालचंद महतो व प्रभु महतो उपस्थित थे।

जेपी पटेल की पत्नी के साथ कुड़मी के समाज के लोग।

रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा ने मनाया स्थापना दिवस

- 2024-25 के लिए प्रवीण शर्मा अध्यक्ष व रंजीत गुप्ता बने सचिव

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। सौंदा डी स्थित क्लब घर में बुधवार रात रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा का 22वां स्थापना दिवस धूमधाम मनाया गया।

क्लब के संस्थापक अध्यक्ष परमजीत सिंह धामी, संस्थापक सचिव धनंजय अग्रवाल, क्लब के अध्यक्ष अशोक शर्मा, सचिव सुनील प्रसाद ने केक काटकर रोटरी क्लब का 22वां स्थापना दिवस मनाया। क्लब के सदस्य रोटेरियन समरेंद्र साह के जन्मदिन को लेकर भी केक काटकर बधाई दी । इस अवसर पर लोगों के बीच केक व मिठाई का भी वितरण किया गया। परमजीत सिंह धामी ने कहा कि विगत 22 वर्षों से क्लब इस क्षेत्र में सेवा भावना से कार्य करता आया है, जो आगे भी जारी रहेगा।

उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2024 से नया सत्र शुरू होगा। सत्र 2024-25 के लिए रोटेरियन प्रवीण शर्मा अध्यक्ष व रोटेरियन रंजीत गुप्ता सचिव होंगे। समारोह में रोटेरियन अशोक मनकसिया, अजय गोयल, मुख्तार सिंह, नरेंद्र सिन्हा, विजय कुमार, चन्द्रशेखर अग्रवाल, श्रीकान्त गुप्ता, किशोर प्रसाद आदि मौजूद थे।

एक नजर में

पटेल के लिए विधायक अकेला ने मांगा वोट

बरही। इंडिया महागठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल के समर्थन में बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने गौरियाकरमा, केदारुत पंचायत में जनसम्पर्क अभियान चलाया। इस अवसर पर कार्यकताओं के साथ मिलकर विधायक श्री अकेला ने दौरा कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जेपी भाई पटेल के पक्ष में वोट करने की अपील की। जनसम्पर्क अभियान के दौरान विधायक श्री अकेला ने जनता से रूबरू होते हुए कहा कि देश की जनता को पिछले दस वर्षों के मोदी सरकार के कार्यकाल में सिर्फ निराशा और नकारात्मकता मिली है। महंगाई, बेरोजगारी किसी से छुपी नहीं है, दस साल से तानाशाही शक्तियों और गलत नीतियों वाली मोदी सरकार से देश की आम जनता परेशान है। इस बार जनता जाग चुकी है और वोट की चोट देने जा रही है। इंडिया गठबंधन की सरकार दिल्ली? में बनने जा रही है। विधायक श्री अकेला ने कहा कि जेपी भाई पटेल राज्य आंदोलनकारी के पुत्र है। वह अपने संघर्ष के बदौलत मांडू विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनकर मंत्री भी बन चुके है। विधायक श्री अकेला ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा की जनता इस बार जाति धर्म से ऊपर उठकर मतदान करेंगे। उन्होंने जेपी पटेल के पक्ष में क्रमांक संख्या एक पर वोट देने की अपील की। मौके पर कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू, मो वारिस अंसारी, अशोक सिंह, राजेन्द्र स्वर्णकार, विकास यादव समेत अन्य कांग्रेसी शामिल थे।
१६ है पी २: अकेला यादव जनसम्पर्क करते

जेपी वर्मा के कार्यकर्ताओं ने चलाया जनसंपर्क

टाटीझरिया। कोडरमा लोकसभा सांसदीय क्षेत्र में जेपी वर्मा के कार्यकर्ताओ ने बोंगा , बरियठ, कुरहा, चपरख, जलौंध, दरिया, बरका , डूमरौन,इचाक , जलौंध,चंदा,करियातपुर,मंगुरा, मोक्तमा , लुंदरू,बसरिया समेत कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं ने जय प्रकाश वर्मा को चुनाव चिन्ह बाल्टी छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से जिताने की अपील की। कार्यकर्ताओं ने जनता से कहा कि वर्मा सभी के हरेक दुख सुख में साथ निभायेंगे और ये नेता नही बल्कि क्षेत्र विकास हित बेटा बनकर कार्य करेंगे। जन संपर्क अभियान के दौरान युवा नेता गौतम कुमार, समाज सेवी टटगांव निवासी सुनील कुमार, खैरा मुखिया प्रतिनिधि मिथलेश वर्मा, उप प्रमुख प्रतिनिधि विजय कुशवाहा, राजेश कुमार, अशोक कुमार,रवि यादव , केदार गौरव, गौरी शंकर , अजीत कुमार,रोहित कुमार,मनोज महतो, कैलाश महतो, पिंटू प्रसाद ,रामलाल प्रजापति,डब्लू उर्फ देवनारायण प्रसाद, सुजीत मेहता, हरी प्रसाद,उमेश प्रसाद,सरजू ठाकुर,अरुण कुमार,शंकर प्रसाद,अशोक मुर्मू, संदीप गिरी, अनुज मिश्रा , सरजू प्रसाद,रवि कुमार,धानेश्वर रजक, संग अन्य सैकड़ो की संख्या में समर्थक शामिल थे।

विनोद सिंह के समर्थकों ने मांगा वोट

टाटीझरिया । प्रखंड के भराजो पंचायत अंतर्गत अमनारी बूढ़ी पोखर के समीप इंडिया गंठबंधन कोडरमा लोक सभा माले प्रत्याशी विनोद सिंह के समर्थकों ने डोर टू डोर जन संपर्क चलाया ।जनसंपर्क के दौरान समर्थकों ने क्षेत्रीय जनता से पार्टी के चुनाव चिन्ह झंडा में तीन तारा बटन दबाकर सांसद प्रत्यासी बिनोद सिंह को भारी मतों से जिताने का अपील किया। वही क्षेत्रीय जनता को मतदान में चुनाव चिन्ह झंडे में तीन तारा पर बटन दबाने को लेकर समर्थकों ने प्रचार प्रसार एवं नुकड जनसभा का आयोजन किया गया । वही बिहार से आए बिनोद सिंह के समर्थन में विधायक दल के नेता सतदेव राम ने भाजपा सहित कई राजनैतिक दलों पर निशाना साधते हुए कहा की अब तक जो भी राजनैतिक दल की पार्टियां चुनाव में आता है। वे बड़े पैमाने पर समाज देश क्षेत्र विकास हित वादे करते हैं जब उनकी जीत होती हैं तो वे आम जनता से मुलाकात करना भी मुनासिब नहीं समझते ।उन्होंने कहा की बिनोद सिंह स्थानीय और क्षेत्रीय नेता है इन्हे। मौका दे और तीन तारा पर बटन दबाकर जिताए । ये ही क्षेत्र का विकास करेंगे भावुक होकर आम जनता से बिनोद सिंह के पक्ष में भारी मतों विजय बनाने का अपील किया। शिव सिंह माले जिला उपाध्यक्ष रोहित प्रसाद मेहता, दारू प्रखंड सचिव बीएन सिंह ,भुनेश्वर बेदिया जिला सचिव , सभी ने क्षेत्रीय जनता से सांसद प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन मांगा । भराजो पंचायत सचिव धानेश्वर पासवान , इब्राहिम अंसारी, प्रकाश सिंह , पसंस प्रकाश रवि भराजो, अजीत कुमार, सनोज कुमार आगेरिया,सूर्यकांत प्रजापति, जान मुहमद राज कमिटी सदस्य माले, मो .तैय्यब ,सुरेंद्र रामदीन , अरुण राम ,ज्ञानी राम प्रभु यादव राजेश कुमार दास प्रकाश सिंह बिनोद मालाकार कुलदीप प्रजापति तुलसी राम ईश्वर महतो सोहवा खातून शनिचरी देवी सुशीला रविदास देवांति देवी उर्मिला देवी शीला देवी प्रमिला देवी रीना देवी मंजू देवी लालो देवी बखोरी महतो पवन कुमार प्रकाश तुरी दिलीप राम सूरज दास संदीप कुमार बसीर अंसारी कमसूदीन अंसारी यूसुफ अंसारी सूकरी देवी पप्पू रजक आदि सैकड़ों ग्रामीण संग कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चलाया जनसंपर्क

चरही। भाजपा के हजारीबाग लोकसभा विस्तारक दिनेश वाल्मीकि ने गुरुवार को चुरचू प्रखंड के ओरिया,चुरचू और कमलवा गावं का दौरा किया ।उपरोक्त गावं के मतदाताओं से जनसंपर्क कर गारेंटी कार्ड भी बांटे ।एनडीए गठबंधन के हजारीबाग लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल को कमल के निशान बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत बनाने का आग्रह किया ।मौके पर मंडल अध्यक्ष मुरारी सिंह,पूर्व अध्यक्ष अजीत सिंह,किसान मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री फुलेश्वर महतो,सतीश साहू,ललन शर्मा, आशा राय,रौशनी देवी,राकेश सिंह,सुमित सिंह,मनोज यादव, प्रवील यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिजली चोरी के खिलाफ सख्त हुआ विभाग

बरही। विद्युत ऊर्जा चोरी के खिलाफ विद्युत विभाग लगातार छापामारी अभियान चलाकर प्राथमिक की दर्ज करने का काम कर रही है। बुधवार को कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक आनंद की टीम ने बरही के विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर विद्युत ऊर्जा चोरी के खिलाफ छापेमारी किया। इस दौरान धनबाद रोड स्थित पूजा इंटरनेशनल होटल के संचालक सीताराम केसरी, गया रोड स्थित राजू केसरी पिता रामचंद्र केसरी, विजैया के आशीष मोदी पिता भिखलाल मोदी को अवैध रूप से विद्युत चोरी करते पकड़ा गया। कनीय अभियंता ने बताया कि पूजा इंटरनेशनल होटल में 10 केवीए और राजू केसरी के 3 केवीए का कनेक्शन है, जो मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा चोरी कर रहे थे। जिनके ऊपर क्रमश: 2,66,998 रुपए तथा 75, 884 की क्षतिपूर्ति के साथ प्राथमिकी दर्ज कार्रवाई गई है ।एसडीओ (ई) सत्यदेव प्रसाद ने बताया कि विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर विभाग सख्त है। कोई भी उपभोक्ता अवैध रूप से विद्युत उपयोग करते पाए गए तो सख्त कारवाई की जायेगी। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपील किया कि किसी भी स्थिति में अवैध विद्युत उपयोग नहीं करें। मीटर लेकर ही बिजली का उपयोग करे। साथ ही बिल का नियमित भुगतान करें।

कुजू में आज जायसवाल करेंगे जनसंपर्क

कुजू। भाजपा कुजू पश्चिम, दक्षिणी, पूर्वी पंचायत बुथ अध्यक्षों की संयुक्त बैठक गुरूवार को चुनाव कार्यालय में हुआ। बैठक में मुख्य रूप से मांडू प्रखंड अध्यक्ष तोकेश सिंह शामिल हुए। बैठक में 17 मई को भाजपा हजारीबाग लोकसभा उम्मीदवार मनीष जयसवाल कुजू आगमन की तैयारी पर चर्चा किया। साथ ही मनीष जायसवाल के स्वागत में अधिक से अधिक संख्या में बुथ अध्यक्षों कोकमेटी के साथ शामिल होने का निर्देश दिया गया।

कोटा में छात्रों की आत्महत्याएं विचलित करनेवाली

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं।

कोटा में एक बार फिर कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रहने वाले स्टूडेंट शुभकुमार चौधरी (16) ने सोमवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। डीएसपी भवानी सिंह ने बताया कि स्टूडेंट 12वीं में पढ़ाई करता था। सोमवार रात जेईई की रिजल्ट आया था। सुबह उसने पैरेंट्स का फोन नहीं उठाया तब वार्डन को कॉल किया। वार्डन ने गेट को धक्का देकर खोला तो स्टूडेंट पंखे पर लटका हुआ था। इस साल कोटा में सुसाइड का यह चौथा मामला है। इसके अलावा 2 फरवरी को गोंडा के नूर मोहम्मद (27) ने, 31 जनवरी को कोटा के बोरखेड़ा की निहारिका (18) ने, 24 जनवरी को मुरादाबाद के मोहमद जैद (19) ने आत्महत्या की थी।

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही हैं। वर्ष 2012 से अब तक यहां 148 छात्रों ने आत्महत्या की है। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानों में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों पर मेडिकल या इंजीनियर की परीक्षा में अच्छे नंबर हासिल करने को लेकर अभिभावकों व कोचिंग संस्थानों का दबाव होता है।

कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहते हैं, जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। बाहर से आने वाले बहुत से छात्र पढ़ाई में पिछड़ जाने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है।

यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से ऊपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं।

मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 500-700 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 200 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

कोटा में बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाओं से चिंतित सरकार हरकत में आई है। कोटा में कोचिंग करने वाले छात्रों के लिए अलग से पुलिस थाना खोला गया है। हॉस्टल के कमरों में ऐसे पंखे लगाए गये हैं जिन पर यदि कोई लटकने की कोशिश करेगा तो उस पर लगी डिवाइस में लगा सायरन बजने लगेगा।

सरकार ने छात्रों के मानसिक तनाव के विस्तृत अध्ययन के लिए मनोचिकित्सकों की एक टीम भी बनाई है जो छात्रों से मिलकर आत्महत्याओं के कारणों की जांच करेगी। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान कहा था कि कोटा में बच्चों की सुसाइड के लिए उनके माता-पिता जिम्मेदार हैं, क्योंकि परिजन अपने बच्चों से उनकी क्षमता से ज्यादा आस लगा लेते हैं। ऐसे में बच्चे डिप्रेशन में आते हैं और खुदकुशी जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

पीओके का देश में विलय भी '370' के समान ही जरूरी

प्रदीप मिश्र

अट्ठारहवीं लोकसभा के लिए चुनाव के बीच पाकिस्तान के जबरन कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में चल रहे जन आंदोलन से हालात नाजुक हो गए हैं। इसकी तात्कालिक वजह भले ही महंगाई है लेकिन इसमें दशकों से सरकार और सुरक्षाबलों का अत्याचार बर्दाश्त कर रहे अवाम की आवाज भी साफ सुनी जा सकती है।

प्रदर्शनकारी सड़कों पर हैं। माहौल को सामान्य बनाने और समस्याओं के समाधान के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 23 अरब रुपये जारी किए हैं। फिर भी बात नहीं बन रही। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी की ओर से ब्रिटेन में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ बगावत सतह पर है। जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी पाकिस्तान से आजादी मांग रही है। नियंत्रण रेखा के उस पार से कमेटी इसके लिए भारत सरकार से मदद चाहती है। दरअसल, महंगाई, बेरोजगारी, उपेक्षा, दमन से त्रस्त अवाम को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में आए सकारात्मक बदलाव और विकास की बयार को देख-सुनकर उम्मीदें बेइंतिहां बढ़ गई हैं। उन्हें लग रहा है कि उनकी सोच और सारे सपने सच हो सकते हैं। भारत इसे संसद में पारित सर्वसम्मत संकल्प को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है। पीओजेके को भारत का भूभाग बनाने के लिए संसद में 22 फरवरी 1994 को संकल्प लिया गया था। 30 साल हो गए हैं। 1949 में की गई तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की गलती सुधारना भाजपा का भी अहम लक्ष्य है। अनुच्छेद 370 और पीओजेके सरकार और पार्टी के लिए एक जैसे और एक ही कालखंड के हैं। अपने दूसरे प्रधानमंत्रित्वकाल में नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर पर जो अकल्पनीय और ऐतिहासिक फैसला किया, उसके बाद पीओजेके में ही नहीं, भारत में भी कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कामरूप तक उम्मीदें परवान पर हैं। माना जा रहा है कि चुनाव नतीजों में तीसरी बार भाजपा को 370 सीटें न मिलने के बावजूद उसके नेतृत्व में एनडीए की तीसरी बार सरकार बनने पर पीओजेके के अवाम की भावना को मूर्त रूप देना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। पीओजेके के विलय से ही जम्मू-कश्मीर की भारत से अभिन्नता के अभीष्ट की पूर्ति होगी। दक्षिण एशिया की घटना दुनिया के लिए सबक होगी।

यह पहली बार नहीं है, जब पीओजेके के लोग सरकार से दो-दो हाथ करने के लिए तैयार हैं। इसी साल पाकिस्तान के आम चुनाव से पहले फरवरी में गिलगित-बाल्टिस्तान के वाशिंदों ने कश्मीरी एकजुटता दिवस के विरोध में बंद और हड़ताल के अलावा कई देशों में प्रदर्शन किए थे। वे चाहते हैं कि उन्हें भारत के लद्दाख क्षेत्र का हिस्सा बनाकर संसद में नुमाइंदगी भी दी जाए। यहां के लोग भी कंगाली-तंगहाली, जोर-जबरदस्ती और उपेक्षा-उत्पीड़न के कारण खुद को आधा-अधूरा नागरिक मानते हैं। पाकिस्तान सरकार 1990 के बाद से पांच फरवरी को कश्मीर डे यानी कश्मीरी एकजुटता दिवस मनाती आ रही है। विलय चाहते हैं और भारत से भूल सुधार की गुहार लगा रहे हैं।

पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के लिए किए गए संसद में पारित संविधान संशोधन के बाद परिसीमन में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लिए 24 सीटें आरक्षित की गई हैं। 2009 में पाकिस्तान ने अधिकार न होने के बावजूद पीओके को आजाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के रूप में विभाजित किया, जिसका क्षेत्रफल 86,267 वर्ग किलोमीटर है। नरेंद्र मोदी के दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर सरकार ने इस संयुक्त क्षेत्र को पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) बताया है। पाकिस्तान में 2017 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार सुन्नी बहुतायत वाले आजाद कश्मीर की आबादी 4.45 करोड़ और शिया बहुल गिलगित-बाल्टिस्तान की जनसंख्या 1.49 करोड़ थी। दोनों विधानसभाओं के लिए क्रमशः 45 और 33 सदस्य चुने जाते हैं।

भारत के अधिकार क्षेत्र में आने पर लोकतंत्र के सशक्तीकरण के लिए ये जम्मू-कश्मीर की मौजूदा 90 सीटों से कम नहीं होंगी। बेशक, गिलगित-बाल्टिस्तान, सिंध, आजाद कश्मीर और बलूचिस्तान पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं लेकिन भारत के लोग भी कश्मीर की कश्मकश को कारगर कोशिश, करिश्मे और कारनामे में बदलते देखना चाहते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस्लाम के नाम पर हलाल सर्टिफिकेट से देश में होती मनी लॉन्ड्रिंग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

हलाल सर्टिफिकेट को लेकर यूपी एसटीएफ के बाद अब ईडी भी इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने जा रही है, जिसके लिए हलाल सर्टिफिकेट देने वाली कंपनियों और उससे जुड़ी संस्थाओं पर शिकंजा कसना शुरू हो रहा है। वस्तुतः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हलाल सर्टिफिकेट बांटने वाली संस्थाओं के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने की अपनी तैयारी पूरी कर ली है।

मनी लॉन्ड्रिंग में वित्तीय परिसंपत्तियों को छिपा कर उनका उपयोग उस अवैध गतिविधियों में किया जाता है जो देश के विरोध में हैं। अपराधी, आपराधिक गतिविधि से प्राप्त मौद्रिक आय को दूसरे प्रकार के धन में बदल देता है। इस प्रक्रिया के विनाशकारी सामाजिक परिणाम होते हैं। एक प्रकार से मनी लॉन्ड्रिंग ड्रग डीलरों, आतंकवादियों, हथियार डीलरों और अन्य अपराधियों को अपने आपराधिक उद्यमों को संचालित करने और विस्तारित करने के लिए ईंधन प्रदान करता है। इसलिए इस मामले में ईडी की हुई इंट्री बहुत खास है। यहां थोड़ा 'हलाल' शब्द के बारे में समझ लेते हैं; यह हलाल एक अरबी शब्द है इसका मतलब है 'जायज'। हलाल सर्टिफाइड का मतलब है कि खाने वाला प्रोडेक्ट शुद्ध है और इस्लामी कानून के मुताबिक तैयार किया गया है। उस उत्पाद को हलाल सर्टिफाइड नहीं माना जा सकता है जिसमें हराम सामग्री जैसे मरे या अवैध जानवर जैसे पिग का कोई हिस्सा, अल्कोहल शामिल हो। यहां समझने वाली बात यह है कि शाकाहारी उत्पाद में मांस या मीट शामिल नहीं होता, इसके बाद भी मुसलमानों के लिए शाकाहारी प्रोडक्ट को हलाल नहीं माना जाता है, लेकिन जैसे ही भारत की कुछ इस्लामिक संस्थाएं 'हलाल' सर्टिफिकेट जारी कर देती हैं, वैसे ही यह सभी शाकाहारी सामान भी इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार हर मुसलमान के लिए हलाल हो जाता है।

इस आधार पर कहा जा सकता है कि यदि हलाल प्रमाण-पत्र सिर्फ मीट प्रॉडक्ट तक सीमित होता तब भी कुछ समझ आता, लेकिन यहां तो यह स्नेक्स, मिठाइयों , अनाज, तेल, कॉस्मेटिक्स, साबून, शैम्पू, टूथपेस्ट, नेल पॉलिश, लिपस्टिक, चश्मा, जैसे तमाम उत्पादों के लिए भी यह अनिवार्य किया गया है। जबकि नियमों के स्तर पर इस्लाम को माननेवालों को अलग से कोई छूट नहीं है, फिर इस हलाल सर्टिफिकेट की मजहबी आड़ में एक वर्ग विशेष में अनर्गल प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है कि ऐसे उत्पाद का प्रयोग न करें, जिसे इनकी कंपनी द्वारा हलाल प्रमाण-पत्र न दिया गया हो। परिणामस्वरूप दूसरे समुदाय विशेष के व्यावसायिक हितों का भारी नुकसान हो रहा है। इसमें सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जो पहले से ही शुद्ध है, उसकी शुद्धता प्रमाणित करने के नाम पर यह वसूली भारत में इस्लामिक संस्थाएं जमीयत-उलमा-ए-महाराष्ट्र, हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जमीयत-उलमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट, हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्रमुखता से हलाल सर्टिफिकेट जारी करने के नाम पर वर्षों से कैसे करती चली आ रही हैं? आप सोच सकते हैं कि कैसे तमाम सरकारी जांच एजेंसियों के होते हुए भी सामने से हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर भारत सरकार, राज्य सरकारों और देश के आम उद्योगपति,की आंख में 'धूल झोंकने का काम' किया जा रहा है! यह किस प्रकार की मनमर्जी है कि 'हलाल' प्रमाण-पत्र के नाम पर ऐसा करनेवालों ने उन तमाम नियमों को भी एक झटके में ताक में रख दिया है, जो भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने फूड प्रोसेसिंग, नागरिक खाद् सुरक्षा के लिए अनिवार्य किए गए हैं। इसलिए ही आज इस गोरख धंधे को तुरन्त बंद कर देने की अवाज चहुंओर से उठ खड़ी हुई है । यह पूरा खेल हर कंपनी में 'हलाल' सर्टिफिकेट की आड़ में जबरन मुसलमानों को रोजगार दिलाने और एक अवैध समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी कर लेने का है। जिससे कि आतंकवाद को पोषित करने का संदेह भी बार-बार सामने आता रहा है। हलाल सर्टिफिकेट बांट रही मुस्लिम संस्थाओं पर आज इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि यह सभी पैसे लेकर बिना कोई जांच किए अवैध रूप से सर्टिफिकेट बांटती हुई पाई कई हैं। इस पूरे मामले में योगी सरकार की प्रशंसा करनी होगी कि इससे जुड़ी सभी अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसने का काम सबसे पहले यदि किसी की ओर से किया गया तो वह राज्य उत्तरप्रदेश है।

झूठे विज्ञापनों के चंगुल में फंसने से कैसे बचें ग्राहक?

डॉ. रमेश ठाकुर

देशभर में झूठे, भ्रामक, फरेब, जालसाज जैसे विज्ञापनों का मामला गमार्या हुआ है। चाहे टीवी हों, अखबार हों या सोशल मीडिया हर जगहे झूठे विज्ञापन भरे हैं। झूठे विज्ञापनों पर रोकथाम के लिए तमाम सख्त नियम मौजूद हैं। कानून भी हल्के नहीं, कठोर हैं। लेकिन, सभी हाथी के सफेद दांत जैसे निष्क्रिय ही हैं? निष्क्रिय क्यों हैं या किए हुए हैं। इस गणित को भी आसानी से समझ सकते हैं। दरअसल, ह्यझूठा विज्ञापन तंत्रह्व कइयों की जेबें भर रहा है। एक पूरी चेन है इस खेल में? विज्ञापन कंपनियों से लेकर नामचीन हस्तियों, आर्टिस्ट व सरकारों का सीधा वास्ता है, सभी मिलकर मोटा माल काट रहे हैं। ताज्जुब होता है कि ऐसी फिल्मी हस्तियां जो शराब नहीं पीतीं, लेकिन दारू का विज्ञापन करती हैं। ऐसे क्रिकेटर जो गुटखा-खैनी को हाथ तक नहीं लगाते? पर पैसों की चाह में उसका विज्ञापन करते हैं। ऐसे भ्रामक विज्ञापनों पर प्रतिबंध और हस्तियों पर जुमार्ने का दिखावा-डर कैसे दिखाया जाता है, जिसका एक ताजा उदाहरण सामने हैं। आज से 5 वर्ष पहले, जब उपभोक्ता संरक्षण कानून-1986 को रिफार्म करके केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों में नए कानून उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 के रूप में इस नियत से पारित किया था कि अब झूठे विज्ञापनों पर पूर्ण विराम लगेगा। लेकिन दुर्भाग्य वैसा हो न सका। तब, नियम तो ऐसे बनाए गए थे कि किसी ब्रांड का अगर कोई नामचीन व्यक्ति झूठा एड करेगा, उस पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना या पांच वर्ष तक की जेल भी हो सकती है। वो बदला हुआ कानून भी कराह रहा है।

मौजूदा समय में टीवी के पर्दे झूठे विज्ञापनों से भरे पड़े हैं। सवाल उठता है, क्या उन्हें सरकार की निगरानी समिति नहीं देखती? जरूर देखती है, लेकिन देखकर अपनी आंखें मूंद लेती हैं। बीते कुछ महीनों में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की विज्ञापन निगरानी समिति ने खाद्य व्यवसाय ऑपरेटरों के जरिए भ्रामक दावों वाले करीब तीन दर्जन केसों की पहचान की, और ये सिलसिला रुका नहीं, बल्कि तेजी से आगे बढ़ रहा है। समिति केंद्र सरकार को अप्रोच करती है कि रोकथाम लगाएं, लेकिन उनकी भी कोई नहीं सुनता? झूठे विज्ञापन के लिहाज से हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने अब तक का सबसे बड़ा मामला एक्सप्रोज किया। भ्रामक विज्ञापन प्रसारित करने पर बाबा रामदेव द्वारा संचालित कंपनी ह्यपतंजलि आयुर्वेदह्व को तगड़ी फटकार लगाई, उनकी मार्केटिंग गतिविधियों पर प्रतिबंध भी लगाया। सरकार को कमर कसना होगा इस समस्या को रोकने के लिए, वरना चीजें और बिगडेंगी। बाएं हाथ का खेल है हुकूमतों का? हजार्ना और सजा दोनों बिना देर किए एक्टिव की जाएं। हालांकि, कंपनियां और हुकूमतें भी अच्छे से जानती हैं कि ये धंधा गंदा हैं, जनता परेशान है। पर, क्या करें, अंधी कमाई के सामने वो भी नतमस्तक हैं।

पतंजलि केस को सुप्रीम कोर्ट में ह्यइंडियन मेडिकल एसोसिएशनह्व ने दायर किया था। उनका आरोप है कि पतंजलि ने एलोपैथिक चिकित्सा को बदनाम किया है। कोविड-19 के दौरान टीकों के बारे में गलत जानकारी देश में फैलाई। हालांकि, इस मामले में चारों तरफ से जब बाबा फंसे तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से मांफी भी मांगी। पर, कायदे से देखें तो उनकी माफी इस बात पर मुहर लगाती है कि उनकी मंशा झूठे दावों की आड़ में क्या करने की रही होगी? पंतजलि का मामला इसलिए उजागर हुआ, क्योंकि उसे ह्यइंडियन मेडिकल एसोसिएशनह्व ने कोर्ट में खदेड़ा। वरना, शिकायतें और भी बहुतेरे पीड़ित करते हैं, जिनकी सुनवाई कोई करना मुनासिब नहीं समझता? एक बात पल्ले नहीं पड़ती कि पढ़ा लिखा और जागरूक समाज भी भ्रामक विज्ञापनों के चंगुल में फंस रहा है। ये सोची समझी साजिश ही है।

बहरहाल, झूठे और भ्रामक विज्ञापनों पर जैसे ही हमले होने शुरू हुए, उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया है। सोशल मीडिया की घेराबंदी कर ली। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर भद्दे, अश्लील और अशोभनीय विज्ञापनों की मौजूदा समय में भरमार है। लिंग वृद्धि, स्टेमिना बढ़ाना, मदार्ना जोश बढ़ाना, लंबा-ऊंचाई में वृद्धि करने जैसे तमाम असभ्य विज्ञापन इस वक्त दिखाई पड़ते हैं। इन पर प्रतिबंध लगाना केंद्र सरकार के लिए कोई बड़ी बात नहीं? लेकिन इससे जो रेवेन्यू प्राप्त होता है, उस आमदनी को देखते हुए, सरकार भी अपने हाथ पीछे खींच रही हैं। इन सभी परेशानियों से मुकाबला केवल दर्शक कर रहे हैं। वित्तीय नुकसान भी उनका होता है और प्यार से ठगे भी जा रहे हैं। भ्रामक विज्ञापनों को लेकर दर्शक रिपोर्ट भी करते हैं।

एक राष्ट्र एक चुनाव' बड़ा विचार-बड़ा सुधार

मुकुंद

देश में गंभीर तार्किक एवं अन्य चुनौतियों के बावजूद लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का विचार दशकों से चर्चा के केंद्र में है। इसका मकसद भारतीय चुनाव चक्र की अनावश्यक पुनरावृत्ति को रोकना है। हालांकि वर्ष 1967 तक 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा के तहत देश में चुनाव हुए हैं, लेकिन कार्यकाल समाप्त होने से पहले राज्यों की विधानसभा और लोकसभा के बार-बार भंग होने के कारण यह सिलसिला थम गया। इसके बावजूद लोकसभा चुनाव के साथ कुछ राज्यों मसलन आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम के विधानसभा चुनाव अभी भी साथ होते हैं। आज 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा कुछ कारणों से अपरिहार्य हो गई है। केंद्र सरकार कुछ समय पहले इस संबंध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है। यह समिति इस संबंध में व्यापक मंथन कर रही है।

इस अवधारणा पर अगस्त 2018 में जारी विधि आयोग की एक मसौदा रिपोर्ट बेहद महत्वपूर्ण है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के अभ्यास से सार्वजनिक धन की बचत होगी। प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर पड़ने वाले तनाव को कम किया जा सकेगा। इससे सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन संभव होगा। चुनाव प्रचार के बजाय विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न प्रशासनिक सुधार किए जा सकेंगे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि संविधान के अनुच्छेद 83(2) और अनुच्छेद 172 में कहा गया है कि लोकसभा और राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा।

इसमें जरूरी यह है कि यदि इन्हें पहले भंग न किया जाए। मगर अनुच्छेद 356 के तहत ऐसी परिस्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं जिसमें विधानसभाएं पहले भी भंग की जा सकती हैं। इसलिए कार्यकाल पूरा होने से पहले केंद्र अथवा राज्य सरकार के गिरने की स्थिति में इस योजना की व्यवहार्यता सबसे अहम प्रश्न है। चुनाव विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बदलाव के लिए संविधान में संशोधन करने से न केवल विभिन्न स्थितियों और प्रावधानों पर व्यापक तौर पर विचार करने की आवश्यकता होगी, बल्कि ऐसे बदलाव भविष्य में किसी प्रकार के संवैधानिक संशोधनों के लिए एक मिसाल भी साबित हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि बार-बार होने वाले चुनाव के वर्तमान स्वरूप को लोकतंत्र में अधिक लाभकारी के तौर पर देखा जा सकता है, क्योंकि यह मतदाताओं की आवाज को बुलंद करता है। केंद्र और राज्यों के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। इसलिए वर्तमान ढांचा अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव के लिए लगभग 30 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर-वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की आवश्यकता होगी। भारत निर्वाचन आयोग वर्ष 2015 में सरकार को एक व्यवहार्यता रिपोर्ट सौंप चुका है। इसमें संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन का सुझाव दिया जा चुका है। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता होगी। यही नहीं, 15 वर्ष बाद मशीनों को बदलने की अतिरिक्त लागत के साथ ईवीएम और वीवीपीएटी की खरीद के लिए लगभग 9,284.15 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

मशीनों की भंडारण लागत में भी वृद्धि होगी। इस अवधारणा पर कुछ राजनीतिक दलों का तर्क है कि यह मतदाताओं के व्यवहार को इस तरह से प्रभावित कर सकता है कि मतदाता राज्य चुनाव के लिए भी राष्ट्रीय मुद्दों को केंद्र में रखकर मतदान करेंगे। इससे बड़े राष्ट्रीय दल, राज्य विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनाव में जीत हासिल कर सकते हैं और इस तरह क्षेत्रीय दलों के हाशिये पर चले जाने की संभावना बढ़ जाएगी। यहां यह जानना जरूरी है कि कई देशों में इसी अवधारणा के तहत चुनाव होते हैं। दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतों की विधानसभा के चुनाव पांच साल के लिए एक साथ होते हैं। स्वीडन में राष्ट्रीय विधायिका और प्रांतीय विधायिका और स्थानीय निकाय चुनाव चार साल के लिए एक निश्चित तिथि यानी सितंबर के दूसरे रविवार को होते हैं। लेकिन अधिकांश अन्य बड़े लोकतांत्रिक देशों में एक साथ चुनाव की ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

ब्रिटेन में ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता प्रदान करने के लिए निश्चित अवधि संसद अधिनियम, 2011 पारित किया गया था। इसमें प्रावधान था कि पहला चुनाव सात मई, 2015 को और उसके बाद हर पांचवें वर्ष मई के पहले गुरुवार को होगा। देश में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' वक्त की फौरी जरूरत है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों को कम से कम इस मुद्दे पर विचार-विमर्श में सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र सरकार तो अपना धर्म निभा चुकी है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

कोविन्द और समिति के सदस्यों एनके सिंह, डॉ. सुभाष कश्यप और संजय कोठारी ने कल (14 फरवरी, 2024) देश के कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों से मुलाकात कर विचार-विमर्श किया। 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एनके सिंह और आईएमएफ के सिस्टमिक डिवीजन इश्यूज की प्रमुख डॉ. प्राची मिश्रा ने ₹मेक्रोइकोनॉमिक्स इम्पैक्ट ऑफ हामोर्नाइजिंग इलेक्ट्रोरल साइकल्स₹ शीर्षक से तैयार एक पेपर कुछ अरसा पहले इस समिति के समक्ष प्रस्तुत किया था। इसमें कहा गया है कि खर्चों के अलावा, दोहराए जाने वाले खर्चों के व्यापक आर्थिक प्रभाव भी होते हैं। इनमें निवेशकों और अन्य सामाजिक हितधारकों के मन की अनिश्चितता के अलावा जीडीपी वृद्धि, निवेश, विस्तारित सार्वजनिक व्यय, राजकोषीय घाटा, शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी निष्कर्ष और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे शामिल हैं। इस मंथन में आर्थिक विकास संस्थान के निदेशक प्रो. चेतन घाटे, भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. दीपक मिश्रा, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च की अनिवासी मानद प्रतिष्ठित फेलो प्रो. इंदिरा राजारमन, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च की महानिदेशक डॉ. पूनम गुप्ता, एमेरिटस के अध्यक्ष और सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस के प्रतिष्ठित फेलो डॉ. राकेश मोहन, सीआईआई के नामित अध्यक्ष संजीव पुरी, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि और डॉ. सुरजीत एस. भल्ला, टाइम्स ऑफ इंडिया के संपादक सिद्धार्थ, इंडियन एक्सप्रेस के संपादक वैद्यनाथन अय्यर, सीआईआई के उप महानिदेशक मारुत सेन गुप्ता और सुश्री अमिता सरकार के अलावा सीआईआई के कार्यकारी निदेशक बिनॉय जॉब ने हिस्सा लिया।

समिति ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के अध्यक्ष और संसद सदस्य असदुद्दीन ओवैसी से बातचीत कर उनकी पार्टी का पक्ष जाना। समिति ने राज्य चुनाव आयुक्तों के साथ परामर्श का क्रम जारी रखते हुए गुजरात के चुनाव आयुक्त संजय प्रसाद से भी चर्चा की। प्रसाद ने राज्य विधानसभा और लोकसभा के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए आवश्यक विधायी आवश्यकता को रेखांकित किया। उम्मीद की जानी चाहिए यह समिति जल्द ही अपनी रिपोर्ट केंद्र को सौंप देगी। **(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)**

स्पीड न्यूज

शोभा सहाय ट्रस्ट ने मरीजों के बीच बांटे फल

जमशेदपुर। शोभा सहाय ट्रस्ट के अध्यक्ष सुनील सहाय ने गुरुवार को एमजीएम हॉस्पिटल में वहां के मरीजों के बीच फल बांटा गया। साथ ही साकची बस स्टैंड आई हॉस्पिटल के समीप वह रहने वाले लोगों के बीच भी फल बांटा गया। मौके पर साइंस सरस्वती इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल की डायरेक्टर जे सांता ने अपना बहुमूल्य समय दिया। इसे सफल बनाने में शोभा सहाय ट्रस्ट के पदाधिकारी खुशबू सहाय, मधु पाल, संतोष, अंजलि, निशु,राहुल, कविता, स्मृति थे।

इनरव्हील क्लब इस्ट ने लगाया वाटर कूलर

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब, जमशेदपुर ईस्ट ने गुरुवार के बिष्टुपुर में राम मंदिर परिसर में वाटर कूलर डिस्पेंसर की स्थापना का एक मेगा प्रोजेक्ट आयोजित किया। इसका उद्घाटन इनर व्हील क्लब (जिला: 325) की पूर्व जिला अध्यक्ष अरुणा तनेजा ने किया। इस परियोजना की शुरुआत, क्लब ने लोगों को सुरक्षित ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए की गयी थी, ताकि गर्मी के महीनों में चिलचिलाती धूप से उनकी प्यास बुझ सके। वाटर डिस्पेंसर और इसकी स्थापना की पूरी लागत क्लब के सदस्यों द्वारा प्रायोजित की गयी थी।

बर्मामाइंस में भाजपा का डोर टू डोर अभियान

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मा माइंस मंडल ने गुरुवार को फिर से लोगों के बीच जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। यह कैंपेन प्रदेश कार्य समिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी और मंडल अध्यक्ष दीपक झा के नेतृत्व में चलाया गया। कैंपेन की शुरुआत बर्मामाइंस के लक्ष्मीनगर से शुरू होकर बजरंगी नगर बस्ती में समाप्त हुई। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ताओं की मुख्य भूमिका रही। जनसंपर्क अभियान में पीएम की उपलब्धियों को लोगों के बीच साझा किया गया।

आशीर्वाद मिला तो बंद पड़ी खदानें खुलेंगी

जमशेदपुर। जमशेदपुर संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को डुमरिया प्रखंड की खैरबनी, बांकीसोल, खरिदा, बाकुड़छंदा, नुवागांव और कांटाशोल पंचायतों के साथ अन्य पंचायतों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इसके साथ ही डुमरिया में एक जनसभा को संबोधित किया। क्षेत्र के मतदाताओं से रू ब रू जितेंद्र सिंह ने कहा कि जनता ने आशीर्वाद दिया तो राखा माइंस, सुरदा माइंस, हिंदुस्तान कॉपर, स्लीपर फैक्ट्री सहित जिले की बंद सभी खदानों को खुलवायेंगे।

लोहरदगा : चुनाव में हार जीत को लेकर चर्चा तेज

लोहरदगा। लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही चौक चौराहा में जीत हार की चर्चा आम हो गई है। लोग तरह-तरह के आंकड़ों से अपने-अपने विचारों की पार्टी को जीत दिलाते हुए नजर आ रहे हैं।शहर के विभिन्न चौक चौराहा में स्थित चाय की दुकान पर चाय की चुस्की के साथ तो पान दुकान में पान के साथ चुनाव में हार जीत की चर्चा शुरू कर देते है।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

लोगों ने जमशेदपुर में परिवर्तन का मन बना लिया है : समीर महंती

जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र
मतदान की तारीख 25 मई

- बारीडीह बाजार से लेकर बागबेड़ा तक झामुमो प्रत्याशी ने मतदाताओं से किया सीधा संपर्क
- मजदूर संगठनों से संपर्क के दौरान टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन में की बैठक, मांगा सहयोग
- इंडिया समर्थित झामुमो प्रत्याशी को कांग्रेस और सहयोगी दल कर रहे हैं पूरी मदद

1. बारीडीह बाजार में जन संपर्क के दौरान एक मतदाता से गले मिलते झामुमो प्रत्याशी समीर महंती। साथ में कांग्रेस जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी। 2. बागबेड़ा ग्वाला पट्टी में मतदाताओं का अभिवादन करते समीर महंती। 3. टिनप्लेट यूनियन में कमेटी मेंबरों को संबोधित करते समीर महंती। मंच पर हैं यूनियन अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय और झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्यी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा सह इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर कुमार मोहंती ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने के बाद अब लौहनगरी जमशेदपुर के बस्ती क्षेत्रों पर ध्यान देना शुरु कर दिया है। गुरुवार को उनका जन संपर्क जमशेदपुर के बस्ती क्षेत्रों एवं बाजारों को समर्पित रहा।

इसी क्रम में समीर महंती आज बारीडीह बाजार में विधायक मंगल कालिंदी, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे एवं झामुमो के वरिष्ठ नेता प्रमोद लाल के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों से मिल कर लोकसभा चुनाव में समर्थन की अपील की। कई दुकानदारों ने उन्हें पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा स्थानीय मुद्दों पर बेरुखी की शिकायत की, जिस पर समीर महंती ने कहा कि सांसद बनने पर, हम सभी मुद्दों को देश की संसद में उठायेंगे। कहा कि हर दिन जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोगों एवं दुकानदारों का जो समर्थन मिल रहा है, उसे शब्दों में नहीं व्यक्त किया जा सकता। पिछले प्रतिनिधियों ने लगातार जमशेदपुर एवं खास कर के यहां के बस्तियों में जन-सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लगातार नजरंदाज किया है, जिसे हम पूरा करने का प्रयास करेंगे।

समीर महंती ने बारिडीह हरिजन बस्ती, 10 नंबर बस्ती, बमार्माइंस हरिजन बस्ती, कैरेज कॉलोनी, सिदगोरा बस्ती, ट्यूब कंपनी बस्ती, भालूबासा आदि जगहों पर लोगों से मिलकर तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की और बड़े बुजुर्गों से पैर छू कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान जगह-जगह पर प्रत्याशी समीर मोहंती और विधायक मंगल कालिंदी को माला पहनकर लोगों ने सम्मानित किया,वही दूसरी और टूईलाडूंगरी गुरूद्वारे पहुंचकर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती और विधायक मंगल कालिंदी ने माथा टेका और गुरु महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी ने सरोपा भेट कर दोनों को सम्मानित किया।

मौके पर समीर मोहंती ने कहा की जिस प्रकार से सभी क्षेत्र में और सभी समाज के द्वारा प्यार मिल रहा है उसको देखकर लगता है कि लोगों ने परिवर्तन का मन बना लिया है। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि समीर मोहंती जीते तो इस क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी और जो कार्य यहां अधूरे हैं उसे जनता के आशीर्वाद से पूरा किया जाएगा। इसलिए सभी से अपील है कि समीर दा को भारी से भारी मतों से विजय बनाये। इस कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस एवं झामुमो के कार्यकर्ता तथा स्थानीय लोग शामिल थे।

बालीजी कृष्णा इंजी टेक के मालिक ने दिखाया बड़ा दिल, कहा

मेरे घायल मजदूर साथी बच जायें भले ही प्लांट बेचना पड़े : संजीव कुंडु

- उद्यमी संगठन इसरो के अध्यक्ष रुपेश कतरियार ने कंपनी प्रबंधन को सराहा

खबर मन्त्र टीम

गम्हरिया/जमशेदपुर। बीते बुधवार को औद्योगिक क्षेत्र गम्हरिया स्थित बालाजी कृष्णा इंजीटेक कंपनी में हुई अगलगी की घटना में जले सात मजदूरों में दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मजदूरों के इलाज पर हर दिन करीब दो लाख का खर्च आ रहा है किंतु कंपनी के निदेशक संजीव कुंडु ने अपनी टीम के साथ निरंतर अस्पताल प्रबंधन के संपर्क में हैं।

कंपनी के निदेशक संजीव कुंडू ने बताया कि जिस वक्त घटना घटी वे शहर में नहीं थे, मगर फोन से ही सभी घायलों का बेहतर से बेहतर ईलाज कराने के लिए टीएमएच भेजा गया। उन्होंने कहा कि नफा-नुकसान की कोई परवाह नहीं है। इनकी पहली प्राथमिकता सभी मजदूरों का बेहतर से बेहतर ईलाज कराना है। इसके लिए यदि मुझे कंपनी बेचनी भी पड़े तो भी परवाह नहीं है।

आग लगने से तबाह प्लांट का जायजा लेने पहुंचा इसरो का प्रतिनिधिमंडल कंपनी के निदेशक संजीव कुंडु से बात करते हुए।

दूसरी ओर, प्लांट में आगलगी की जानकारी मिलने के बाद गुरुवार को उद्यमी संगठन इसरो के प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी पहुंच जायजा लिया। इस दौरान वे कंपनी के निदेशक संजीव कुंडू से मिलकर संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। इसरो के

- कंपनी का जायजा लेने आये प्रतिनिधिमंडल में इसरो अध्यक्ष रूपेश कतरियार, समीर सिंह, मनोज कुमार, विनय सिंह, उत्तम चौधरी, सौरभ चौधरी, शेकत घोष, अवनीत मुतरेजा, राजीव शुक्ला आदि थे। गौरतलब है कि बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे बालाजी कृष्णा इंजीटेक कंपनी के फर्नेस में तेल डालने के क्रम में बावरी की चिंगारी से आग लग गयी थी जिसमें सात मजदूर झुलस गये थे। सभी घायल मजदूरों को टीएमएच ले जाया गया था जहां सभी का इलाज चल रहा है। उसमें दो की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है।

अध्यक्ष ने अगलगी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि छोटे उद्यमियों के लिए ऐसी घटना काफी पीड़ादायक होती है। उनके पास कंपनी को फिर से खड़ा करना चुनौतियों भरा होता है और नुकसान की भरपाई में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

टाटा स्टील यूआइएसएल ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर लोगों को किया जागरूक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूआईएसएल ने सुरक्षित कल के लिए हमारी जिम्मेदारी विषय के तहत राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया। टाटा स्टील यूआईएसएल ने धतकीडीह सामुदायिक केंद्र में दोपहर 3 से 5 बजे तक दो घंटे का जागरूकता सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम में जिला मलेरिया कार्यालय के प्रभारी डॉ एके मित्रा, एकीकृत रोग नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभारी डॉ असद एवं वरीय परामर्शदाता एवं शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ कुमार दिवाकर सहित अन्य उपस्थित थे। टाटा स्टील यूआईएसएल कीटविज्ञानी ने डेंगू से निपटने पर अपनी राय दी। इसके अलावा एडीज मच्छर का सजीव प्रदर्शन भी किया गया।

धातकीडीह सामुदायिक केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम में बोलते विशेषज्ञ।

टाटा स्टील यूआईएसएल द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाना डेंगू के खिलाफ लड़ाई में सामूहिक जिम्मेदारी की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है। डेंगू एक मच्छर जनित वायरल संक्रमण है जो एक महत्वपूर्ण लोक स्वास्थ्य चुनौती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एचओ) के अनुसार, डेंगू को नियंत्रित करने के लिए सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारियों में से एक है।

कृषि में ऊर्जा संरक्षण-उपयोग पर हुई कार्यशाला

खबर मन्त्र ब्यूरो

गम्हरिया। कृषि विज्ञान केन्द्र गम्हरिया में कृषि क्षेत्र में उर्जा संरक्षण एवं इसके उपयोग... विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला की गयी। झारखंड नवीकरणीय उर्जा विकास एजेंसी (जेडा) द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला का उदघाटन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित जेडा के प्रतिनिधि प्रभाकर झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर उन्होंने उर्जा एवं जल संरक्षण पर किसानों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि जल के बगैर कृषि की कल्पना संभव नहीं है। कृषि के क्षेत्र में सिंचाई एवं अन्य गतिविधियों के लिए पानी की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने इस आवश्यकता को पूरा करने हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव दिया। इस दौरान सौर उर्जा द्वारा संचालित एक उर्जा कुशल समाधान के तहत पीएम कुसुम योजना के कंपोनेंट, उर्जा संरक्षण के विभिन्न तकनीक आदि की विस्तृत जानकारी भी दी गयी।

केबुल टाउन में सीधे बिजली देने के मामले में हाईकोर्ट में याचिका स्वीकार

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। केबुल टाउन क्षेत्रों के निवासियों के घरों में बिजली का सीधा कनेक्शन देने के बारे में झारखंड उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका न्यायालय ने स्वीकार कर लिया और दिवालिया केबुल कंम्पनी के आर पी याचिका में निहित बिन्दुओं का जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया है। झारखंड सरकार और टाटा स्टील के अधिवक्ताओं ने याचिका का समर्थन किया। आगामी 10 जून को ग्रीष्मावकाश के बाद न्यायालय खुलने पर मामले की सुनवाई होगी।

झारखंड सरकार और टाटा स्टील ने याचिका का किया समर्थन

उक्त जानकारी एक संवाददाता सम्मेलन में जमशेदपुर पूर्व के निर्दलीय विधायक सह भाजमो के संरक्षक सरयू राय ने दी। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील के वकील ने कहा कि कंपनी केबुल टाउन के सभी घरों में बिजली का सीधा कनेक्शन देने पर सहमत हैं परंतु दिवालिया घोषित हो चुकी केबुल कंपनी के आर पी इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दे रहे हैं।

मेरी मांग है कि टाटा स्टील को दिवालिया केबुल कंपनी के आरपी से अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगने की कोई जरूरत नहीं है। इस अनापत्ति के चक्कर में केबुल टाउन वासियों को कई वर्षों से बेवजह परेशानी उठानी पड़ रही है और महंगा बिजली खरीदनी पड़ रही है।

लोडर ऑपरेटर अभय के परिवार को मिलेगा 12 लाख रुपये मुआवजा

गम्हरिया। टाटा स्टील की गम्हरिया इकाई के डंपिंग यार्ड में लोडर ऑपरेटर अभय सिंह की हत्या के मामले में परिजनों को बतौर मुआवजा 12 लाख की राशि प्रदान की जायेगी। यह राशि उनकी पत्नी को दी जायेगी। इसके साथ ही पीएफ, ईएसआई समेत अन्य मद की राशि भी उन्हें मिलेगी। पूर्व विधायक अरविंद सिंह के प्रयास से मुआवजे की राशि मिलना संभव हो पाया। इससे पूर्व मुआवजे को लेकर कल बुधवार को देर रात तक टाटा स्टील प्रबंधन के अधिकारियों एवं पूर्व विधायक सिंह के साथ कई दौर की वार्ता हुई।

कांग्रेस पुसो मंडल अध्यक्ष के साथ पूछताछ के नाम पर मारपीट

खबर मंत्र संवाददाता

गुमला। कांग्रेस के पुसो मंडल अध्यक्ष जितेंद्र लोहरा के साथ पुसो थाना प्रभारी के द्वारा किये गये अमानवीय कृत को लेकर गुरूवार को कांग्रेस के कई नेता एसडीपीओ सुरेश कुमार यादव से मिले। कांग्रेसियों ने एसडीपीओ से उक्त मामले में कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में जितेंद्र लोहरा ने भी एसपी को ज्ञापन सौंपकर थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जितेंद्र लोहरा ने कहा है कि 14 मई को मेरे भाई अनुज लोहरा के बारे में पूछताछ के लिए पुसो थाना प्रभारी हिमांशु शेखर सिंह व अन्य पुलिस कर्मियों के द्वारा मुझे थाने ले गये। जहां ले जाकर हाजत में बंद कर दिया गया। जितेंद्र ने कहा कि वह विवाह के बाद माता-पिता व भाई से अलग घर बनाकर करीब दस वर्षों से अलग रह रहा है।

मेरा भाई किसके साथ घूमता है या कहां जाता है उसकी जानकारी उसको नहीं है। भाई के बारे में कोई जानकारी नहीं होने के बवजूद थाना प्रभारी के द्वारा उसके साथ मारपीट की गई। मेरे शरीर के नाजकु अंगों के साथ छेडछाड़ कर बहुत ही बेरहमी के साथ ठंडे से मारपीट की गई। थाना परिसर में नंगा कर पीटा गया। मेरे साथ अमानवीय हरकत की गई। इस दौरान उसे भोजन तक नहीं दिया गया। वहीं लोहरदगा कोर्ट में

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने होम वोटिंग का लिया जायजा, बुजुर्ग मतदाताओं का बढ़ाया उत्साह, बोले

लोकतंत्र की मजबूती में हर मत महत्वपूर्ण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 में वृद्ध मतदाता (85+) एवं दिव्यांग मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा होम वोटिंग के माध्यम से मतदान कराये जाने का प्रावधान किया गया है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल द्वारा 49- जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में होम वोटिंग का जायजा लिया गया। उन्होंने 85+ की मतदाता आभा रानी पांडा, सुभाष कॉलोनी, डिमना रोड और बेदामो देवी, बैकुंठनगर, रोड नंबर 3, मानगो के घर जाकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में अपने मत का प्रयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होने दोनों बुजुर्ग

- 95 प्रतिशत बुजुर्ग मतदाता होम वोटिंग के दौरान कर चुके हैं मतदान
- बुजुर्ग मतदाताओं को डीसी और डीडीसी ने गुलाब का फूल एवं वोटर कॉफी मग देकर किया सम्मानित

सुभाष कालोनी, डिमना रोड की आभा रानी पंडा को वोट दिलाने के बाद कॉफी मग व गुलदस्ता देते डीसी अनन्य मित्तल और डीडीसी मनीष कुमार।

मतदाताओं को गुलाब का फूल व वोटर कॉफी मग देकर सम्मानित भी किया।

जमशेदपुर समेत देश की जनता ने तय कर लिया है मोदी को बनायेंगे पीएम : सहिस

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर लोकसभा चुनाव में विजय लक्ष्य को साधने और संयुक्त रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से भाजपा नीत एनडीए (राजग) घटक दल के नेताओं की बैठक साकची स्थित लोकसभा चुनाव प्राधन कार्यालय में सम्पन्न हुई। गुरुवार को आयोजित इस बैठक में भाजपा नेताओं के संग एनडीए के साथी आजसू, जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेतागण शामिल हुए। बैठक में लोकसभा चुनाव में एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी बिद्युत महतो की बड़ी जीत सुनिश्चित करने हेतु चुनावी रणनीति पर मंथन

- लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने एनडीए घटक दल के नेताओं के साथ की बैठक

किया गया। इस दौरान समन्वय बनाकर जमशेदपुर लोकसभा सीट को बड़े अंतर से जीतने हेतु चर्चा कर रणनीति बनायी गयी। वहीं, घटक दल के सभी नेताओं ने जमशेदपुर लोकसभा सीट पर सांसद बिद्युत महतो को रिकॉर्ड मार्जिन से विजयी बनाने के संकल्प को दोहराया।

चमरा लिंडा के वोट प्रतिशत से होगा हार जीत का फैसला

खबर मंत्र संवाददाता

गुमला। लोहरदगा लोकसभा चुनाव में मतगणना के बाद प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो चुका है। लोहरदगा लोक सभा क्षेत्र से मैदान में 14 उम्मीदवार थे। लेकिन तीन उम्मीदवारों को छोड़कर बाकि 12 उम्मीदवार वोट कटवा ही बनकर रह गये। उन्हें अपने क्षेत्र के लोगों से ही मत मिलने की ज्यादा उम्मीद लोग जता रहे हैं। लोहरदगा संसदीय सीट में लोग कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत, भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव व निर्दलीय विधायक चमरा लिंडा के बीच त्रिकोणीय संघर्ष मान रहे हैं। लेकिन अबतक जितने भी लोस चुनाव में चमरा लिंडा मैदान में उतरे हैं उनमें केवल वे वोट कटवा की ही भूमिका में अधिक नजर आये हैं। इससे स्पष्ट है कि लोहरदगा संसदीय सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच ही है। कांग्रेस व भाजपा उम्मीदवारों को जीताने के लिए दोनों ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी सभा की थी। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार सुखदेव भगत के पक्ष में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनावी सभा की थी। इन दोनों दिग्गज नेताओं के चुनावी सभा से वोटों का ध्रुवीकरण तेजी से हुआ। क्योंकि दोनों नेताओं की सभा में उम्मीद से अधिक लोगों की भीड़ जुटी थी। वह भीड़ वोट में तब्दील हुई या नहीं यह तो आने वाला समय ही बताएगा। परंतु मतदान के बाद जीत की घंटी इस बात पर आकर लटक गयी कि चमरा लिंडा कितना वोट ला रहे हैं। चमरा लिंडा के वोट प्रतिशत से ही हर जीत का अंक गणित सेट होगा। क्योंकि चमरा लिंडा लोहरदगा संसदीय सीट के निर्णायक वोट पर अपना एकाधिकार जमा हुए हैं। कहा जाता है कि सरना समाज का वोट जिस ओर झुकेगा मैदान में उसी पार्टी के प्रत्याशी की जीत होगी। सरना समाज का वोठ इस बार बंट गया है। कुछ वोट भाजपा को तो कुछ वोट कांग्रेस को मिला है जबकि अधिक वोट चमरा लिंडा के पक्ष में गयी है। अब इस स्थिति में हार जीत का अंक गणित बैठाना भी मुश्किल हो रहा है। इस माथापची में उम्मीदवार व उनके समर्थकों के भी वोट के अंक गणित जुटाने में पसीने छुट रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पार्टी नेंताओं से मिल रहे फीड बेक से कांग्रेस व भाजपा उम्मीदवार के भी पसीने छूट रहे हैं। वहीं बात करे अन्य 12 उम्मीदवारों का तो वे अपने क्षेत्र का ही वोट लेते नजर आ रहे हैं।

देश के विकास की रफ्तार बनाये रखने के लिए मोदी को तीसरी बार पीएम बनाना जरूरी : बिद्युतबरण महतो

जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी का स्वागत करता साकची का एक दुकानदार।

- सांसद बिद्युत ने तेज किया जनसंपर्क अभियान
- पूर्वी विस के विभिन्न मंडल क्षेत्रों में किया सघन जनसंपर्क

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा लगातार लोगों से संपर्क एवं संवाद के जरिये समर्थन जुटा रही है। इस क्रम में, गुरुवार को सांसद सह भाजपा प्रत्याशी बिद्युत बरण महतो ने जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के विभिन्न मंडल क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से आशीर्वाद और समर्थन मांगा।

बिद्युत महतो ने बिरसानगर मंडल क्षेत्र के जोन नंबर 8 में स्थित काली माता मंदिर में पूजा अर्चना कर जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों के संग बिरसानगर, साकची पुर्वी, बर्मामाइंस, टेल्को, बारीडीह एवं सीतारामडेरा मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर भाजपा के पक्ष में मतदान रूपी आशीर्वाद की अपील की।

इस दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर रहा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी एवं बिद्युत महतो जिंदाबाद के साथ अबकी बार चार सौ पार का नारा लगाते हुए क्षेत्र के बुजुर्ग, युवा, महिलाओं, छात्राओं, दुकानदारों, मजदूरों के साथ समाज के अन्य वर्गों से मुलाकात कर केंद्र की मोदी सरकार एवं बिद्युत महतो के उपलब्धियों के पत्रक भेंटकर 25 मई को ईवीएम क्रमांक 2 पर बटन दबाकर बिद्युत महतो को विजयी बनाने का आग्रह किया।

प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी हैदराबाद

हैदराबाद और गुजरात मैच हुआ रद्द, दिल्ली, लखनऊ प्लेऑफ से बाहर

एजेंसी

हैदराबाद। बारिश ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के प्लेऑफ का टिकट दिला दिया। बारिश के कारण हैदराबाद और लखनऊ का मैच रद्द हो गया और इससे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। हैदराबाद के अब 15 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हैदराबाद प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई है। इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स जगह पक्की कर चुकी हैं।

टॉस भी नहीं हो सका

बारिश के कारण हैदराबाद और गुजरात के मैच में टॉस भी नहीं हो पाया। एक समय बारिश रुकने के बाद अंपायरों ने रात आठ बजे टॉस और 8:15 से मैच शुरू करने का फैसला किया था। लेकिन टॉस के समय से पहले ही फिर बारिश आ गई। इसके बाद लगातार बारिश के चलते अंपायरों ने मैच को रद्द करने का फैसला किया। वहीं, गुजरात का यह लगातार दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हुआ है। इससे पहले उसका कोलकाता के खिलाफ भी मैच रद्द हुआ था। उससे पहले कोलकाता और मुंबई के बीच मुकाबला भी बारिश से प्रभावित रहा था। वह मैच दो घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ था और 16-16 ओवर का हुआ था।

2020 के बाद पहली बार प्लेऑफ में पहुंची हैदराबाद

साल 2020 के बाद हैदराबाद ने प्लेऑफ में जगह बनाई है, जबकि टीम ने कुल सातवीं बार प्लेऑफ का टिकट कटाया है। हैदराबाद के प्लेऑफ में पहुंचने से दिल्ली कैपिटल्स दौड़ से बाहर हो गई है। दिल्ली के 14 मैचों में 14 अंक हैं और उसके सभी मैच खत्म हो गए हैं। वह -0.377 रन रेट के साथ पांचवें स्थान पर रह गई है।

एक जगह के लिए तीन टीमें दौड़ में

अब प्लेऑफ के लिए शेष एक जगह भरने के लिए तीन टीमें चेन्नई सुपरकिंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू और लखनऊ सुपरजाएंट्स दौड़ में हैं। हैदराबाद के अब 13 मैचों में 15 अंक हैं और चेन्नई सुपर किंग्स को छोड़कर कोई भी अन्य टीम 15 या इससे ज्यादा अंक नहीं बना सकती है। ऐसे में सनराइजर्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। चेन्नई के 13 मैचों के बाद 14 अंक हैं। टीम को 18 मई को बेंगलुरु से भिड़ना है। बेंगलुरु और लखनऊ दोनों के 12-12 अंक हैं। हालांकि, लखनऊ का नेट रन रेट काफी निगेटिव है और उन्हें इसका भरपाई कर पाना मुश्किल होगा। ऐसे में चेन्नई और बेंगलुरु के बीच मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट माना जा रहा है।

चेन्नई-बेंगलुरु के बीच वर्चुअल नॉकआउट

चेन्नई और बेंगलुरु के बीच चिन्नास्वामी में मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम होगी। बेंगलुरु को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए या तो 18 या इससे ज्यादा रन से मैच जीतना होगा। या फिर चेज करते हुए 10 या इससे ज्यादा शेष रहते मैच को खत्म करना होगा। यानी बेंगलुरु को 18.1 ओवर या इससे पहले लक्ष्य हासिल करना होगा। यह आंकड़े उस स्थिति के हैं जब पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 200 रन का स्कोर बनाती है।

दूसरे स्थान के लिए राजस्थान-हैदराबाद में जंग

इतना ही नहीं रविवार को दो और शानदार मुकाबले खेले जाएंगे। राजस्थान का सामना गुवाहाटी में कोलकाता से और सनराइजर्स का सामना हैदराबाद में पंजाब किंग्स से होगा। अगर राजस्थान की टीम कोलकाता को हराने में कामयाब रहती है तो टीम दूसरे स्थान पर रहकर लीग राउंड को खत्म करेगी। इस स्थिति में हैदराबाद-पंजाब मैच का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। ऐसे में पहला क्वालिफायर कोलकाता और राजस्थान के बीच होगा।

चेन्नई के पास भी दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका

वहीं, अगर सनराइजर्स की टीम पंजाब को हरा देती है और कोलकाता की टीम राजस्थान को हरा देती है तो हैदराबाद की टीम दूसरे स्थान पर रहकर लीग राउंड खत्म करेगी। तब पहला क्वालिफायर कोलकाता और हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। चेन्नई की टीम भी दूसरा स्थान हासिल कर सकती है, लेकिन इसके लिए पहले तो सीएसके आरसीबी को हरा दे और फिर राजस्थान और हैदराबाद दोनों को अपने-अपने मुकाबले हारने होंगे।

आईपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
कोलकाता	13	09	03	01	19	+1.428
राजस्थान	13	08	05	00	16	+0.273
हैदराबाद	13	07	05	01	14	+0.406
चेन्नई	13	07	06	00	14	+0.528
दिल्ली	14	07	07	00	14	-0.377
बेंगलुरु	13	06	07	00	12	+0.387
लखनऊ	13	06	07	00	12	-0.787
गुजरात	14	05	07	02	11	-1.063
पंजाब	13	05	08	00	10	-0.347
मुंबई	13	04	09	00	08	-0.271

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
कोहली	बेंगलुरु	661
गायकवाड	चेन्नई	583
हेड	हैदराबाद	533
पराग	राजस्थान	531
साई	गुजरात	527

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
हर्षल	पंजाब	22
बुमराह	मुंबई	20
वरूण	कोलकाता	18
चहल	राजस्थान	17
खलील	दिल्ली	17

जीत के साथ आईपीएल से विदा लेना चाहेंगे मुंबई और लखनऊ सुपर जाइंट्स

मुंबई। आइपीएल प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम पर अपने आखिरी मैच में जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगी। मुंबई इंडियंस काफी पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स अगर आखिरी मैच में भारी अंतर से जीत दर्ज करती है तो भी उसके अंतिम चार में पहुंचने की संभावना नगण्य हैं। तीन मैचों में लगातार हार से लखनऊ ने अंक भी गंवाए और रनरेट भी खराब हो गया। केकेआर से 98 रन से हार के बाद उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने दस विकेट से और दिल्ली कैपिटल्स ने 19 रन से हराया। सातवें स्थान पर काबिज लखनऊ का नेट रनरेट माइनस 0.787 है जबकि छठे स्थान की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का रनरेट 0.387 है। मुंबई इंडियंस प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम थी।

बांग्लादेश से प्रैक्टिस मैच खेलेगी टीम इंडिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद टी20 विश्व कप से पहले सभी टीमों को दो अभ्यास देती है। लेकिन इस बार व्यस्त कार्यक्रम के चलते सभी 20 टीम टूर्नामेंट से पहले ऐसा नहीं कर पाएंगी। भारतीय टीम के टी20 विश्व कप से पहले एकमात्र अभ्यास मैच एक जून को न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने की संभावना है। इसी दिन कनाडा डलास में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच

में सह मेजबान अमेरिका से भिड़ेगा। आइपीएल 26 मई को खत्म होगी और एक हफ्ते से भी कम समय में टी20 विश्व कप शुरू हो जाएगा। भारत अपने पहले 3 लीग मैच न्यूयॉर्क में खेलेगा इसलिए वे चाहते थे कि यात्रा से बचने के लिए अभ्यास मैच इसी स्थान पर खेला जाए। अमेरिका में दो अन्य स्थान डलास और मियामी के पास फोर्ट लॉडरहिल हैं। न्यूयॉर्क में अभ्यास मैच खेलने से भारत हालात से वाकिफ भी हो जाएगा। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा कि इस विश्व कप के लिए कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसे बेहतर ढंग से संभाला जा सकता था। आपको आईपीएल फाइनल और विश्व कप के उद्घाटन के बीच थोड़े ज्यादा समय की आवश्यकता थी। पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमें भी टूर्नामेंट से 24 घंटे पहले एक द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेंगी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच चौथा और अंतिम टी20 लंदन में 30 मई को होना है।

आइसीसी रैंकिंग : शाकिब के साथ हसरंगा शीर्ष स्थान पर, बल्लेबाजों में सूर्यकुमार टॉप पर बरकरार

दुबई। हार्दिक पांड्या टी20 हरफनमौलाओं की आइसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पांड्या 185 अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। हसरंगा और शाकिब के 228 अंक हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी 218 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के 210 अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्क्रम पांचवें स्थान पर और आस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस छठे स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव 861 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट 802 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (781), बाबर आजम (761) और दक्षिण अफ्रीका के मार्क्रम (755) उनके बाद है। भारत के यशस्वी जायसवाल 714 अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद, हसरंगा और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन शीर्ष तीन स्थानों पर हैं। भारत के अक्षर पटेल चौथे स्थान पर हैं।

अभी और आइपीएल खेल सकते हैं धोनी: हसी

नयी दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी अभी कुछ और साल आइपीएल खेल सकते हैं। हसी ने अराउंड द विकेट कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, मुझे भी इस संबंध में पक्की जानकारी नहीं है क्योंकि इस संबंध में जानकारी केवल उनके पास ही हो सकती है। हालांकि हम यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह आगे भी खेलें।

हमें स्मार्ट क्रिकेट खेलना होगा : सैमसन

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि हमें अपनी योजनाओं पर कायम रहते हुए अगले मैच में स्मार्ट क्रिकेट खेलना होगा। उन्होंने पंजाब किंग्स के हाथों मिली हार के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो हम एक अच्छे विकेट की अपेक्षा कर रहे थे। यह 140 रन वाली यह पिच नहीं थी, लेकिन हमें 160-170 तो बनाने ही चाहिए थे। हम ऐसे विकेटों पर खेलने के आदी नहीं हैं। हमें यहां पर अगले मैच में स्मार्ट क्रिकेट खेलना होगा।

तेज गेंदबाज बनना चाहते थे उसेन बोल्ट, कहा- क्रिकेट मेरे खून में है

एजेंसी

नयी दिल्ली। फरार्टा के शहंशाह उसेन बोल्ट को पिता से क्रिकेट का जुनून विरासत में मिला है लिहाजा उनके खून में है और उनका पसंदीदा प्रारूप टी20 है। आठ ओलंपिक स्वर्ण जीत चुके बोल्ट जमैका में बचपन के दिनों में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। अगले महीने से होने वाले आइसीसी टी20 विश्व कप के दूत बोल्ट का क्रिकेट से जुड़ने का सपना आखिर किसी रूप में साकार हुआ। बोल्ट ने इंटरव्यू में कहा, मैं क्रिकेट देखकर बड़ा हुआ हूं। मेरे पिता क्रिकेट के शौकीन रहे हैं और आज भी हैं। यह मेरे खून में है। मैं क्रिकेट से एमबेस्डर के रूप में जुड़ रहा हूं जो शानदार है। क्रिकेटर बनने का मेरा सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन टी20 विश्व कप का एमबेस्डर होना शानदार है। अपने सात साल के करियर में 100 और 200 मीटर के विश्व रिकॉर्डधारी बोल्ट अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। पिछले कुछ महीने संगीत और फुटबॉल का अपना शौक पूरा करने के लिए दुनिया घूमने वाले बोल्ट को टीवी पर क्रिकेट और आइपीएल देखने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, मैं उतना क्रिकेट नहीं देख सका लेकिन जब भी मौका मिलता है, मैं टी20 मैच देखता हूं। उन्होंने कहा, यह मेरा पसंदीदा प्रारूप है। इसमें आपको मजबूत, तेज और अच्छी रणनीति बनाने में माहिर होना पड़ता है। इसमें टेस्ट और वनडे दोनों का जादू देखने को मिलता है। बोल्ट ने कहा, वेस्टइंडीज में टी20 और वनडे अभी भी लोकप्रिय है।

चिराग-सात्विक की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

बैंकॉक। भारत की शीर्ष पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर जारी रहा और इस जोड़ी ने गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक-चिराग के अलावा युवा भारतीय खिलाड़ी मेईराबा लुवांग मैसनाम भी अंतिम-16 में पहुंचने में सफल रहे। सात्विक और चिराग की दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने अपने दूसरे दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग वाले शेई साओ नान और झेंग वेई हान को 21-16, 21-11 से हराया। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय जोड़ी का सामना अगले दौर में जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप की मलेशिया की जोड़ी से होगा।

मेईराबा ने क्रिस्टोफरसन को दी मात

हमवतन एचएस प्रणय पर उलटफेर भरी जीत के एक दिन बाद 21 वर्षीय मेईराबा ने 50 मिनट तक चले पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मुकाबले में डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसन को 21-14, 22-20 से हरा दिया। मेईराबा को अगले दौर में विश्व चैंपियन और स्थानीय दावेदार कुनलावुत वितिदसार्न की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

अश्मिता चालिहा का सफर समाप्त

पुरुष सिंगल्स वर्ग और डबल्स वर्ग में भारत को भले ही जीत मिली, लेकिन महिला सिंगल्स वर्ग में अश्मिता चालिगा को करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अश्मिता शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की हान युई के खिलाफ 15-21, 21-12, 12-21 से हार गईं। मिक्सड डबल्स में सतीश करुणाकरण और आद्या वरियाथ की जोड़ी को रिनोव रिवाल्डी और पिथा हानिंगत्यास मेंटारी की जोड़ी के खिलाफ 10-21, 17-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

टी20 में भारत बनाम पाक मुकाबला होगा मुश्किल : हरभजन

नयी दिल्ली। पूर्व ऑफ स्पिनर और 2007 पुरुष टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य हरभजन सिंह का मानना है कि यह भारत के लिए एक मुश्किल समय होगा जब वे मेगा इवेंट के आगामी संस्करण में पाकिस्तान का सामना करेंगे क्योंकि दोनों देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक-दूसरे के खिलाफ ज्यादा नहीं खेलते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क के नवनिर्मित नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मुकाबले को एक माह से कम समय रह गया है। पुरुष टी20 विश्व कप में इन दोनों टीमों के बीच हुई सात मुकाबलों में भारत छह बार विजयी रहा है। बहरहाल, हरभजन सिंह ने कहा कि दिन के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना हमेशा (मुश्किल) होता है।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में लेंगे भाग

भुवनेश्वर। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 मई को चेकिया में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स मीट 63वें संस्करण में प्रतिस्पर्धा करेंगे। ओस्ट्रावा में नीरज चोपड़ा को पुरुषों के जैवलिन थ्रो में कठिन चुनौती है। इसमें घरेलू पसंदीदा वाडलेज्च और ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स भी शामिल हैं। पीटर्स दोहा में वाडलेज्च्च और नीरज के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

अंजुम-स्वप्निल ने ओलंपिक चयन ट्रायल में पहली जीत दर्ज की, सिफत-अखिल चूके

भोपाल। ओलंपियन अंजुम मोदगिल और पेरिस ओलंपिक खेलों के कोटा विजेता स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को भोपाल में चल रहे ओलंपिक चयन ट्रायल में क्रमशः महिला और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहली जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा के फाइनल में स्वप्निल ने 463.7 अंक का स्कोर बनाया और अखिल श्योराण को हराया। अखिल 461.6 अंक का स्कोर बनाया और वह चूक गए। वहीं, स्थानीय निशानेबाज ऐश्वर्य तोमर 451.9 अंक के स्कोर से तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं के थ्री पोजिशन फाइनल में अंजुम ने 463.9 अंक का स्कोर बनाया। उन्होंने सिफत कौर सामरा को पीछे छोड़ा। भारत की नंबर एक निशानेबाज सिफत कौर 1.9 अंक से पिछड़ गईं। स्थानीय निशानेबाज आशी चौकसे 447.3 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के टी3 क्वालीफिकेशन में ओलंपियन मनु भाकर 577 के स्कोर से शीर्ष पर रहीं।

सुनील छेत्री ने फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। भारत के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल छेत्री के इस एलान से हर कोई अचंभित हो गया, लेकिन साथ ही समूचे खेल जगत ने छेत्री के योगदान को सराहा। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और पूर्व फुटबॉल कप्तान बाईचुंग भूटिया सहित अन्य कई खिलाड़ियों ने छेत्री की उपलब्धियों की सराहना की। छेत्री ने संन्यास की घोषणा करते हुए बताया कि वह छह जून को अपने करियर का आखिरी मुकाबला कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडिया जारी कर दी। सुनील छेत्री ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेसी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

एआइएफएफ और बीसीसीआइ ने भी की सराहना

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि छेत्री आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करना जारी रखेंगे। महासंघ ने कहा, आपकी मैदान के अंदर और बाहर की विरासत हमेशा याद रहेगी। आप हमेशा ही हमें प्रेरित करते हो और हमेशा ऐसा करना जारी रखोगे। शुक्रिया। वहीं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने छेत्री को शानदार आइकन करार देते हुए कहा, छेत्री का करियर बेहद असाधारण रहा है और आप भारतीय फुटबॉल और भारतीय खेलों के लिए शानदार आइकन रहे हैं।

सुनील छेत्री ने फुटबॉल में कमाया खूब नाम

सुनील छेत्री ने 2011 एएफसी एशियन कप में भाग लिया और उन्हें पहली बार 2012 एएफसी चैलेंज कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम का कप्तान बनाया गया। सुनील छेत्री की कप्तानी में उन्होंने 2008 में भारत के साथ एएफसी चैलेंज कप जीता। उन्होंने 2011, 2015, 2021 और 2023 में SAFF चैंपियनशिप खिताब जीतकर भारत को दक्षिण एशियाई फुटबॉल में एक प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित करने में मदद की। भारत ने 2007, 2009 और 2012 में छेत्री के साथ तीन नेहरू कप खिताब जीते। वह 2018 और 2023 में इंटरकांटिनेंटल कप जीता में भारत का हिस्सा रहे। छेत्री ने 2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2018-19 और 2021-22 सीजन में कुल सात बार प्रतिष्ठित ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआइएफएफ) प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीता है. उन्होंने 2009, 2018 और 2019 में FPI इंडियन प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता है।

छेत्री का संन्यास लेना फुटबॉल के लिए बड़ा नुकसान

महान भारतीय स्ट्राइकर भूटिया ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि सुनील भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक है। भारतीय फुटबॉल के लिए उसका योगदान बहुत ज्यादा है। भारतीय फुटबॉल के लिए यह बड़ा नुकसान होगा। मैं भाग्यशाली हूं कि सीनियर खिलाड़ी के तौर पर उसके साथ खेला। जब मैं आया था तो आई एम विजयन मेरे सीनियर थे और मेरे बाद सुनील आया। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि भारतीय फुटबॉल की अगुआई करने वाले दो दिग्गजों के बीच में मैंने टीम की कप्तानी की थी।

कोहली ने छेत्री को बताया दोस्त

छेत्री के इस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो पर प्रतिक्रिया करते हुए कोहली ने उन्हें अपना अच्छा मित्र बताते हुए लिखा, मेरे भाई, तुम पर फक्र है।' टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के सदस्य क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने लिखा, आपका सफर कितना शानदार रहा। इस शानदार करियर के लिए आपको बधाई। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने छेत्री को शानदार करियर पर बधाई दी। आइपीएल फ्रेंचाइजी आरसीबी ने 11 नंबर की जर्सी को सलामी करते हुए कहा, कप्तान आपका कितना शानदार सफर रहा है। 94 अंतरराष्ट्रीय गोल, इतनी उपलब्धियां, आपने इतने सारे युवा भारतीयों को बड़ा सपना देखने के लिए प्रेरित किया है।

फीफा ने छेत्री को बताया लीजेंड: फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने भी भारत के स्टार खिलाड़ी छेत्री के योगदान की तारीफ की। फीफा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर छेत्री की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह अर्जेंटीना के लियोन मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ खड़े हैं। फीफा ने यह फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, 'एक लीजेंड के तौर पर संन्यास लिया।' फीफा ने पोस्ट में लिखा, सुनील छेत्री दुनिया के तीसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ी भारत के लिए अपना आखिरी मैच में अगले महीने फीफा विश्व कप क्वालीफायर्स के दौरान खेलेंगे।

शरत, मनिका करेंगे ओलंपिक में टेबल टेनिस की अगुवाई

नयी दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टेटेएफआइ) ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए गुरुवार को कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन शरत कमल और मनिका बत्रा की अगुवाई वाली छह सदस्यीय भारतीय टेबल टेनिस टीम की घोषणा की। 41 वर्षीय शरत कमल ओलंपिक में अपनी पांचवीं और अंतिम उपस्थिति के लिए तैयार हैं। मनिका बत्रा लगातार तीसरी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगी। इस बीच 2018 और 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीमों के सदस्य साथियान गणानाशेखरन मुख्य टीम में जगह बनाने में असफल रहे हैं, लेकिन उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है।

साइक्लिस्ट ने मतदान के प्रति जागरूक

रिकांगपिओ। विश्व के सर्वाधिक ऊचाईं 15256 फीट पर स्थित मतदान केन्द्र टाशीगंग के लिए साइक्लिंग एक्सपीडेशन के तीसरे दिन आज निर्वाचन विभाग के स्टेट इलेक्शन आइकन जसप्रीत पॉल और सह-साइक्लिस्ट पन्द्रा-बीस के निवासी क्षितीज नीलटू ने टी.एस. नेगी राजकीय महाविद्यालय रिकांगपिओ में पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को निमंत्रण पत्र प्रदान कर उन्हें एक जून को होने वाल मतदान के प्रति जागरुक किया। यह साइक्लिंग अभियान मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग द्वारा ऐतिहासिक रिज शिमला से 14 मई को रवाना किया था जो कि 20 मई को टाशीगंग में संपन्न होगा।

कन्या विवाह एवं विकास सोसाइटी ने खोला सिलाई सेंटर

उद्घाटन करते अतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। कन्या विवाह एवं विकास सोसाइटी ने प्रखंड के मकरी पंचायत भवन में निःशुल्क सिलाई सेंटर खोला। जिसका उद्घाटन मकरी पंचायत के मुखिया पति धनंजय साह, कन्या विवाह सोसाइटी के सचिव विकास माली एवं पूर्व प्रमुख सह बीडीसी रीता देवी ने फीताकाट कर किया। मौके पर सचिव विकास माली ने कहा कि उक्त संस्था मुख्य रूप से बाल विवाह रोक, हत्या एवं दहेज प्रथा पर रोक लगाने के लिए निरंतर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करती आ रहीं है। साथ ही संस्था प्रतिवर्ष लाचार एवं असहाय कन्याओ का सामूहिक विवाह भी करती है। कहा कि संस्था द्वारा कई और सेंटर दूसरे प्रखंडों में खोला गया है। मुखिया पति धनंजय साह ने कहा कि कन्या विवाह सोसाइटी के सदस्य बधाई के पात्र है जो क्षेत्र में निःशुल्क सिलाई सेंटर खोलकर लड़कियों को आगे बढ़ा रहे हैं। मौके पर उप मुखिया उमेश सिंह, को-ऑर्डिनेटर आकाश दीप भारती, प्रखण्ड प्रभारी अंजु गुप्ता, ट्रेनर सोनी देवी, रवि पाल, सुनिल पासवान, मनोज पाल, मनोज यादव, रमेश साह, सतिश गुप्ता, प्यारे मोहम्मद आदि उपस्थित थे।

सत्ता की ललक में लालू यादव पिछड़ों की विरोधी कांग्रेस की गोद में बैठ गए : शाह

एजेंसी

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लालू यादव पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि लालू प्रसाद यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं लेकिन सत्ता की इतनी भी क्या ललक है कि पिछड़ों की विरोधी कांग्रेस की गोद में बैठ गए। बिहार का भला तेल पिलावन लठिया घुमावन से नहीं होगा। उसके लिए केंद्र की मोदी सरकार को मजबूत करें, जिसने बिहार के युवा को लाठी की जगह मोबाइल फोन थमाया है। अमित शाह गुरुवार को बिहार के सीतामढ़ी लोकसभा क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर से पक्ष में चुनावी सभा को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र मोदी को देश का पहला प्रधानमंत्री बताया, जो अति पिछड़े वर्ग से आते हैं। आरक्षण को लेकर किए गए उनके कार्यों को भी अमित शाह ने गिनाया। उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी को रामायण सर्किट से भी नरेन्द्र मोदी ही जोड़ेंगे। गृह मंत्री ने पीओके के मुद्दे पर सख्त तेवर दिखाए और कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर हमारा था। हमारा है और हमारा ही रहेगा। हम उसे हर हाल में लेकर रहेंगे। अमित शाह ने जदयू उम्मीदवारों को वोट देकर नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। सीतामढ़ी शहर स्थित गोयनका कॉलेज मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने फारूक अब्दुल्ला से लेकर राहुल गांधी और लालू यादव से लेकर उनके बेटे तक को निशाने पर लिया। अमित शाह ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला हम लोगों को डराने की कोशिश करते हैं कि पाकिस्तान के पास एटम बम है। हम किसी से डरने वाले नहीं बल्कि डराने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने पीओके कभी नहीं मांगा । पाकिस्तान के एटम बम से राहुल बाबा डरते होंगे, फारूक अब्दुल्ला डरें, मैं नहीं डरता । गृह मंत्री ने इस दौरान कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का जो पीएम का वादा था, उसका भी जिक्र किया और कहा कि जब अनुच्छेद 370 हटाया गया तो उसमें भी लालू यादव ने विरोध किया था। लालू ने कहा था कि 370 हटाने पर कश्मीर में खून की नदियां बहेंगी लेकिन कश्मीर में अब कंकड़ मारने तक की किसी में हिम्मत नहीं है। लालू एंड कंपनी विकास नहीं कर सकती है। ये बिहार को लालटेन युग में धकेलना चाहते हैं लेकिन नरेन्द्र मोदी ने युवाओं के हाथ में लाठी के बजाय सस्ते डेटा के साथ स्मार्टफोन थमाया है। लालू यादव 25 साल तक सत्ता में रहे लेकिन किसी को कभी भारत रत्न नहीं दिलाया लेकिन नरेन्द्र मोदी ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर बिहार को सम्मान दिया।

खबर | एक नजर में

घर में आग लगने से लाखों रुपये की क्षति

आग बुझाते लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। खरौंधी मोड़ के समीप मुख्य पथ स्थित बिगन साह के घर में बुधवार की देर शाम आग लगने से लाखों रूपये की आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल वाहन और ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। अगलगी की इस घटना में घर में रखे अनाज, फर्नीचर सहित अन्य सामान जल कर खाक हो गया है। अगलगी की जानकारी मिलते ही भवनाथपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। पीड़ित बिगन साह ने बताया कि बीते 13 मई की रात्रि घर में एक नकाबपोश चोर घुसा था, जिसे पकड़ने का प्रयास किया गया था, परंतु वह भाग निकला।

फिर वही चोर 15 मई की सुबह में घर के सामने लगे ग्रिल के पास भी आग लगाया गया था, जिसमे कुछ बोड़ा जल गया था, परंतु देर बुधवार की देर घर के दो तले पर अचानक घर वालो ने अगलगी देखा। जिसके बाद लोगों को सूचना के साथ दमकल विभाग को फोन से सूचना दिया था। इस अगलगी की घटना के पीछे गहरी साजिश बताया जा रहा है।

कमांडर-टेलर के टक्कर में चार घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा-रंका मार्ग पर गुरुवार को कमांडर एवं टेलर की टक्कर में कमांडर पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में मेराल थाना क्षेत्र के अरंगी गांव निवासी कुंदन कुमार भूईहर, उसकी पत्नी बिंदिया देवी, सरजुग भूहीहर की पत्नी कुंती देवी एवं मोहन भूइहर की पत्नी नारो देवी के नाम शामिल है। सभी को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में मोहन कुमार भूईहर ने बताया कि सभी लोग गोदरमाना से एक कमांडर पर आठ लोग सवार होकर गढ़वा आ रहे थे। इसी दौरान अनराज घाटी स्थित खड़े टेलर में कमांडर चालक ने पीछे से धक्का मार दिया। इससे कमांडर पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बिजली, नाली, गली एवं पीसीसी नहीं रहने के बावजूद वसूला जाता है होल्डिंग टैक्स

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत कार्यालय से महज लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर चार स्थित हरिजन टोला के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। नगर पंचायत बनने के 13 साल बीत जाने के बावजूद भी नगर पंचायत कार्यालय एवं बिजली विभाग के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैया के कारण यहां के लोग बिजली, नाली, गली एवं पीसीसी जैसे मूलभूत सुविधाओं से बिल्कुल वंचित है। उसके बावजूद भी नगर पंचायत कार्यालय के पदाधिकारी के द्वारा हिटलर शाही अंदाज में होल्डिंग टैक्स जमा करने के लिए दबाव बनाया जाता है। और लोग मजबूर होकर होल्डिंग टैक्स जमा भी करते हैं। इस

नगर पंचायत कार्यालय।

मोहल्ले में आज की वर्तमान स्थिति में बरसों से जीर्ण शीर्ण अवस्था में पड़े बिजली पोल के सहारे किसी तरह एक फेज बिजली तार में मक्ड़ जाल की तरह तार का अंकुश लगाकर बिजली जलाने को विवश है। जबकि इस मुहल्ले का सभी घर का बिजली का एग्रीमेंट किया हुआ है और समय समय पर सभी उपभोक्ता बिजली बिल भी जमा करते है। इसकी शिकायत बिजली विभाग के पदाधिकारी के पास दर्जनों बार की जा चुकी है, लेकिन उनके द्वारा हर बार एक ही बात बोलकर टरका दिया जाता है कि बिजली विभाग के पास अभी तार एवं पोल नहीं है, आने के बाद पूरी व्यवस्था कर दी जाएगी। इतना ही नहीं इस मोहल्ले के लोगों को मुख्य सड़क में पहुंचने वाला लगभग तीन फीट का इकलौता मार्ग भी जीर्ण शीर्ण अवस्था में पड़ा है। पूरे बरसात के मौसम में यहां के लोगों कि जिंद्गी नारकीय हो जाती है। नाली से भी वंचित हैं। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार ने कहा कि उसके लिए रिकग्निशन भेज दिया गया है। चुनाव को लेकर लगे आचार संहिता के कारण टेंडर नहीं हो पा रहा है। आचार संहिता समाप्त होते हैं उस पर कार्य किया जाएगा। बिजली की समस्या के बारे में उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा यदि आवेदन दिया जाएगा, तो मैं बिजली विभाग के अभियंता से बात कर समस्या का समाान करने के लिए पहला करूंगा।

तीर्थयात्रियों को मुखिया ने अंग वस्त्र देकर किया विदा

तीर्थयात्रियों को अंग वस्त्र देते मुखिया

खबर मन्त्र संवाददाता

कांडी। प्रखण्ड क्षेत्र में अमन चैन बने रहने की कामना को लेकर 42 तीर्थ यात्रियों का जत्था अयोध्या के लिए रवाना हुआ। जिसका नेतृत्व प्रवीण कुमार सिंह कर रहे थे। कांडी मुखिया विजय राम और दृष्टि यूथ आर्गेनाइजेशन संस्था के प्रधान सचिव शशांक शेखर ने सभी तीर्थयात्रियों को अंग वस्त्र व पानी का बोतल देकर विदा किया। सभी यात्री वाराणसी, विंध्याचल, प्रयागराज होते अयोध्या दर्शन करते हुए वापस कांडी आएंगे। तीर्थ यात्रा में राजा राम साव, यमुना साव, प्रमोद साव, राम प्रसाद राम, गौरीशंकर पाल, दिलीप कुमार सिंह, दिलेश्वर साव, ईश्वरी मेहता, रामाशंकर दुबे आदि लोग शामिल थे।

रंजनी शर्मा।

शांतिपूर्ण मदतान संपन्न होने पर जिपस रंजनी ने दी बधाई

गढ़वा। पलामू लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा ने गढ़वा एवं पलामू के सभी पदाधिकारियों व मतदान कर्मियों को बधाई दी है। श्रीमती शर्मा ने कहा है कि सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस कर्मियों, मतदान कर्मियों एवं आम जनता के सहयोग से चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। उन्होंने कहा कि मतदाताओ ने काफी उत्साह के साथ मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाया। इसके लिए सभी मतदाता धन्यवाद के पात्र हैं। लोकतंत्र का यह महापर्व सभी के सहयोग एवं तत्परता से ही संपन्न कराना संभव है।

चंदन जायसवाल ने किया रक्तदान

गढ़वा। सोशल वर्कर संस्था के तत्वावधान में शहर के सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में एक यूनिट रक्तदान किया गया। सासंद प्रतिनिधि चंदन जायसवाल ने सीआरपीफ जवान विजय मेहता की पत्नी कुमुद मौर्य के लिए एक यूनिट रक्तदान किया। जो सदर अस्पताल में इलाजरत हैं। सोशल वर्कर संस्था के संचालक आकाश केशरी ने कहा कि चन्दन जायसवाल ने संस्था के बैनर तले रक्तदान करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने बताया कि संस्था समय-समय पर जरूरतमंदो को रक्त उपलब करवा रही है ओर शहर के युवा संस्था से जुड़कर समाजसेवा में कदम से कदम मिला कार्य कर रहे है। मौके पर शुभम केशरी, हर्ष सीटू, पुष्प रंजन, मनीष कमलापुरी, संजय अग्रहरि, अंशु कांस्यकार आदि उपस्थित थे।

लाइफ गुड्स स्कॉलरशिप कार्यक्रम का आयोजन

स्कॉलरशिप के साथ छात्र-छात्राएं

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित ऑडिटोरियम हॉल में में गुरुवार को लाइफ गुड्स स्कलरशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि बडी फर स्टडी झारखंड रीजनल को-ऑर्डिनेटर वी बालासुब्रमण्यम ने बाबा अवधूत राम के चित्र पर दीप प्रज्जवलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को स्कलरशिप के बारे में विस्तार से बताया तथा स्कॉलरशिप के पंजीयन में होने वाली परेशानियों को दूर करने का उपाय बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डॉ एमके सिंह ने कहा कि छात्रवृत्ति बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाता है। कुलसचिव डॉ ललन कुमार ने कहा कि छात्रवृत्ति प्रत्येक बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाता है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने कार्यक्रम की शुभकामना एवं बधाई दी। मौके पर सभी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बासव राज कलाली, डॉ पीडी तिवारी, डॉ उमाशंकर मिश्रा, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ मनीष दुबे, दिव्या तिरु, डॉ अरविंद सिंह, सुभाष कुमार, राकेश कुमार सिंह, डॉ अमित सिंह, एनके प्रसाद, राजेंद्र विश्वकर्मा, उमाशंकर वैद्य, डॉ आशुतोष मिश्रा आदि उपस्थित थे।

शोणभद्र आदर्श डिग्री कलेज में स्नातक में नामांकन शुरू

शोणभद्र आदर्श डिग्री कॉलेज

खबर मन्त्र संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र के एकलौते उच्च शिक्षण संस्थान की डिग्री कक्षा में नामांकन प्रारंभ हो गया है। इसकी जानकारी देते हुए शोणभद्र आदर्श डिग्री कॉलेज कांडी के प्रभारी प्राचार्य प्रो. बबन कुमार पांडेय ने कहा कि स्नातक (बीए) कक्षा की कला संकाय के 2024-28 सत्र में नामांकन शुरू हो गया है। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के तमाम बुद्धिजीवियों व अभिभावकों से अपील करते हुए कहा है कि अपने निकटवर्ती एकलौते डिग्री कॉलेज में अपने लड़के लड़कियों का नामांकन कराकर उन्हें उज्जवल भविष्य की गारंटी दें। कॉलेज की विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहा कि यहां छात्रवृत्ति, उत्तम व समृद्ध पुस्तकालय, उन्नत कंप्यूटर लैब, छात्र छात्राओं के लिए विशेष स्टडी मैटेरियल, योग्य व अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन, निर्धन विद्यार्थियों के नामांकन में विशेष छूट, योग की कक्षाएं, सभी समेस्टर के लिए निःशुल्क अध्ययन सामग्री, आधुनिक व ऑनलाइन विशेष कक्षा, कांडी प्रखंड में परीक्षा का सेंटर, व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम, प्रतियोगिता परीक्षा के लिए विशेष कक्षा तथा स्किल डेवलपमेंट की विशेष कक्षाओं की व्यवस्था उपलब है।

स्वास्थ्य कर्मियों ने रैली में लोगों को किया जागरूक

रैली में स्वास्थ्य कर्मी

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। डेंगू चिकनगुनिया बीमारी दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों ने रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया। मौके पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रंजन दास ने बताया कि देश में डेंगू और चिकनगुनिया बुखार एक गंभीर बीमारी है, जो जानलेवा भी है। इससे बचने के लिए घर के आसपास गंदे पानी या एसी कुलर सही बरसाती पानी के जलजमाव से पैदा होते है। जिनके काटने से दोनो गंभीर बीमारी फैलती है। इसलिए ऐसे जगहों पर साफ सफाई के साथ लोग गंभीर बीमारी से बच सकते है। मौके पर डॉ दिनेश सिंह, एमपी डबलू विद्या नंद प्रजापति, अनूप गुप्ता, अरुण लकड़ा, संजय कुमार, धर्मजीत पासवान आदि कर्मी उपस्थित थे।

गांजा तस्करी मामले में 10 वर्षों की कठोर कैद

पटना। किशोर न्याय अधिनियम के तहत अधिकृत बिहार में पटना व्यवहार न्यायालय की एक सत्र अदालत ने गांजा तस्करी के मामले में दोषी युवक को आज 10 वर्षों के सश्रम कारावास के साथ ही दो लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) संगम सिंह ने मामले में सुनवाई के बाद एक नवयुवक को मादक औषधि एवं मनोत्तेजक पदार्थ अधिनियम की अलग-अलग धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। जुमार्ने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को एक वर्ष के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी।

सारण : बम विस्फोट में घायल मौलाना की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र में बुधवार को मदरसा में हुए बम विस्फोट में घायल मौलाना की मौत इलाज के दौरान पटना में हो गई है जबकि घायल छात्र की चिकित्सा की जा रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के मोतीराजपुर गांव स्थित एक मदरसा में बुधवार की देर रात बम विस्फोट होने से मदरसा के मौलाना मढ़ौरा थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव निवासी मौलाना इमामुद्दीन (50) तथा पड़ोसी जिला मुजफ्फरपुर का छात्र नूर आलम (15) घायल हो गए थे। जिन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा से पटना भेजा गया था।

Format C-1

(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25 September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 336 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Va. Union of India & Anr.)

Name and address of candidate:_BIDYUT BARAN MAHATO, KRISHNAPUR, ADITYAPUR INDUSTERIAL AREA, NIT, SARAIKELA KHARSAWAN, PIN-832109

Name of political Party:__BHARTIYA JANATA PARTY_____

(Independent candidates should write "Independent" here)

Name of Election :_LOKSABHA 2024_____

* Name of Constituency:___09, JAMSHEDPUR_____

I__BIDYUT BARAN MAHATO_____(name of candidate), a candidate for the abovementioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case (s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence (s)
1	CJM, JAMSHEDPUR	SAKCHI PS CASE NO-03/2022 DATED 06/01/2022	PENDING POLICE BAIL ON 03/04/2024	U/S-188/269/270/290/IPC AND 51(B) DISASTER MANAGEMENT ACT-2005
2				
3				

(B) Details about cases of conviction for criminal offences-NIL

Sl. No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum Imposed Punishment
1			

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned din place of name of constituency.

स्पीड न्यूज

कान्स के लिए बेटी संग रवाना हुईं ऐश्वर्या

मुंबई। मां-बेटी की जोड़ी को एयरपोर्ट पर देखा गया। ऐश्वर्या के दाएं हाथ में आर्म स्लिंग बंधी हुई थी। चोटिल होने के बावजूद भी वह कान फेस्टिवल में शामिल होने गईं। एक्ट्रेस ने ब्लैक पैंट के साथ नेवी ब्लू ट्रेंच कोट पहना हुआ था। वहीं आराध्या ने वाइट स्वेटशर्ट और जॉगर्स के साथ कैजुअल लुक चुना। ऐश्वर्या का रेड कार्पेट लुक अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है। वह एक दशक से अधिक समय से कान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा रही हैं। ऐश्वर्या पहली बार 2002 में कान के रेड कार्पेट पर शाहरुख खान स्टारर संजय लीला भंसाली की फिल्म देवदास के प्रीमियर के लिए नीता लुल्ला की डिजाइन की हुई साड़ी पहनकर गई थीं। फेस्टिवल में शामिल होने वाली अन्य हस्तियों में अदिति राव हैदरी, शोबिता धूलिपाला और कियारा आडवाणी शामिल हैं।

पद्मश्री वयोवृद्ध लेखिका मालती जोशी का निधन

नयी दिल्ली। पद्म श्री से सम्मानित वयोवृद्ध लेखिका मालती जोशी का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जोशी पिछले कुछ समय से आइसोफेगस के कैंसर से पीड़ित थीं। उनका निधन बुधवार को दिल्ली में उनके पुत्र सच्चिदानंद जोशी के आवास पर हुआ। अंतिम समय में उनके दोनों पुत्र ऋषिकेश और सच्चिदानंद तथा पुत्रवधुएं अर्चना और मालविका उनके पास थे। पचास से अधिक हिन्दी और मराठी कथा संग्रहों की लेखिका मालती जोशी शिवानी के बाद हिन्दी की सबसे लोकप्रिय कथाकार मानी जाती हैं। मालती जोशी की अनूठी कहानी कहने की शैली साहित्यिक दुनिया में एक विशेष स्थान रखती है। जोशी को साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 2018 में प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इंदौर में ट्रक से टकराई कार, 8 लोगों की मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के बेटमा थाना क्षेत्र में चंदन नगर ब्रिज के पास बुधवार रात इंदौर-अहमदाबाद नेशनल हाई-वे पर एक कार टायर फटने के बाद अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में कार सवार नौ लोगों में से आठ की मौके पर मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

मालदा में वज्रपात से 11 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गयी। दो अन्य लोग झुलस गए। गुरुवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में मणिचक थाना क्षेत्र निवासी दो नाबालिग और माला थाना क्षेत्र के साहापुर निवासी तीन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, वहीं दो अन्य लोग गजोल थाना क्षेत्र के अदीना और रतुआ थाना क्षेत्र के बालूपुर के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि हरीशचंद्रपुर के एक खेत में काम कर रहे दंपति की भी बिजली गिरने से मौत हो गई।

विपक्ष का फार्मूला, हर साल नया पीएम

देश चलाना सोने की चम्मच लेकर पैदा होने वाले बच्चों के बस की बात नहीं : मोदी

- शाहजादे को रायबरेली की जनता खटाखट भेजेगी घर
- लखनऊ व दिल्ली वाले गर्मी की छुट्टियों में जायेंगे विदेश

एजेंसी

प्रतापगढ़ (उप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतापगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि (इंडी अलायंस) सरकार चलाने का फॉर्मूला है- हर साल एक नया पीएम। ये चाहते हैं कि भानुमति का कुनबा जोड़ने वालों को लूट का बराबर मौका मिले। ये आपको मंजूर है क्या? रायबरेली की जनता भी खटाखट खटाखट भेजेगी घर : प्रधानमंत्री ने कहा कि देश चलाना सोने की चम्मच लेकर पैदा होने वाले बच्चों के बस की बात नहीं है। रायबरेली की जनता भी खटाखट भेजेगी घर। अमेठी से गए और अब ये रायबरेली से भी जाएंगे। मोदी ने कहा कि शहजादे चाहे लखनऊ वाले हों या दिल्ली वाले, गर्मी की छुट्टियों में विदेश निकल जाएंगे- खटाखट खटाखट। और मैं गारंटी देता हूं कि आपकी सेवा के लिए दिन-रात एक करके काम करूंगा।मेरा पल-पल आपके नाम, मेरे शरीर का कण-कण आपके नाम। इन शहजादों को न मेहनत की आदत है और न ही नतीजे लाने की। इसलिए ये कहते हैं देश का विकास अपने आप होगा देश का विकास खटाखट होगा। ये सोचते हैं कि भारत आत्मनिर्भर अपने आप बन जाएगा और पूछो तो कहते हैं- खटाखट-खटाखट। ये कहते हैं कि भारत की गरीबी हम दूर कर देंगे- खटाखट-खटाखट। मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन में वहीं लोग हैं जो सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हैं। आपको सपा-कांग्रेस से सावधान रहने की जरूरत है। 04 जून को सभी रिकॉर्ड टूट जायेंगे देश में भाजपा सरकार बनेगी। हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत बनायेंगे। तीसरे कार्यकाल में हम हिन्दुस्तान को दुनिया में तीसरे नंबर की ताकत बनाकर रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा-कांग्रेस देश के विकास का मजाक उड़ाती है। इनकी नजर देश के खजाने पर है। इन लोगों ने 2014 से पहले देश को बर्बाद कर दिया था। हर क्षेत्र में लूट मची थी। देश निराशा के गर्त में डूबा था। हम देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया में पांच नम्बर पर ले आये हैं। आज भारत जी-20 जैसे बड़े आयोजन बड़ी सफलता और गर्व के साथ करवाता है। भारत अपने तिरंगे की छाप चंद्रमा पर छोड़ता है। 10 साल पहले ऐसी सफलता की कल्पना भी कर सकते थे क्या? तब हजारों करोड़ के घोटाले के अलावा कोई खबर आई थी क्या? जो पहले असंभव था, आज वह संभव हो पाया है। यह बदलाव, यह सफलता मोदी के कारण नहीं बल्कि आपके एक वोट के कारण मिली है, यह आपके वोट की ताकत है। इसलिए आज पूरा देश कह रहा है- इस सरकार का तीसरा कार्यकाल होगा और दमदार। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतापगढ़ के नाम में ही प्रताप है। ये वीरों और बलिदानियों की भूमि है और आज हमारे भारत का प्रताप पूरी दुनिया देख रही है, आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है।यूपी का विकास, देश का भविष्य आपके एक वोट से तय होगा। लोकसभा प्रत्याशी को जिताने की अपील करते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आप संगमलाल को भारी बहुमत से जिताएं। आपका एक-एक वोट मोदी की ताकत बढ़ाएगा। ज्यादा से ज्यादा मतदान करिए और पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दीजिए।

कोई माई का लाल खत्म नहीं कर सकता सीएए : प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने आजमगढ़ में कहा कि कोई माई का लाल सीएए को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सपा बसपा कांग्रेस ने सीएए के नाम पर झूठ फैलाया। पूरे देश को दंगों की आग में झोंकने का प्रयास किया। इंडी गठबंधन वाले कहते हैं जिस दिन मोदी जायेगा यह सीएए भी जायेगा। देश का हर नागरिक जान गया है कि वोट बैंक की राजनीति कर हिन्दू मुसलमान को लड़ाकर सेक्युलरिज्म का चोला पहनरखा था। आपकी सच्चाई बाहर नहीं आ रही थी लेकिन मोदी ने आपकी सच्चाई उजागर कर दी है। आपने देश को 7 दशक तक साम्प्रदायिकता की आग में जूझने के लिए मजबूर कर दिया था। मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन तुष्टिकरण के दलदल में पूरी तरह फंस चुकी है। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेता राम मंदिर को लेकर आए दिन घटिया बातें कर रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे ने तो राम मंदिर को गालियां देने का मिशन ही चला रखा है। वोटबैंक के लिए यह लोग हमारी आस्था पर चोट कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत के लोगों को मोदी की गारंटी पर कितना भरोसा है। इसका उदाहरण सीएए कानून है। इसके तहत शरणार्थियों को बुधवार को नागरिकता दी गई। यह वे लोग हैं जो भारत के बंटवारें में बाहर चले गये थे।

पूरी तरह से इंडी गठबंधन का हिस्सा हूं : ममता बनर्जी

- बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का माकपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन में नहीं है : मुख्यमंत्री

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन को लेकर गुरुवार को घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी गठबंधन का हिस्सा हैं और आगे भी रहेंगी। हालांकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि वह सत्ता में आने के बाद विपक्षी मोर्चे को बाहर से समर्थन देंगी। तमलुक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने साफ किया कि तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में माकपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन में नहीं है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर कुछ लोगों ने कल मेरे बयान को गलत समझा है। मैं पूरी तरह से इंडी गठबंधन का हिस्सा हूं। यह गठबंधन मेरे दिमाग की उपज थी। हम राष्ट्रीय स्तर पर साथ हैं और आगे भी साथ रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि माकपा और कांग्रेस दोनों की पश्चिम बंगाल इकाइयां, जो गठबंधन का हिस्सा हैं, ने हाथ मिलाया है और राज्य में भाजपा की मदद की है। उन्होंने कहा कि बंगाल में माकपा और कांग्रेस पर भरोसा मत करो। वे हमारे साथ नहीं हैं, वे यहां भाजपा के साथ हैं। मैं दिल्ली में उस (इंडिया ब्लॉक) के बारे में बात कर रही हूं। ममता ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र में सरकार बनाने के लिए विपक्षी इंडी गुट को बाहर से समर्थन देगी। लोकसभा चुनाव में 400 सीटें हासिल करने के भाजपा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर संदेह व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि लोग उन्हें खारिज कर देंगे। ममता ने कहा कि भाजपा के बारे में पूरा देश समझ रहा है। हम (तृणमूल) केंद्र में सरकार बनाने के लिए इंडी ब्लॉक को बाहर से समर्थन देंगे। हम अपना समर्थन देंगे ताकि बंगाल में हमारी माताओं और बहनों को कभी समस्या न हो... और जो लोग 100 दिन की नौकरी योजना में काम करते हैं, उन्हें भी समस्या न हो।

मोदी ने एक दशक में इतना अधिक झूठ बोला, उसे गिनना मुश्किल है : दिग्विजय

प्रयागराज। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर नफरत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह लोगों के बीच नफरत पैदा कर अपनी राजनीति की रोटी सेंकती है। श्री सिंह गुरूवार को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के सिविल लाइंस आवास पर पार्टी नेताओं से मुलाकात करने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि भाजपा लोगों के बीच प्रेम की जगह अलगाववाद की राजनीति कर रही है। भाजपा हमेशा से नफरत की राजनीति की है। लोगों को मुख्य मुद्दों से भटका रही है। भाजपा दबाव की नीति अपना रही है। यह सरकार लोगों को अपनी आवाज उठाने नहीं देना चाहती। संविधान हमें अभिव्यक्ति का अधिकार देता है और सरकार उस अधिकार को दबा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को झूठ बोलने वाला बताया। उन्होंने एक दशक में इतना अधिक झूठ बोला है कि उसे गिन पाना मुश्किल है। इस झूठ के खिलाफ जन आक्रोश पनप चुका है। बिहार और उत्तर प्रदेश में क्रांति की चिंगारी फूट चुकी है। जो लोग कल तक चुप बैठते थे, अब मुखर हो रहे हैं। इस बार बदलाव तय है।पूर्व मुख्यमंत्री ने ईवीएम और चुनाव आयोग को लेकर कहा भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इतने जन आक्रोश के बाद भी अगर भाजपा जीतती है तो यह निश्चित रूप से ईवीएम मशीन में खेल करने से संभव है।

15 अगस्त तक 30 लाख पदों पर बहाली शुरू करेंगे : राहुल

- कहा-एक जुलाई से गरीब महिलाओं के खाते में 8500 रुपए हर महीने खटाखट पहुंचाएगा, आपका एक वोट

एजेंसी

नयी दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अन्याय को मिटाने के लिए एक एक वोट को जरूरी बताते हुए कहा है कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो 15 अगस्त तक 30 लाख पदों पर भर्ती शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में न्याय नहीं हो रहा है। जल, जमीन और जंगल से आदिवासियों के हकों को छीना जा रहा है और सबके साथ अन्याय हो रहा है इसलिए न्याय के लिए हर एक वोट जरूरी है। श्री गांधी ने कहा कि अपने एक वोट की ताकत समझिए। देश भर में हो रहे भयंकर भेदभाव और अन्याय को मिटाएगा - आपका एक वोट,15 अगस्त तक 30 लाख सरकारी पदों की भर्ती का काम शुरू करवाएगा - आपका एक वोट। एक जुलाई से गरीब महिलाओं के खाते में 8,500 रुपए हर माह खटाखट पहुंचाएगा - आपका एक वोट। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मिला आपका एक वोट युवाओं को 1 लाख रुपए वर्ष की पहली नौकरी दिलवाएगा,आपको अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा करेगा, अपनी सरकार चुनने का अधिकार सुरक्षित कर लोकतंत्र बचाएगा और वंचितों के हक, भागीदारी तथा आरक्षण की रक्षा करने के साथ ही जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों का अधिकार कायम रखेगा।

फिर दिल्ली वालों को खांसने के लिए मजबूर कर देंगे केजरीवाल : योगी

बांदा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की बुद्धि जेल जाने के बाद फिर गई है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के जेल में होने से दिल्लीवासी खुश थे कि कम से कम उनकी खांसी बंद थी, अब ये फिर से दिल्ली वालों को खांसने के लिए मजबूर कर देंगे। तिंदवारी में हमीरपुर-महोबा लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने वाले केजरीवाल अब मेरा नाम लेकर बातें कर रहे हैं। अन्ना ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, केजरीवाल ने उसे ही अपने गले का हार बना लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेल जाकर केजरीवाल को पता चल गया है कि अब वह कभी जेल के बाहर नहीं आने वाले हैं। उन्होंने अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने का काम किया है। इस पाप के लिए अन्ना हजारे उन्हें कभी माफ नहीं कर सकते। आम आदमी पार्टी ने सत्ता में पहुंचकर अपने ईद-गिर्द भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा दिया है। अन्ना दुखी होते होंगे कि मेरे आंदोलन की उपज किस प्रकार की राजनीति करते हैं।

जिनपिंग और पुतिन ने लिये कई अहम फैसले

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गुरुवार को यहां बीजिंग ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में एकांत में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नाटो के रुख को विनाशकारी करार देने के साथ ही पूर्वोत्तर एशिया में शक्ति संतुलन को बदल कर अमेरिकी आधिपत्य स्थापित करने के प्रयासों की निंदा की। पांचवे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण करने के बाद पुतिन पहली विदेश यात्रा पर दो दिन की चीन की राजकीय यात्रा पर बीजिंग आये हैं। चीनी राष्ट्रपति ने गुरुवार को यहां अपने पुराने मित्र रूसी राष्ट्रपति का पारंपरिक ढंग से भव्य स्वागत किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर गहन विचार विमर्श किया।

केजरीवाल को दो जून को करना होगा समर्पण : सुप्रीम कोर्ट

- दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने सभा में कहा था, लोगों ने झाड़ू को वोट दिया तो मुझे वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले के मामले में गिरफ्तारी के बाद एक जून तक अंतरिम जमानत पर 10 मई को तिहाड़ जेल से रिहा हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के चुनावी सभा के एक कथित बयान '...अगर लोगों ने झाड़ू को वोट दिया तो मुझे वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपत्ति पर गुरुवार को कहा उसका (शीर्ष अदालत) आदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि उन्हें (केजरीवाल) दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने केजरीवाल के मामले को अपवाद नहीं बनाया है। उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाना उचित है।पीठ ने आगे कहा कि हमारा आदेश बहुत स्पष्ट है। हमने एक समय सीमा तय की है कि अमुक तारीख के दौरान को वह जमानत पर हैं और जिस तारीख को उन्हें आत्मसमर्पण करना है (दो जून को, केजरीवाल को आत्मसमर्पण करना होगा)। यह शीर्ष अदालत का आदेश है। शीर्ष अदालत के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने श्री केजरीवाल की ओर से कथित तौर पर दिए गए उक्त बयान पर आपत्ति जताई थी। श्री मेहता ने पीठ के समक्ष श्री केजरीवाल के कथित बयान के संदर्भ में दावा करते हुए कहा कि यह (बयान) संस्था (शीर्ष अदालत) के मुंह पर एक तमाचा है। मैं इस पर आपत्ति जताता हूं। सॉलिसिटर जनरल ने श्री केजरीवाल का हवाला देते हुए कहा, 'आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक ने अपने सार्वजनिक भाषण में कहा-वे (लोग) कहते हैं कि मुझे 20 दिनों में वापस जेल जाना होगा। अगर आप हमारी पार्टी के चुनाव चिह्न झाड़ू (आप का चुनाव चिह्न) को वोट देंगे तो मुझे जेल नहीं जाना पड़ता। शीर्ष अदालत के समक्ष श्री मेहता ने पूछा कि ऐसा कैसे हो सकता है कि अगर आप (लोग) मुझे वोट देंगे तो मुझे दो जून को वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा।₹ इस पर पीठ ने फिर स्पष्ट किया कि यह उनकी धारणा है। हमारा आदेश स्पष्ट है। वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी ने श्री केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का उल्लेख करते हुए कहा, 'मैंने नहीं सोचा था कि वह ऐसा कहेंगे। मैं हलफनामा दायर करूंगा और वह (केजरीवाल) सरकार के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण आरोप लगा रहे थे...मैं इस (केंद्र) सरकार के शीर्ष मंत्री के बारे में हलफनामा दाखिल करूंगा।' इस पर पीठ ने कहा कि जहां तक फैसले के आलोचनात्मक विश्लेषण या यहां तक कि आलोचना का सवाल है, आपके अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं। हमें इससे कोई परेशानी नहीं है। हमारा आदेश बहुत स्पष्ट है।

माधवी राजे सिंधिया का राजसी परंपरा से हुआ अंतिम संस्कार

बेटे ज्योतिरादित्य ने दी मुखाग्नि, हजारों लोगों ने नम आंखों से दी राजमाता को विदाई

- राजमाता विजयाराजे सिंधिया और माधव राव सिंधिया की समाधि के पास ही उनका किया गया अंतिम संस्कार

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर के सिंधिया राजघराने की महारानी और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे का ग्वालियर में गुरुवार शाम को राजसी परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। बेटे ज्योतिरादित्य ने मां माधवी राजे को मुखाग्नि दी। इससे पहले मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक कर्मकांड संपन्न कराए गए। ग्वालियर में सिंधिया छत्री पर महारानी माधवी राजे को अंतिम विदाई देने के लिए कई वीवीआईपी और आम लोग भी पहुंचे। अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित कई बड़े नेता शामिल रहे। माधवी राजे सिंधिया का बुधवार सुबह दिल्ली के एम्स में उपचार के दौरान निधन हो गया था। 75 वर्षीय माधवी राजे लंबे समय से बीमार थीं। बीते दो माह से वह दिल्ली के एम्स में ही भर्ती थीं। उनकी पार्थिव देह गुरुवार दोपहर में ग्वालियर पहुंची। यहां रानी महल में उनकी पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिए रखी गई थी। यहां रानी महल में लोगों ने उनके अंतिम दर्शन किए। पक्ष और विपक्ष के कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद शाम को रानी महल से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। कटोराताल स्थित थीम रोड स्थित अम्मा महाराज की छतरी में राजमाता विजयाराजे सिंधिया व स्व. माधव राव सिंधिया की समाधि के पास ही शाम को उनका अंतिम संस्कार किया गया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मां माधवी राजे के अंतिम संस्कार की तमाम रस्में निभाई। उन्होंने मां को मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में सीएम डॉ. मोहन यादव, मंत्री प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, समेत कई नेता शामिल हुए।

VERMA PRESS वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar – II	₹ 120	English Grammar – II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !